झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

रांची, सोमवार, 28 सितंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -99 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

दिनेश सिंह
जिला संयोजक, भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ
वार्ड नंबर 55

आत्मविश्वास मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी होती है, हमें खुद पर भरोसा रखने की आवश्यकता है, वर्तमान में छात्रों को आत्मविश्वास और खुद पर भरोसे की बेहद आवश्यकता है, ताकि वह आगे आने वाली कठिनाइयों का आसानी से सामना कर सकें।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,33,700**
चांदी (प्रति किलो) : **2,36,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **73,895.74**
निफ्टी :- **23,140.50**

मौसम

अधिकतम तापमान : **28**
न्यूनतम तापमान : **21**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:39**
संध्या :- **17:39**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1923 को इथोपिया ने राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशंस) की सदस्यता छोड़ी।

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफ जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

रांच। राजधानी रांची में रविवार को एक सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मार ली. उसकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान डालटनगंज निवासी हवलदार भुवनेश्वर पाल के रूप में हुई है. हवलदार भुवनेश्वर पाल रांची के तिरिल स्थित सीआरपीएफ कैंप में पदस्थापित थे. बताया जा रहा है कि जवान ने कैंप में ही खुद को गोली मारी. घटना के बाद कैंप में हड़कंप मच गया. जवान ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. घटना की सूचना मिलने के बाद सीआरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है. जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है. अधिकारियों की जांच के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा.

पति ने पत्नी को पुल से नीचे धकेला, टापू पर पूरी रात जिंदगी के लिए जूझती रही पत्नी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को एक सनकी पति ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी. आरोप है कि मृत्युंजय महतो नामक शख्स ने अपनी पत्नी लखिमनी कुमारी को जान से मारने की नीयत से पुल से नीचे धकेल दिया, लेकिन लखिमनी कुमारी की किस्मत अच्छी थी कि ग्रामीणों ने उसे टापू पर देख लिया और उसकी जान बचा ली. महिला के द्वारा पुलिस से की गई शिकायत के अनुसार, शनिवार की रात बहाने से पति मृत्युंजय महतो ने अपनी पत्नी लखिमनी कुमारी को नदी के किनारे ले गया. जान से मारने की नीयत से उसने लखिमनी को पुल से नीचे धकेल दिया. पुल से नीचे गिरने के बाद लखिमनी पानी के तेज बहाव में बहते हुए एक टापू पर जा फंसी. रात का अंधेरा और चारों ओर पानी होने के कारण वह रात के वक्त वहां से निकल नहीं सकी.

विराट और गिल के तूफान में उड़ा वेस्टइंडीज, भारत ने 50 गेंद रहते जीता मैच

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट से जीत दर्ज की. तिरुवनंतपुरम में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 295 रन बनाए थे. जवाब में भारतीय टीम ने 41.4 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया. विराट कोहली और शुभमन गिल ने शानदार शतकीय पारियां खेलकर टीम को आसान जीत दिलाई.

रोहित ने दी अच्छी शुरूआत

296 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शानदार शुरूआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े. रोहित 35 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए. उनकी पारी में 2 चौके और 3 छक्के शामिल रहे. उन्हें अल्जारी जोसेफ ने आउट किया. रोहित के आउट होने के बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी को संभाला. कप्तान शुभमन गिल ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार बल्लेबाजी की. उन्होंने 108 गेंदों में 110 रन की पारी खेली, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल रहा. यह वेस्टइंडीज के खिलाफ गिल का पहला वनडे शतक था. गिल और कोहली की शतकीय पारियों ने भारत के लिए 296 रन के लक्ष्य को आसान बना दिया.

विराट कोहली वनडे में 15 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने

विराट कोहली ने एक बार फिर वनडे क्रिकेट में अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है. भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले वनडे में कोहली ने 59 रन पूरे करते ही वनडे क्रिकेट में 15,000 रन का आंकड़ा छू लिया. इसके साथ ही वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं. सचिन तेंदुलकर ने जून 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए वनडे क्रिकेट में 15,000 रन पूरे किए थे. उस समय वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले और इकलौते बल्लेबाज बने थे. सचिन ने अपने करियर की 377वीं वनडे पारी में 15 हजार रन पूरे किए थे. करीब 19 साल तक यह उपलब्धि सिर्फ उनके नाम रही. अब विराट कोहली ने इस खास क्लब में एंट्री कर ली है. हालांकि, विराट के पास अभी सचिन के कुल वनडे रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने के लिए लंबा सफर तय करना होगा.

15 हजार ओडीआई रन बनाने वाले प्लेयर

बल्लेबाज	वनडे रन
सचिन तेंदुलकर-	18,426
विराट कोहली-	15,000*
कुमार संगकारा-	14,234
रिकी पोंटिंग-	13,704
सनथ जयसूर्या-	13,430

विराट कोहली ने जड़ा 55वां वनडे शतक

विराट कोहली ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया. उन्होंने गुडाकेश मोती की गेंद पर छक्का लगाकर अपना 55वां वनडे शतक पूरा किया. इसके बाद कोहली ने अपनी पारी को अंत तक ले जाते हुए भारत को जीत दिलाई. कोहली ने 139 रन की नाबाद पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 9 छक्के लगाए. 41.4 ओवर में कोहली ने छक्का लगाकर भारत के लिए विजयी रन बनाया और टीम ने 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया.

विश्व पर्यटन दिवस पर एयरपोर्ट पर दिखी झारखंड की सांस्कृतिक दुर्लभ छटा, यात्रियों का तिलक-फूलों से स्वागत

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट में झारखंड की संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य की झलक देखने को मिली. यात्री सेवा अभियान के तहत एयरपोर्ट पर पहुंचने वाले यात्रियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया. यात्रियों को तिलक लगाया गया और गुलाब का फूल देकर झारखंड की आत्मीयता से परिचय कराया गया. इस दौरान पौधों के बीज भी हरित स्मृति-चिह्न के रूप में यात्रियों को दिए गए.

यात्रियों को मिला लोक संस्कृति का अनुभव

एयरपोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण झारखंड की स्थानीय संस्कृति और विरासत रही. यहां यात्रियों को राज्य के पारंपरिक खान-पान, कला, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिला. एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए ऐसा माहौल बना, जिसमें यात्रा के साथ झारखंड की पहचान और लोक संस्कृति का अनुभव भी यात्रियों को मिला. कार्यक्रम में छऊ नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने यात्रियों का ध्यान आकर्षित किया. कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में अपनी प्रस्तुति के माध्यम से छऊ की विशिष्ट शैली और ऊर्जा को सामने रखा. तेज गति वाली मुद्राएं, युद्ध-कला से प्रेरित शारीरिक गतिविधियां और भावपूर्ण प्रस्तुति इस नृत्य की खासियत रही. छऊ नृत्य में पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और प्रकृति से जुड़े प्रसंगों को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है.

झारखंड की समृद्ध लोक परंपरा

से अवगत हुए यात्री

छऊ नृत्य को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में भी शामिल किया गया है. ऐसे में एयरपोर्ट पर इसकी प्रस्तुति ने राज्य की समृद्ध लोक परंपरा को देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले यात्रियों तक पहुंचाने का अवसर दिया.

पारंपरिक शैली से यात्रियों का वेलकम

यात्री सेवा अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य यात्रियों के सफर को केवल आने-जाने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें झारखंड की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव कराना रहा. एयरपोर्ट पर स्वागत की पारंपरिक शैली, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक प्रस्तुति के जरिए राज्य की अलग पहचान सामने आई. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट झारखंड आने वाले यात्रियों के लिए प्रवेश द्वार की भूमिका निभाता है. ऐसे आयोजनों के जरिए एयरपोर्ट पर पहुंचने वाले यात्रियों को शुरूआत में ही राज्य की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने का प्रयास किया गया. विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम यात्रा, सेवा और संस्कृति को एक साथ जोड़ता नजर आया.

मतदाताओं को राहत, सुनवाई में नहीं जाना पड़ेगा ईआरओ कार्यालय, घर बैठे दस्तावेज जमा और सुनवाई

एसआईआर में नोटिस पाने वाले मतदाताओं को ईआरओ ऑफिस जाने की जरूरत नहीं

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी रक्फ्र 2026 को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, ईआरओ और एईआरओ को कई अहम निर्देश दिए हैं. उन्होंने साफ किया है कि अनमैप्ड या लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के मामलों में नोटिस पाने वाले मतदाताओं को सामान्य तौर पर सुनवाई के लिए एफ्ह्र कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी. विशेष परिस्थितियों को छोड़कर सुनवाई की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी की जाएगी.

घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, दस्तावेज लेकर करेंगे अपलोड

एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं को अनमैप्ड या लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के संबंध में नोटिस मिला है, उनके घर जाकर बीएलओ आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करेंगे. इन दस्तावेजों को ECINet पर अपलोड किया जाएगा, ताकि बीएलओ उपलब्ध रिकॉर्ड और दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार निर्णय ले सकें. तकनीकी रूप से कमजोर बीएलओ को दस्तावेज अपलोड करने में मदद देने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को जरूरत के मुताबिक वॉलेंटियर और दूसरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया है.

असाधारण स्थिति में होगी ऑनलाइन सुनवाई

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि नोटिस पाने वाले मतदाताओं को सामान्य तौर पर एफ्ह्र/अएफ्ह्र कार्यालय में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं है. केवल असाधारण परिस्थितियों में एफ्ह्र के निर्णय के अनुसार सुनवाई होगी और इसे ऑनलाइन माध्यम से कराया जाएगा. जरूरत पड़ने पर मतदाता अपने परिवार के किसी वयस्क सदस्य को भी सुनवाई में शामिल होने के लिए अधिकृत कर सकता है. इसके लिए जिलों को पर्याप्त ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है.

बेघर और जरूरतमंद लोगों के लिए लगेंगे विशेष कैंप

निर्वाचन विभाग ने रात्रि आश्रय स्थलों में रहने वाले लोगों, श्रमिकों, गरीब, बेघर और अन्य जरूरतमंद लोगों तक भी रक्फ्र की प्रक्रिया पहुंचाने के निर्देश दिए हैं. ऐसे लोगों के लिए जरूरत के अनुसार हेल्प डेस्क और विशेष शिविर लगाए जाएंगे, ताकि वे मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रिया में शामिल हो सकें. स्थानों पर सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां कैंप मोड में डिजिटाइजेशन का काम पूरा करने का निर्देश दिया गया है. इसके साथ ही आउटरीच कार्यक्रम के तहत पात्र लोगों को फॉर्म-6 के जरिए मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया तेज करने को कहा गया है. वर्तमान में प्राप्त फॉर्म-6, 6अ, 7 और 8 के आवेदनों के डिजिटाइजेशन और जिन मामलों में सुनवाई जरूरी है, उनमें नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाने को कहा गया है. सीईओ के मुताबिक पात्रता तय करते समय मुख्य रूप से तीन बातों पर ध्यान दिया जाएगा.? संबंधित व्यक्ति भारत का नागरिक है या नहीं, 1 अक्टूबर 2026 को उसकी उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है या नहीं और वह संबंधित मतदान केंद्र क्षेत्र में सामान्य रूप से निवास करता है या नहीं.

मन की बात : पीएम मोदी ने मन की बात में सर्जिकल स्ट्राइक, स्वच्छता, पर्यावरण समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र ने आज सितंबर के आखिरी रविवार को अपने चर्चित रेडियो कार्यक्रम में मन की बात की. इस दौरान उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, स्वच्छता, पर्यावरण समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की. पीएम मोदी ने कहा, 'मन की बात' के इस सितंबर एडिशन में मुझे एक बार फिर आपसे जुड़ने का मौका मिला है. मैं देश के सभी लोगों का स्वागत करता हूं. 'मन की बात' में हम अपने देशवासियों की अच्छी कोशिशों को एक मंच देते हैं. हम देश की कामयाबियों के बारे में बात करते हैं. भारत की ऐसी ही एक बड़ी ऐतिहासिक कामयाबी एक दिन में 10 साल पूरे करने वाली है. यह कामयाबी है सर्जिकल स्ट्राइक, दस साल पहले, 28-29 सितंबर 2016 को, भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी. दुनिया यह देखकर हैरान रह गई थी कि कैसे हमारे बहादुर सैनिकों ने लाइन ऑफ कंट्रोल पार करके आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की.' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आतंकवादी हमलों ने भारत को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाया है. एक समय था जब भारत में सीरियल ब्लास्ट आम बात थी. इसी सितंबर महीने में 13 सितंबर 2008 को दिल्ली में हुए सीरियल ब्लास्ट में कई बेगुनाह नागरिक मारे गए थे. इसके कुछ ही हफ्तों बाद मुंबई में 26/11 जैसा बड़ा हमला हुआ.

दोस्तों, पहले भी हर आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाती थी, लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था. लोग समय बीतने का इंतजार करते थे. अब आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी के साथ आगे बढ़ रहा है, और हम इसके नतीजे भी देख रहे हैं.' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियों इन दिनों देश की एक बहुत बड़ी तस्वीर बन रही है. इस तस्वीर में आप भी हैं, आपका परिवार भी है, और आपके पड़ोसी भी हैं. मैं भारत के सेंसस की बात कर रहा हूं. देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसका पहला फेज लगभग पूरा हो चुका है. 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों की जानकारी पहले ही रिकॉर्ड हो चुकी है. इन दिनों यह काम लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के मुश्किल और बर्फीले इलाकों में भी चल रहा है. वहां से कई प्रेरणा देने वाले अनुभव हमारे सामने आए हैं. उत्तराखंड में सेंसस की शुरूआत चमोली के माना गांव से हुई. माना को देश का पहला गांव कहा जाता है. माना में यह प्रोसेस सबसे पहले 83 साल की पूर्णिमा रावत के साथ शुरू हुआ.

बूढ़ा करमा पूर्वजों से मिली विरासत और झारखंड की सांस्कृतिक पहचान: सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आपसी प्रेम, भाईचारे और प्रकृति पूजा का संदेश देता है यह पर्व: विधायक तिवारी महतो

रामगढ़। रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत कुंदरू कलां स्थित महथा बगीचा फुटबॉल मैदान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल 'बूढ़ा करम पूजा महोत्सव' का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। महोत्सव का शुभारंभ गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी द्वारा विशाल नृत्य अखाड़ा का फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विशिष्ट अतिथि मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो, रामगढ़ की पूर्व विधायक सुनीता चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, उपाध्यक्ष रीता देवी तथा जिप सदस्य जलेश्वर महतो सहित कई गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की।

अखाड़े में गूंजी ढोल-नगाड़ों की थाप, अतिथियों संग झूमे हजारों लोग

महोत्सव के दौरान सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और विधायक तिवारी महतो खुद को रोक न सके और मांदर व ढोल-नगाड़ा बजाकर हजारों युवक-युवतियों तथा ग्रामीणों के साथ अखाड़े में जमकर थिरके। हेमली देवी के पारंपरिक गीतों और ढोल वादकों की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को भक्तिमय और संगीतमय बना दिया, जिस पर लोग देर रात तक झूमते रहे।

सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है करम: सांसद

संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि बूढ़ा करम महोत्सव झारखंडी संस्कृति की पहचान है और यह हमें पूर्वजों से मिली अनमोल विरासत है। यह प्रकृति से जुड़ा पर्व है जिसे झारखंड में सभी समुदाय के लोग आपस में मिलजुलकर मनाते हैं। उन्होंने समाज में एकता बनाए रखने का आह्वान किया।

फसलों की हरियाली और सुख-समृद्धि की कामना: विधायक

विशिष्ट अतिथि मांडू विधायक तिवारी महतो ने कहा कि करम पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना का प्रतीक है। सैकड़ों वर्षों से चले आ रहे इस त्योहार को सहेजकर और जीवित रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस पर्व में करम गोसाईं से खेतों में फसलों की हरियाली, बेहतर उपज और हर घर-परिवार में सुख-शांति व समृद्धि की कामना की जाती है।

हजारों की संख्या में जुटे ग्रामीण व जनप्रतिनिधि

कार्यक्रम में कुंदरू कलां, बारलोंग और दोहाकातू पंचायत के जनप्रतिनिधियों सहित रामगढ़ जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो, आजसू केंद्रीय सचिव अमृत लाल मुंडा, आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक किसुन राम मुंडा, बारलोंग मुखिया रेखा देवी, अध्यक्ष मोहराय महतो, सचिव प्रदीप नायक, कोषाध्यक्ष बालेश्वर महतो, राजेश महतो, मुखिया रामसेवक महतो, पूर्व मुखिया रामेश्वर महतो, कलावती देवी, शीला देवी, दिनेश महतो, मनोज महतो, विकास महतो, संजय मुंडा, धनेश्वर यादव, तुलसीदास महतो, अनिल पटेल, मिश्रीलाल महतो, संतोष केसरी, दीपक नायक सहित हजारों की संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

बड़की चांपी में धूमधाम से मनाया जाएगा दुर्गा पूजा

लोहरदगा: केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति, बड़की चांपी के तत्वावधान में आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को भव्य एवं आकर्षक रूप देने को लेकर स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता ने की। बैठक में दुर्गा पूजा की तैयारियों, श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता, सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति की ओर से पूजा महोत्सव को भक्तिमय एवं यादगार बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर माता रानी का भव्य जागरण एवं आकर्षक झांकियों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर भी चर्चा की गई। विजयादशमी पर होगा रावण दहन विजयादशमी के अवसर पर बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में भव्य रावण दहन का आयोजन किया जाएगा। समिति के सदस्यों नेआयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने पर जोर दिया। बैठक में पूजा पंडाल, विद्युत सज्जा, साफ - सफाई, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा हुई। समिति ने ग्रामीणों से दुर्गा पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग की अपील की है।

सेवा भारती के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 40 लोगों की हुई जांच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: जिला सेवा भारती के तत्वावधान में चुन्नीलाल स्कूल परिसर में रविवार को लगातार 224वें सप्ताह निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 7:30 बजे आयोजित शिविर का शुभारंभ चिकित्सक डॉ. कुमुद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, सचिव संजय चौधरी, मुकेश गुप्ता एवं सत्यम सर्राफ ने भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद वंदे मातरम् और भारत माता के जयघोष से परिसर देशभक्ति के माहौल से गूंज उठा।शिविर में कुल 40 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया। इस दौरान हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, ब्लड शुगर, रक्तचाप, वजन, हार्टबीट एवं ऑक्सीजन स्तर की जांच निशुल्क की गई। वहीं अन्य जटिल स्वास्थ्य जांच आधे खर्च पर कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। डॉ. कुमुद अग्रवाल ने वर्तमान मौसम को देखते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। उन्होंने खाने-पीने की सामग्री को ढककर रखने, बाहर के तले-भुने खाद्य पदार्थों से बचने तथा पानी को गर्म कर पीने की सलाह दी।सेवा भारती के अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने बताया कि अधिकांश स्वास्थ्य जांच खाली पेट की जाती है। इसी कारण प्रत्येक रविवार सुबह एक घंटे के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाता है। उन्होंने लोगों से यथासंभव खाली पेट शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की।उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल, सचिव संजय चौधरी एवं मुकेश गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाला यह शिविर लोगों को स्वास्थ्य जांच के साथ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मानव सेवा करना सभी का दायित्व है।मौके पर डॉ. कुमुद अग्रवाल, अवधेश मित्तल, संजय चौधरी, मुकेश गुप्ता, सत्यम सर्राफ, गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता, अतुल सर्राफ, कौशल्या देवी, दानेश गुप्ता, अनुप महतो, कमला देवी, आकाश कुमार, माया देवी, अशोक रजक, सुनीता देवी, मनोज अग्रवाल, कृष्ण प्रसाद, राम लगन साहू, अंजु देवी, वीरेंद्र कुमार, तापेश्वर अग्रवाल, हरी उरांव, अनिल भगत, शशिकांत महतो, सचिदानंद अग्रवाल, शिमला देवी, राम प्रसाद कास्यंकार, ओम प्रकाश गुप्ता, उदय कसेरा, गोपाल वर्मा, हेमंत प्रजापति, राणा तेजेश्वर शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के संबोधन में सर्जिकल स्ट्राइक, स्वच्छता अभियान, मोटे अनाज और सांस्कृतिक विरासत का रहा उल्लेख

पतरातू : रामगढ़ जिला के पतरातू प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कटिया बस्ती के बूथ संख्या 257 पर भाजपा कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 138वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन को कार्यकताओं और ग्रामीणों ने ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने वर्ष 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ नीति का मजबूत उदाहरण बताया। उन्होंने देश की सुरक्षा में तैनात वीर जवानों के शौर्य, साहस और पराक्रम को नमन किया। साथ ही स्वच्छता अभियान, एक जिला-एक उत्पाद, मोटे अनाज तथा देश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

लबगा के विस्थापित-प्रभावित युवाओं ने रोजगार की मांग उठाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पीवीयूएनएल से रोजगार देने की मांग, मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन और द्वार जाम करने की चेतावनी

पतरातू: लबगा पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गेगदा में रविवार को विस्थापित-प्रभावित ग्रामीण बेरोजगार युवाओं की बैठक हुई। अध्यक्षता सुनील यादव ने की, जबकि संयुक्त संचालन प्रकाश महतो एवं भवानी गोप ने किया। बैठक में विस्थापित-प्रभावित बेरोजगार युवाओं के रोजगार सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में पीवीयूएनएल प्रबंधन से लबगा पंचायत के विस्थापित-प्रभावित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की गई। ग्रामीणों ने कहा कि रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया तो आंदोलन को तेज किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर पीवीयूएनएल का द्वार जाम किया जाएगा। वहीं, बिचौलियों और दलालों से सावधान रहने की अपील की गई। ग्रामीणों ने लबगा पंचायत के लबगा, किन्नी, जराद एवं आरासाहा को विस्थापित सूची में शामिल करने तथा पीवीयूएनएल के सामाजिक दायित्व के तहत इन क्षेत्रों में विकास कार्य कराने की मांग भी उठाई। बैठक में बसंत उरांव, डब्लू उरांव, राजेंद्र यादव, घनश्याम यादव, अनुरोध यादव, सुलेंद्र उरांव, तेतरा उरांव, बीरबल महतो, प्रवीण महतो, महेश मुंडा, पवन यादव, सुधीर यादव, करण करमाली, राजेश मुंडा, विशाल यादव, प्रकाश उरांव, श्रवण करमाली, मनोज यादव, सीताराम यादव, दीपू यादव, बहादुर उरांव, सत्यम करमाली, भरत उरांव, राजकिशोर करमाली, आनंद यादव, सोहन उरांव, अजय यादव, काली उरांव, रुस्तम अंसारी समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

पतरातू डेकोरेटर व्यवसायी संघ का अधिवेशन सह मिलन समारोह आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नई समिति गठित, संगठन विस्तार और व्यवसायियों की एकजुटता पर जोर

पतरातू : क्षेत्रीय डेकोरेटर व्यवसायी संघ पतरातू प्रखंड समिति के तत्वावधान में 26 सितंबर को ओश बैंक्वेट हॉल में अधिवेशन सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता इंद्रजीत छावड़ा (मंटू जी) ने की। मंच संचालन बिक्की श्रीवास्तव (बीएसएस) एवं वरुण (वरुण टेंट, घुटुआ) ने किया। समारोह में पतरातू प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों डेकोरेटर व्यवसायी शामिल हुए। साथ ही दुलमी, गोला, चितरपुर, रामगढ़ एवं मांडू प्रखंड के पदाधिकारी तथा रामगढ़ जिला डेकोरेटर समिति के पदाधिकारियों ने भी शिरकत की। अधिवेशन के दौरान पुरानी पतरातू प्रखंड कार्यकारिणी समिति को भंग कर सर्वसम्मति से नई समिति का गठन किया गया। इसमें वरुण कुमार, छोटू प्रसाद, अनिल गुप्ता, नरेश जायसवाल एवं अजय सिंह को संरक्षक बनाया गया। इंद्रजीत छावड़ा (मंटू जी) को अध्यक्ष, बिक्की श्रीवास्तव (बीएसएस) को महासचिव, संजीत (कुमार साउंड) एवं दिलीप (ओश बैंक्वेट हॉल) को उपाध्यक्ष, जितेंद्र कुशवाहा (विशाल साउंड) को सचिव, संदीप (निक्की साउंड) को सहसचिव तथा किशोर (किशोर डेकोरेटर) को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में संगठन को मजबूत करने, डेकोरेटर व्यवसायियों को एकजुट करने तथा प्रखंड स्तर पर संगठन के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद सदस्यों ने संगठन के हित में मिलकर कार्य करने और व्यवसायियों की समस्याओं को उचित मंच पर रखने का संकल्प लिया।

कामेश्वर एलॉयज फैक्ट्री में सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

कर्मियों को दिया गया सुरक्षित कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण

रामगढ़/गोला। गोला-रजरप्पा मार्ग के कुसुमडीह स्थित कामेश्वर एलॉयज फैक्ट्री परिसर में शुक्रवार को कर्मियों एवं मजदूरों के लिए दो दिवसीय विशेष सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कर्मचारियों को आवश्यक जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देना रहा। प्लांट प्रबंधन की ओर से सरकार से मान्यता प्राप्त सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान नारायण प्राइवेट इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, लुपुंगडीह, चांडिल, सरायकेला-खरसावां के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया। प्रशिक्षकों ने कर्मियों को स्पष्ट रूप से बताया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में भारी पड़ सकती है, जबकि सतर्कता और सावधानी ही सुरक्षित जीवन की सबसे बड़ी गारंटी है।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने मशीनरी के सुरक्षित संचालन, फर्नेस क्षेत्र में कार्य करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, अग्निशमन उपकरणों के उचित उपयोग तथा दुर्घटना की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले कदमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कर्मियों को हेलमेट, सुरक्षा जूते, दस्ताने, सुरक्षात्मक चश्मे और अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रशिक्षकों ने कहा कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों में छोटी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है। संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सतर्कता, आपसी समन्वय और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। प्लांट प्रबंधन ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के समापन पर कर्मचारियों ने सुरक्षा नियमों का पालन करने और सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंपनी प्रबंधन के लालमोहन यादव, सौरव कुमार सेनापति, चिन्मय कुंडु, सिद्दीक अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग पर उठाए सवाल

मतदाता सूची में बदलाव की स्वतंत्र समीक्षा और मुख्य निर्वाचन आयुक्त से जुड़े आरोपों की जांच की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में रविवार को राजेंद्र भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, एसआईआर और मतदाता सूची में बदलाव और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस का पक्ष रखा। उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने कहा कि कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की निर्णय प्रक्रिया, एसआईआर और मतदाता सूची में किए जा रहे बदलावों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर देशभर में इन मुद्दों को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में झारखंड में भी प्रदेश और जिला स्तर पर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि एआईसीसी के 24 सितंबर के निर्देश के अनुसार 28 सितंबर को जिला मुख्यालयों से कलेक्ट्रेट तक विरोध मार्च निकाला जाएगा। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया नागरिकों के मताधिकार से सीधे जुड़ी है। इसलिए पूरी प्रक्रिया निर्धारित कानूनी प्रावधानों, पारदर्शिता और पर्याप्त सार्वजनिक जांच के साथ होनी चाहिए। कांग्रेस ने मतदाता सूची में किए गए जोड़, विलोपन और संशोधनों की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा कराने तथा उसके निष्कर्ष सार्वजनिक करने की मांग की है।उन्होंने निर्वाचन आयोग की सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली और डेटा प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठाए। कांग्रेस की ओर से उपलब्ध कराए गए एआईसीसी परिपत्र का हवाला देते हुए उन्होंने आईटी प्रणाली के दिल्ली में केंद्रीकरण से संबंधित आरोपों की स्वतंत्र जांच या ऑडिट कराने की मांग की। कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के संबंध में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच की मांग की है। साथ ही उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों तथा मतदाता सूची में किए गए बदलावों की व्यापक समीक्षा की मांग भी रखी गई। श्री तिवारी ने कहा कि किसी पात्र नागरिक का नाम उचित प्रक्रिया के बिना मतदाता सूची से नहीं हटना चाहिए और अपात्र व्यक्ति का नाम भी नियमानुसार जांच के बाद ही शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और संस्थागत जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।प्रेस वार्ता में जिला महासचिव सलीम अंसारी बड़े, जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष मोज्जमील अंसारी, ओबीसी स्टेट कोऑर्डिनेटर संतोष महतो, जिला महासचिव रविंद्र सिंह खेरवार, प्रखंड अध्यक्ष जुगल भगत, मंडल अध्यक्ष किशोर साहू, हामीद अंसारी, रामदेव उरांव, असलम अंसारी, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष मनौवर आलम, सहाबुल खान, चंदर उरांव सहित जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को लेकर पीवीयूएनएल और एएलआईएमसीओ में समझौता

आकलन शिविर के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगजनों की पहचान कर उपलब्ध कराए जाएंगे सहायक उपकरण

पतरातू: पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने दिव्यांगजनों के कल्याण, सशक्तीकरण और जीवन स्तर में सुधार के उद्देश्य से आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एएलआईएमसीओ) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. के. सहगल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिप्रा रानी तथा मानव संसाधन विभाग के प्रमुख जियाउर रहमान उपस्थित रहे। समझौते के तहत पीवीयूएनएल की ओर से पतरातू और आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंद दिव्यांगजनों की पहचान के लिए आकलन शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में पात्र दिव्यांगजनों का पंजीकरण कर उनकी आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा। आकलन एवं चिकित्सकीय परीक्षण के आधार पर लाभार्थियों को आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन में आत्मनिर्भर बनने और उनकी गतिशीलता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। पीवीयूएनएल की यह पहल अपने परिचालन क्षेत्र के आसपास रहने वाले समुदायों के सामाजिक कल्याण और समावेशी विकास के प्रति निगम की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस पहल के माध्यम से दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर जीवन जीने के अवसर प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। निगम अपने सामाजिक दायित्व के तहत स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।

आंधी-तूफान का कहर: गोला में सब्जी फसलें तबाह, मचान गिरे, किसानों ने की तत्काल मुआवजे की मांग

रामगढ़/गोला। गोला क्षेत्र में आए तेज आंधी-तूफान ने सब्जी उत्पादक किसानों पर कहर बरपाया है। प्राकृतिक आपदा के कारण खेतों में लगी बोदी, लौकी, खीरा समेत कई तरह की नकदी सब्जी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। फसलों को सहारा देने के लिए कड़ी मेहनत और लागत से खड़े किए गए मचान भी हवा के थपेड़ों को नहीं सह सके और क्षतिग्रस्त होकर जमीन पर आ गिरे।

मेहनत और पूंजी पर फिरा पानी: प्रभावित किसान ब्रजकिशोर महतो (पतरातु), बीरबल महतो (चौकाद), कंचन महतो (मुरुडीह) और पवन महतो (पतरातु) ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि सब्जी की खेती के लिए उन्होंने बीज, खाद, कीटनाशक दवाइयों, सिंचाई और मचान तैयार करने में भारी भरकम पूंजी लगाई थी। ठीक उस वक्त, जब फसल पूरी तरह तैयार होकर बाजार जाने के लिए ready थी, इस आपदा ने उनकी सारी उम्मीदों और महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

जीविका पर मंडराया आर्थिक संकट: फसलें पूरी तरह नष्ट हो जाने से किसानों के सामने गहरा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है कि उनकी और उनके परिवारों की पूरी आजीविका सब्जी की बिक्री से होने वाली आय पर ही टिकी होती है। अब फसल पूरी तरह तबाह होने के बाद उनके सामने परिवार चलाने के साथ-साथ अगली फसल की बुआई के लिए पूंजी जुटाना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गया है।

तत्काल सर्वेक्षण और क्षतिपूर्ति की मांग: किसानों की इस बदहाली पर 'गोला दर्पण एफपीओ' और स्थानीय किसान संगठनों ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने झारखंड सरकार एवं रामगढ़ जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि प्रभावित गांवों में कृषि विभाग और संबंधित अधिकारियों की टीम को तुरंत भेजकर फसल क्षति का स्थलीय सर्वेक्षण (सर्वे) कराया जाए। संगठन ने मांग की है कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित किसानों को सरकारी नियमों के तहत शीघ्र से शीघ्र उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वे इस संकट से उबर सकें।

झारखंडी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा त्यौहार है करमा महोत्सव: डॉ संज्ञा

ढोल नगाड़ा की थाप पर खूब झूमे छात्र छात्राएं, संस्कृति की दिखी झलक

रामगढ़/राजरप्पा। चितरपुर प्रखंड अंतर्गत चितरपुर स्नातक महाविद्यालय परिसर में 26 सितंबर शनिवार को कॉलेज परिसर में करमा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संज्ञा उपस्थित रही। कॉलेज सभागार में आयोजित करमा महोत्सव लेकर काफी छात्र-छात्राओं में उत्साह और उमंग देखा गया छात्राओं ने करम डाली की विधि विधान से पूजा अर्चना किया, करम डाल को छात्राओं द्वारा परिक्रमा कर जगाया गया,इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की लोकप्रिय त्यौहार करमा महोत्सव है जिसे आज पूरा झारखंड सहित देश के विभिन्न क्षेत्र मे भी मनाया जाता है इस वृहद पैमाने पर बड़े ही धूमधाम से मनाया जाना चाहिए जिससे झारखंड के संस्कृति सुरक्षित रह सके इस त्यौहार में करमा धरमा का रोचक कथा का बखान किया गया करम पर्व महत्व की विस्तृत रूप से जानकारी दी गई, इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ढोल और नगाड़े की ताल पर छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक खूब झूमे नाचे गाये करमा महोत्सव कार्यक्रम का संचालन खोरठा विभागाध्यक्ष प्रो निरंजन महतो ने किया। इस मौके पर प्रो मनोज झा प्रो अंजनी करमाली, डॉ हिना कौशर, प्रो रेवालाल पटेल, प्रो ताराशंकर अग्रवाल, प्रो मीणा मुंडा प्रो अंजू कुमारी,प्रो निकहत परवीन, प्रो दीपक कुमार, प्रो नगमा नौशाबा प्रो उत्तम सिंह प्रो मिथिलेश करमाली,सहित कॉलेज कर्मी कुसुम कुमारी,राजेश तिवारी सोनू कुमार राहुल प्रजापति, प्रकाश कुमार पूनम देवी और भारी संख्या मे छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

रामगढ़ के गोला में कच्चा मकान गिरा, मलबे में दबकर महिला का पैर टूटा; आवास योजना पर उठे सवाल

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड अंतर्गत रायपुरा गांव में रविवार को एक गरीब परिवार पर अचानक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव के निवासी चंद्रदीप महतो का कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के वक्त घर में मौजूद सोहरी देवी मलबे की चपेट में आ गईं, जिससे उनके पैर में दो जगह गंभीर फ्रैक्चर हो गया। घायल सोहरी देवी का इलाज फिलहाल बीएम सेवा सदन, डभातू में चल रहा है।

मजदूरी कर चलता है परिवार, अब सिर छिपाने की भी जगह नहीं: गृहस्वामी चंद्रदीप महतो मजदूरी करके किसी तरह अपने परिवार का पेट पालते हैं। घटना के समय घर के भीतर देवनारायण महतो, उनकी पत्नी सोहरी देवी और देवचरण महतो की बहन सुकरी देवी मौजूद थीं। मकान गिर जाने से घर के अंदर रखा सारा सामान और राशन मलबे में दबकर नष्ट हो गया है। इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार के सामने अब सिर छिपाने का भी संकट खड़ा हो गया है।

सरकारी आवास योजना से वंचित, रिश्वतखोरी का आरोप: परिवार के सदस्यों ने बताया कि हाड़-तोड़ मजदूरी करने के बावजूद आज तक उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या अबुआ आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। सूची में उनका नाम तक शामिल नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों और ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत, इलाज का खर्च और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके साथ ही, सरकारी आवास योजनाओं में जारी भ्रष्टाचार पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि गरीबों को आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर 5 से 10 हजार रुपये तक की रिश्वत मांगी जाती है, जिसके कारण जरूरतमंद परिवार इन योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से रिश्वतखोरी के इन दावों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को तुरंत सहायता राशि प्रदान करने की मांग की है।

भीख मंगवाने वाले गिरोह ने उठाया था विवान को, तीनपहाड़ से हुआ बरामद, पांच गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची रेलवे स्टेशन से चार वर्षीय मासूम विवान को साहिबगंज का खतरनाक तीन पहाड़ गिरोह अपने साथ ले गया था. यह गिरोह बच्चों से चोरी और भीख मंगवाने का काम करवाता है. धनबाद पुलिस की सहायता से मासूम विवान को साहिबगंज से मुक्त करवा लिया गया है. रांची पुलिस के द्वारा जारी प्रेस रिलीज में यह बताया गया है कि रांची स्टेशन से गायब चार वर्षीय विवान कुमार को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है. बच्चे की तलाश में जुटी रांची पुलिस को शनिवार देर रात बड़ी सफलता मिली. पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें साहिबगंज के तीनपहाड़ निवासी राहुल बनर्जी भी शामिल है. राहुल की गिरफ्तारी धनबाद रेलवे स्टेशन से की गई, जबकि उसकी निशानदेही पर पुलिस ने साहिबगंज के तीनपहाड़ से बच्चे को बरामद कर लिया. रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें से एक आरोपी को धनबाद रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा गया, जबकि चार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी साहिबगंज पुलिस के सहयोग से तीनपहाड़ में छापेमारी कर की गई. इस कार्रवाई में धनबाद, जामताड़ा और साहिबगंज पुलिस के साथ पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), संथाल परगना का भी विशेष सहयोग रहा. रांची पुलिस के अनुसार, देर रात तक चले अभियान में विभिन्न जिलों की पुलिस ने आपसी समन्वय के साथ काम किया, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे को सुरक्षित बरामद किया जा सका. पुलिस ने अभियान में शामिल सभी पदाधिकारियों और जवानों के प्रति आभार जताया है. पुलिस के मुताबिक, विवान के लापता होने के बाद उसकी तलाश के लिए रांची पुलिस लगातार तकनीकी जांच और संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी. जांच के दौरान बच्चे की लोकेशन धनबाद रेलवे स्टेशन के आसपास मिलने की जानकारी धनबाद पुलिस को दी गई. इसके बाद धनबाद पुलिस और आरपीएफ ने स्टेशन व आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी.

मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी सुरागों के आधार पर पुलिस को राहुल बनर्जी के धनबाद पहुंचने की जानकारी मिली. इसके बाद टीम ने स्टेशन पर उसकी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की. शनिवार देर रात वनांचल एक्सप्रेस के धनबाद पहुंचते ही पुलिस ने राहुल को पकड़ लिया. पूछताछ में सामने आया कि वह ट्रेन से साहिबगंज की ओर निकलने की तैयारी में था. राहुल से पूछताछ के बाद पुलिस को बच्चे के अपहरण से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले. जांच में यह बात सामने आई कि बच्चों को अगवा करने के बाद उन्हें दूसरे स्थानों पर ले जाकर भीख मंगवाने वाले गिरोह से आरोपी का संपर्क था. पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि गिरोह में शामिल लोग बच्चों का इस्तेमाल दूसरे छोटे-मोटे अपराधों में भी करते थे. राहुल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम साहिबगंज के तीनपहाड़ पहुंची. वहां एक ठिकाने पर छापेमारी कर विवान को बरामद कर लिया गया. बच्चे के सुरक्षित मिलने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली. पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. बच्चे को रांची लाया जा रहा है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि विवान को रांची से कब और किस तरह दूसरे स्थान पर ले जाया गया और इस पूरे मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं.

शहीद मैदान के साप्ताहिक बाजार में अवैध शराब के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई

रांची। रांची के शहीद मैदान के पास लगने वाले साप्ताहिक बाजार में अवैध शराब की बिक्री और सेवन के खिलाफ पुलिस ने जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की है. जहां बाजार में अवैध रूप से बेची जा रही शराब को जब्त किया. पुलिस ने शराब बेचने वाले दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की गतिविधियां दोबारा नहीं होनी चाहिए. यह कार्रवाई जगन्नाथपुर थाना और धुर्वा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की. पुलिस के अनुसार, साप्ताहिक बाजार में लगातार शराब के सेवन और बिक्री की शिकायतें सामने आ रही थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई. पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

झारखंड में होमगार्ड के 772 पदों पर भर्ती, 10वीं पास कर सकेंगे आवेदन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में होमगार्ड के 772 पदों पर भर्ती निकली है. भर्ती के लिए 10वीं और 7वीं पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे. उपलब्ध जानकारी के अनुसार आवेदन प्रक्रिया 11 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी. इच्छुक अभ्यर्थी 26 अक्टूबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे. होमगार्ड भर्ती अभियान के तहत कुल 772 पदों को भरा जायेगा. भर्ती में 10वीं और 7वीं पास अभ्यर्थियों के लिए अवसर दिया गया है. अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले पद के अनुसार निर्धारित योग्यता और भर्ती की शर्तों को ध्यान से देखना होगा. होमगार्ड भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी. आवेदन की अंतिम तारीख 26 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गयी है. इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित समय के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी.

अभ्यर्थियों के लिए जरूरी जानकारी

आवेदन करने से पहले अभ्यर्थी भर्ती से संबंधित अधिसूचना में शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, आवेदन शुल्क और चयन प्रक्रिया की पूरी जानकारी जरूर देख लें. भर्ती से संबंधित आगे की जानकारी के लिए आधिकारिक सूचना पर नजर रखना जरूरी है.

बुंडू में 2 दिसंबर से विराट फुटबॉल महोत्सव, विजेता को 3 लाख और उपविजेता को 2 लाख रुपये का पुरस्कार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। पंच परगना फुटबॉल एसोसिएशन बुंडू की ओर से पांच परगना उच्च विद्यालय, ताऊ बुंडू के मैदान में रविवार को खेल प्रेमियों की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 2 दिसंबर से 6 दिसंबर 2026 तक विराट खेल महोत्सव के तहत पंच परगना फुटबॉल टूनामेंट आयोजित करने का निर्णय लिया गया. प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में 3 लाख रुपये नगद और द्वितीय पुरस्कार के रूप में 2 लाख रुपये नगद दिये जाएंगे. तृतीय और चतुर्थ स्थान पर रहने वाली टीमों के लिए 70-70 हजार रुपये पुरस्कार निर्धारित किये गये हैं. इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज को 5 हजार, बेस्ट गोलकीपर और बेस्ट स्कोरर को 2-2 हजार रुपये दिये जाएंगे. प्रतियोगिता में अन्य आकर्षक पुरस्कार भी रखे गये हैं.

16 टीमों के बीच होगा मुकाबला

फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी. इच्छुक टीमों को आयोजन समिति के पास पंजीयन शुल्क जमा कर अपना नाम दर्ज कराना होगा. इसके बाद ही उन्हें प्रतियोगिता में शामिल होने की अनुमति मिलेगी. प्रतियोगिता का आयोजन निर्धारित फुटबॉल नियमों के अनुसार किया जाएगा. नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आयोजन समिति निर्णय लेगी.

विदेशी खिलाड़ियों को लेकर भी नियम तय

प्रतियोगिता में विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी नियम तय किया गया है. एक टीम में अधिकतम दो विदेशी खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति होगी. इससे अधिक विदेशी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में शामिल नहीं किया जा सकेगा.

आयोजन समिति का हुआ गठन

बैठक के दौरान खेल महोत्सव के आयोजन और संचालन के लिए कमेटी का गठन किया गया. बैठक में रामदुर्लभ सिंह मुंडा, धीरेंद्र प्रसाद महतो, राजकिशोर कुशवाहा, रामकुमार बिझिया, फेंकला, राजेश उरांव, प्रदीप मुंडा, सुरेश महतो, डिप्टी महतो, शुम्भू नारायण मुंडा, गोपाल मुंडा, श्याम महतो, जयप्रकाश मुंडा, लखीन्द्र मुंडा, यशपाल महतो, धनु नाग, संदीप महतो, राजीव लोचन महतो, सजल कुंडू, राजु महतो, दिलीप साहू, दीपक, शंभू शरण मुंडा, वीरेंद्र प्रमाणिक, मुन्ना महतो, पशुपति स्वासी, महावीर कुम्हार समेत कई खेल प्रेमी मौजूद थे.

डॉक्टरों का ऐलान, मांगें नहीं मानी गई तो 22 अक्टूबर से झारखंड में काम बंद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड के डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का रोडमैप तैयार किया है. रांची में हुई राज्य स्तरीय संयुक्त बैठक में डॉक्टरों ने कॉमन मिनिमम प्रोग्राम को अपना साझा एजेंडा बनाया. संगठनों ने कहा है कि सरकार ने 21 अक्टूबर तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो 22 अक्टूबर से पूरे राज्य में संपूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा. डॉक्टरों की प्रमुख मांगों में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा, झारखंड मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट को प्रभावी तरीके से लागू करना और अस्पतालों में हिंसा की घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई शामिल है. इसके अलावा क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में बदलाव की मांग की गई है. डॉक्टर संगठनों का कहना है कि 50 बेड तक के छोटे और मध्यम अस्पतालों, नर्सिंग होम और क्लीनिकों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा जाए. 50 बेड से अधिक वाले अस्पतालों के लिए नियमों को आसान और व्यावहारिक बनाने की मांग की गई है. सरकारी डॉक्टरों के लिए ऊअउढ यानी समय पर प्रमोशन की व्यवस्था लागू करने की भी मांग है. जूनियर डॉक्टरों के वेतन, मातृत्व अवकाश, संविदा से जुड़ी समस्याओं और नियमित भर्ती को लेकर भी संगठन सरकार से कार्रवाई चाहते हैं. निजी अस्पतालों के लिए आयुष्मान भारत योजना के पैकेज रेट बढ़ाने, समय पर भुगतान करने और लंबित दावों का जल्द निपटारा करने की मांग की गई है. अस्पतालों के लाइसेंस और दूसरी मंजूरी के लिए सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने की मांग भी रखी गई है.

मेडिकल छात्रों को समय पर स्टाइपेंड देने और निजी मेडिकल कॉलेजों में स्टाइपेंड से होने वाली अनधिकृत कटौती रोकने की भी मांग की गई है.आंदोलन की शुरूआत 5 से 8 अक्टूबर तक जनजागरूकता अभियान से होगी. 9 अक्टूबर को डॉक्टर राज्यभर में ब्लैक बैज प्रोग्राम चलाएंगे और प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे. 10 से 20 अक्टूबर तक जिलों में बैठक और आंदोलन की तैयारी होगी. 21 अक्टूबर को राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा. इसके बाद भी सरकार ने मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाया, तो 22 अक्टूबर से संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा.

कांग्रेस ने झारखंड में एसआईआर पर उठाए सवाल, कहा- 45 लाख नाम कटने का खतरा, सीईसी इस्तीफा दें

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं. रांची में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने रक्क की प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की. कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि रक्कऔर अरऊप्रक्रिया में झारखंड में 40 से 45 लाख मतदाताओं के नाम कटने का खतरा है. हालांकि, चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 5 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में 43,61,987 नाम अरऊ्क यानी अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे नामों की श्रेणी में शामिल नहीं थे.

इन मतदाताओं को दावा और आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है. केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस मतदाताओं के अधिकार और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर आंदोलन कर रही है. पार्टी ने रक्ककी प्रक्रिया पर कई सवाल उठाए हैं और चुनाव आयोग से व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की मांग की है. प्रदीप यादव ने फॉम-6 में दस्तावेज और घोषणा से जुड़ी शर्तों को लेकर भी सवाल उठाए. कहा कि पहली बार वोट देने वाले युवाओं के लिए नाम जोड़ने की प्रक्रिया आसान होनी चाहिए. चुनाव आयोग के नागरिक सेवा पोर्टल पर वर्तमान में नए मतदाताओं के लिए फॉम-6 और उससे जुड़ी घोषणा की सुविधा उपलब्ध है.

कांग्रेस ने दावा किया कि एसआईआर के दौरान गरीब, आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक मतदाताओं को परेशानी हो रही है. पार्टी ने चुनाव आयोग से पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने और दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया को आसान बनाने की मांग की. झारखंड में एसआईआर के तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 सितंबर तक बढ़ाई गई है. चुनाव अधिकारियों के अनुसार, फॉम-7 दाखिल होने से किसी मतदाता का नाम अपने आप नहीं हटता.

नाम हटाने से पहले निर्धारित जांच और सुनवाई की प्रक्रिया पूरी करनी होती है. कांग्रेस ने 28 सितंबर को रक्क और मतदाता अधिकारों के मुद्दे पर प्रदर्शन की घोषणा की है. पार्टी की ओर से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय तक मार्च और प्रदर्शन की बात कही गई है. कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी दोहराई है.

योगेंद्र साव के बयान पर निर्णय लेने के लिए बैठी कांग्रेस की अनुशासन समिति

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई को लेकर झारखंड कांग्रेस मुख्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर रामेश्वर उरांव की अध्यक्षता में अनुशासन कमिटी की बैठक हुई. इसी बीच ठीक उसी वक्त पहले फ्लोर पर योगेंद्र साव निशाने पर वर्तमान गठबंधन सरकार और हेमन्त सरकार पर निशाना साधते रहे. पूर्व मंत्री योगेंद्र साव कहते हैं कि हम अपने बयानों के लिए माफी क्यों मांगें? जनता के मुद्दे उठाना मेरी जिम्मेदारी है और वह मुद्दों को उठाते रहेंगे. उन्होंने कहा कि क्या यह सही नहीं है कि सत्ता में सहयोगी होने के बावजूद कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं की घोर उपेक्षा हो रही है. योगेंद्र साव कहते हैं कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए वह किसी भी हद तक जाएंगे. झारखंड में कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच गठबंधन की राजनीति के बीच योगेंद्र साव ने अपने बयानों को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में फिर कहा कि उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष अपनी बात विस्तारपूर्वक रख दी है. उन्हें उम्मीद है कि नेतृत्व उनकी बातों से नेतृत्व सहमत होगा. उन्होंने पूर्व में दिए अपने बयानों का बचाव करते हुए कहा कि झारखंड में जनता के साथ हो रही समस्याओं को उठाना उनकी जिम्मेदारी है और इसके लिए उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं है. योगेंद्र साव ने कहा कि कांग्रेस एक अनुशासित पार्टी है और पार्टी के फैसले का सम्मान किया जाएगा. उन्होंने सवाल उठाया कि अनुशासनात्मक कार्रवाई केवल कांग्रेस नेताओं पर ही क्यों होनी चाहिए, जबकि झामुमो के कुछ नेताओं की ओर से भी कथित तौर पर विवादित बयान दिए गए हैं.

अपने बयानों पर माफी मांगने के सवाल पर योगेंद्र साव ने दो-टूक कहा कि झारखंड में जो परिस्थितियां बन रही हैं, उन्हें सामने लाना जरूरी है. उन्होंने कहा कि उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह परिस्थितियों के कारण कहा. राज्य में जनता, विस्थापितों, किसानों, छात्रों और कांग्रेस कार्यकताओं की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. योगेंद्र साव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं को जमीन पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ऐसे में जनता के मुद्दों को उठाना उनकी राजनीतिक और संगठनात्मक जिम्मेदारी है.

योगेंद्र साव ने झामुमो के कुछ नेताओं के बयानों का जिक्र करते हुए कांग्रेस के साथ गठबंधन के स्वरूप पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि झामुमो के कुछ नेताओं-विधायकों की ओर से भी अधिकारियों और प्रशासन को लेकर बयान दिए गए हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस केवल अपने नेताओं पर ही अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी? योगेंद्र साव ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस किसी दूसरी पार्टी के दबाव में काम नहीं करेगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक स्वतंत्र राजनीतिक दल है और उसे अपने कार्यकताओं तथा जनता के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए. पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने आरोप लगाया कि गठबंधन सरकार में कांग्रेस कार्यकताओं को अपेक्षित महत्व नहीं मिल रहा है. उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान भी कांग्रेस कार्यकताओं की उपेक्षा होती रही और मौजूदा सरकार में भी स्थिति में पर्याप्त बदलाव नहीं आया है.

बूंडू में तेजी से फैल रहा अवैध लॉटरी का धंधा, राजा पीटर ने प्रशासन पर उठाए सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची जिले के बुंडू सहित कई जगहों पर अवैध लॉटरी का कारोबार लंबे समय से चल रहा है. इसे लेकर झारखंड के पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. राजा पीटर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अवैध लॉटरी के कारोबार और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं. राजा पीटर ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि जमशेदपुर पश्चिम से जदयू विधायक सरयू राय ने जमशेदपुर में अवैध लॉटरी कारोबार का मुद्दा उठाया, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई की और कारोबार पर रोक लगाने का प्रयास किया. वहीं, उनका आरोप है कि तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के बुंडू थाना क्षेत्र में वर्षों से चल रहे लॉटरी कारोबार की जानकारी राज्यपाल को दिए जाने के बावजूद इस पर रोक नहीं लगी.

पूर्व मंत्री ने अपनी पोस्ट में दावा किया है कि हेमंत सिंह नामक युवक ने सोशल मीडिया के माध्यम से अवैध लॉटरी कारोबार की जानकारी लोगों तक पहुंचाई. आरोप है कि कारोबार से जुड़े लोगों ने उसे घर से उठाकर मारपीट की. राजा पीटर के मुताबिक, इस मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक सिर्फ जांच चल रही है. राजा पीटर ने अपनी पोस्ट में बुंडू के जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और लॉटरी कारोबारियों के बीच संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने पुलिस-प्रशासन से इसकी जवाबदेही तय करने की मांग की है. इन आरोपों के बाद अब प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं.

खबर एक नजर

बारिश के कारण बासीदा पुल टूटा, दर्जनों गांवों का संपर्क कटा, ग्रामीण जान जोखिम में डालकर कर रहे हैं पार

बुंडू (रांची)। भारी बारिश के चलते बुंडू के कई हिस्सों में नदी-नाले उफान पर हैं और ग्रामीण इलाकों में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचा है। मूसलधार बारिश के कारण बुंडू प्रखंड के एदलहातू पंचायत के ठल-33 से मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित बासीदा पुल टूट गया है। पुल टूटने से दर्जनों गांवों का संपर्क कट गया है। इस वजह से स्कूली बच्चों, मरीजों और आम ग्रामीणों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए जान जोखिम में डालकर टूटी हुई पुल पार करना पड़ रहा है। थोड़ी सी भी असावधानी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। ग्रामीणों की सूचना पर रउढ्ढड ओम प्रकाश और थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो मौके पर पहुंचे और लोगों को टूटी हुई पुल के बीच से न जाने की हिदायत दी। पंचायत समिति प्रतिनिधि कृष्णा मुंडा ने कहा कि जल्द से जल्द इस सड़क के पुल की मरम्मत की जाए ताकि ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी न हो। वहीं ग्रामीण कुलदीप कुमार सिंह ने कहा कि अगर किसी को आपातकालीन जरूरत पड़ जाए तो एम्बुलेंस भी पार नहीं हो पाएगी, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बुंडू थाना क्षेत्र के ताऊ मोड़ के समीप टेम्पू ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल

बुंडू (रांची)। बुंडू थाना क्षेत्र के ताऊ मोड़ के समीप एक तेज रफ्तार टेम्पू ने पीछे से बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार व्यक्ति बुंडू से जाड़ेया अपने घर जा रहा था। इसी क्रम में ताऊ मोड़ के समीप टेम्पू ने पीछे से टक्कर मार दी। घायल की पहचान संदीप मुंडा, उम्र 31 वर्ष के रूप में हुई है, जो बुरी तरह से घायल हो गया है। ग्रामीणों की मदद से उसे अनुमंडलीय अस्पताल बुंडू लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

तमाड़ में आंगन सेवा मिलन कार्यक्रम आंगनबाड़ी सेविका को अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

तमाड़। तमाड़ मंडल के पेड़ायडीह शक्ति केंद्र अंतर्गत नुरीडीह आंगनबाड़ी केंद्र में रविवार को भाजपा की ओर से आंगन सेवा मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री विवेक गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण और संकल्प से कार्यकताओं को जनसेवा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि गरीबों, किसानों, महिलाओं और जरूरतमंदों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के पोषण और देखभाल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविका को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर पूनम मुंडा, प्रियंका देवी, सुजाता, प्रीति, घोली, सोखा मुंडा, सुखदेव अहीर, तुलसी मुंडा, धर्मेंद्र गिरि, मुन्ना मुंडा, शंकर मुंडा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे मौजूद थे।

रांची में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान, एंट्री-एग्जिट पॉइंट पर पुलिस का कड़ा पहरा

रांची। राजधानी रांची में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं की रोकथाम को लेकर पुलिस ने एंटी क्राइम चेकिंग अभियान तेज कर दिया है. शहर के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमें सघन वाहन जांच अभियान चला रही हैं. शहर में आने-जाने वाले वाहनों को रोककर जांच की जा रही है. वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य जरूरी दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है. पुलिस संदिग्ध वाहनों और लोगों पर विशेष नजर रख रही है. अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने और उनकी घेराबंदी के लिए रांची के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर पुलिस का कड़ा पहरा है. जिले की सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है. धुर्वा थाना क्षेत्र के सिठियो टीओपी सीमा पर पुलिस टीम ने वाहनों की चेकिंग की. मौके पर हटिया डीएसपी नीरज कुमार व धुर्वा थाना प्रभारी भी मौजूद रहे.

63 केवीए ट्रांसफॉर्मर के पुर्जों की चोरी का खुलासा, कबाड़ दुकान से सामान बरामद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा-बोनिडांगा रेलखंड में ईस्ट रिले हट को विद्युत आपूर्ति करने वाले 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर से महत्वपूर्ण पुर्जों की चोरी का मामला सामने आया है। आरपीएफ बरहरवा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मेहदीडांगा स्थित एक कबाड़ दुकान में छापेमारी कर ट्रांसफॉर्मर के कई पुर्जे बरामद किए। मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार 25 सितंबर 2026 को करीब 12:35 बजे JE/Ele/G/Barharwa कुमार राज ने आरपीएफ पोस्ट बरहरवा को सूचना दी कि ट्रांसफॉर्मर सीरियल नंबर 2278/13-14, क्षमता 63 KVA, अपने मूल स्थान से गिरा हुआ पाया गया है। उक्त ट्रांसफॉर्मर बरहरवा-बोनिडांगा सेक्शन में TRD Mast Location No. 270/40-42 के बीच स्थापित था और ईस्ट रिले हट को

स्थानीय विद्युत आपूर्ति प्रदान करता था। मौके पर ट्रांसफॉर्मर की मुख्य खाली बॉडी/केसिंग मिली, जबकि इसके कई महत्वपूर्ण पुर्जे और सामग्री गायब थे। सूचना के बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में रकलाल बहादुर मांझी, कांस्टेबल अनिल कुमार साह और कांस्टेबल अजय कुमार की टीम ने JE/Ele/G/Barharwa के साथ घटनास्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण में ट्रांसफॉर्मर के महत्वपूर्ण पुर्जों को निकालकर चोरी किए जाने की पुष्टि हुई। संबंधित विद्युत विभाग की ओर से संयुक्त निरीक्षण नोट भी तैयार किया गया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार ट्रांसफॉर्मर का कुल अनुमानित मूल्य करीब 1,51,127 रुपये है। मौके पर ट्रांसफॉर्मर की मुख्य बॉडी/केसिंग मौजूद थी, जबकि गायब कॉपर एवं अन्य सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 21 हजार रुपये बताया गया।चोरी की सामग्री की बरामदगी के लिए आरपीएफ की ओर से विश्वसनीय स्त्रोतों को लगाया गया। इसी क्रम में मिली विशेष सूचना के आधार पर मेहदीडांगा स्थित मुनिया होटल के पास जालाउद्दीन शेख उर्फ जल्ला की स्क्रैप दुकान में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान दुकान से ट्रांसफॉर्मर के तीन बेस/बॉडी पाट्र्स और 16 ब्लेड/सेल पाट्र्स बरामद किए गए। इसके अलावा दुकान से 18 हजार रुपये नकद, 500 रुपये के 36 नोट भी बरामद किए गए। छापेमारी के दौरान अखलाख हुसैन, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी शुकवासानी, मिजार्पुर, गणेशपुर, थाना बरहरवा, मौके पर मौजूद मिला। पूछताछ में उसने बताया कि उक्त स्क्रैप दुकान उसके ससुर जालाउद्दीन शेख उर्फ जल्ला की है और वह अपने साले हसीबुल रहमान तथा मिस्टर शेख के साथ दुकान के संचालन एवं देखरेख में सहयोग करता है। पूछताछ के दौरान अखलाख ने बरामद ट्रांसफॉर्मर सामग्री के संबंध में जानकारी होने से पहले इनकार किया। हालांकि, आगे की पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि दुकान में रखे ट्रांसफॉर्मर के बेस/बॉडी पाट्र्स एवं अन्य सामग्री के चोरी की संपत्ति होने की जानकारी उसे थी। इसके बावजूद वह दुकान के संचालन और देखरेख में सहयोग करता रहा। गायब कॉपर एवं अन्य पुर्जों के संबंध में पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। आरपीएफ ने दुकान के मालिक जालाउद्दीन शेख उर्फ जल्ला को पूछताछ के लिए बुलाया, लेकिन वह मौके पर उपस्थित नहीं हुआ। हसीबुल रहमान भी मौके पर नहीं मिला। पूछताछ के दौरान अखलाख हुसैन ने भागने का प्रयास किया, लेकिन आरपीएफ टीम ने उसे घेरकर पकड़ लिया। उसने बताया कि हसीबुल रहमान भी उस समय दुकान पर मौजूद था और आरपीएफ टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। गवाहों की मौजूदगी में बरामद ट्रांसफॉर्मर के पुर्जों को विधिवत जब्त कर आरपीएफ ने अपने कब्जे में लिया। इसके बाद अखलाख हुसैन को Railway Property (Unlawful Possession) Act, 1966 की धारा 3(a) के तहत रेलवे सामग्री के अवैध कब्जे के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी और बरामद सामग्री को सड़क मार्ग से आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। जेई कुमार राज की लिखित शिकायत के आधार पर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा में Case No. 02/2026, दिनांक 25.09.2026, धारा 3(a) RP(UP) Act, 1966 के तहत मामला दर्ज किया गया। 26 सितंबर को गिरफ्तार अखलाख हुसैन को रेलवे न्यायिक मजिस्ट्रेट, साहिबगंज के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चोरी गए शेष सामान की बरामदगी के लिए आरपीएफ की कार्रवाई जारी है।

बरहरवा रेलवे स्टेशन से दो नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू, चाइल्ड हेल्पलाइन को सौंपा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने रविवार की देर रात राउंड-कम-सर्च ड्यूटी के दौरान दो नाबालिग बच्चों को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए बरामद किया। दोनों की उम्र करीब 14 वर्ष बताई गई है। आरपीएफ ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से दोनों बच्चों को रेस्क्यू कर चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार, 27 सितंबर को करीब रात दो बजे आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में एएसआई ए.के. हांसदा, कांस्टेबल अनिल कुमार साह और कांस्टेबल बबलू कुमार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक एवं फुट ओवरब्रिज के समीप साहिबगंज छोर पर राउंड-कम-सर्च ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान दो नाबालिग बच्चे संदिग्ध अवस्था में इधर-उधर घूमते हुए दिखाई दिए। पूछताछ में दोनों ने अपनी

उम्र करीब 14 वर्ष बताई। दोनों ने पाकुड़ थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों का निवासी होना बताया। पूछताछ और काउंसलिंग के दौरान एक बच्चे ने बताया कि उसकी जैविक मां का निधन हो चुका है और सौतेली मां द्वारा कथित रूप से उसे प्रताड़ित किया जाता था। उसने बताया कि उसके पिता नशे के आदी हैं। इसके बाद वह घर से निकलकर अपने एक मित्र के साथ टोटो से बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंचा था। वहीं दूसरे बच्चे ने बताया कि दोनों आपस में दोस्त हैं और दोस्ती के कारण बरहरवा स्टेशन आए थे। दोनों किसी ट्रेन से बाहर जाने की तैयारी में थे। नाबालिग बच्चों की कम उम्र और उनकी संवेदनशील स्थिति को देखते हुए आरपीएफ ने सुरक्षा के मद्देनजर दोनों को रेस्क्यू कर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया। इसके बाद चाइल्ड हेल्प लाइन रेलवे, साहिबगंज को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर चाइल्ड हेल्प लाइन रेलवे, साहिबगंज के राधे श्याम एवं किरण कुमारी आरपीएफ पोस्ट बरहरवा पहुंचे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों नाबालिग बच्चों को उनकी सुरक्षा, देखभाल और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्प लाइन रेलवे, साहिबगंज के सुपुर्द कर दिया गया।

काशिम बाजार में हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्र कार्यालय का उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल शहर के काशिम बाजार में रविवार को हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्र कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। पूजा-अर्चना के साथ आयोजित उद्घाटन समारोह में मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हिन्दू धर्म रक्षा मंच का उद्देश्य सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। संगठन की ओर से समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव एवं सेवा की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न सामाजिक और धार्मिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी।समारोह के दौरान संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि केंद्र

कार्यालय के माध्यम से क्षेत्र के कार्यकताओं एवं आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा।उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि विजय घोष, केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष, श्रीराम साहा, प्रमोद जैन, गौरव गुप्ता, श्रीराम शाह, निखिल यादव, मणिकांत ठाकुर, अभी यादव सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों ने नवनिर्मित कार्यालय के माध्यम से संगठनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों को गति देने की बात कही।

दुष्कर्म के आरोप में 26 वर्षीय युवक गिरफ्तार, मेडिकल जांच के बाद भेजा गया न्यायिक हिरासत में

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के लोहंडा निवासी जंगली महतो के 26 वर्षीय पुत्र द्वारपाल सिंह उर्फ द्वारपाल कुमार को जिरवाबाड़ी पुलिस ने कांड संख्या 181/26 के तहत गिरफ्तार किया है।गिरफ्तारी के बाद जिरवाबाड़ी पुलिस शारीरिक जांच एवं कोरोना जांच के लिए द्वारपाल सिंह को सदर अस्पताल लेकर पहुंची। वहां इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्सक कुमार अंकित द्वारा कोविड एवं शारीरिक जांच की गई।मिली जानकारी के अनुसार द्वारपाल सिंह के ऊपर एक महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। जांच के लिए उसका स्वाब भी इकट्ठा किया गया है। शारीरिक जांच होने के उपरांत कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रांची स्टेशन से लापता चार वर्षीय बच्चा तीनपहाड़ के बाबूपाड़ा से बरामद, पांच संदिग्ध हिरासत में

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। रांची रेलवे स्टेशन के बाहर से लापता हुए चार वर्षीय बच्चे को साहिबगंज पुलिस के सहयोग से तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबूपाड़ा से सकुशल बरामद कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनमें चार तीनपहाड़ क्षेत्र के और एक राजमहल क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, 24 सितंबर को बच्चे की मां दिलमेट राजवाड़े आंध्र प्रदेश के सलेम से काम कर अपने बच्चे के साथ छत्तीसगढ़ स्थित घर लौट रही थी। ट्रेन बदलने के क्रम में रांची स्टेशन पर उतरने के बाद स्टेशन के बाहर से बच्चा अचानक गायब हो गया। काफी

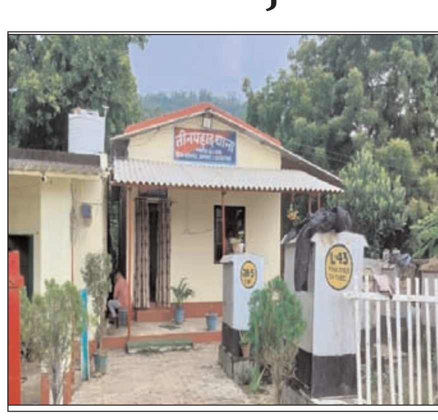

खोजबीन के बाद महिला ने चुटिया थाना पहुंचकर पुलिस को घटना की सूचना दी।मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची पुलिस ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने धनबाद में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। उससे हुई पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर तीनपहाड़ थाना पुलिस के सहयोग से बाबूपाड़ा में छापेमारी की गई, जहां से बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए पांचों संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। बच्चे को रांची से तीनपहाड़ कैसे लाया गया और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी गहन जांच की जा रही है। सभी संदिग्धों को रांची ले जाकर पूछताछ की जाएगी।इस कार्रवाई में चुटिया थाना की इंस्पेक्टर पूनम कुजूर, लोअर बाजार थाना प्रभारी लव कुमार, खड़गड़ा टीओपी प्रभारी अभिषेक कुमार समेत पुलिस बल शामिल था।

विश्व नदी दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता, बच्चों ने चित्रों के जरिए दिया गंगा बचाने का संदेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज। विश्व नदी दिवस के अवसर पर रविवार को स्थानीय बाबूलाल नंदलाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, राजमहल के वंदना कक्ष में गंगा समग्र झारखंड प्रांत की ओर से विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन गंगा समग्र के प्रांत संयोजक डॉ. देवव्रत गुप्ता, सह संयोजक भुदेव कुमार, संघ के विभाग संचालक डॉ. राजकुमार साह एवं बीपीओ गगन बापू ने संयुक्त रूप से मां गंगा एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों को

गंगा सेविका हेमा साहा ने गंगा समग्र का पट्टा एवं शमी का पौधा देकर सम्मानित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में राजमहल नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से दर्जनों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को तीन वर्गों में विभाजित किया गया था। ग्रुप ए में कक्षा प्रथम से तृतीय तक के बच्चों के लिए 'मेरी प्यारी नदी' विषय रखा गया। इसमें अनन्या पूर्वा ने प्रथम, मिष्टी कुमारी ने द्वितीय एवं माही मित्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ग्रुप बी में कक्षा चतुर्थ से षष्ठम तक के बच्चों के लिए 'स्वच्छ नदी-सुंदर जीवन' विषय रखा गया, जिसमें आर्यन राज प्रथम, बबन्या साहा द्वितीय एवं हिमांशु कुमार तृतीय रहे। ग्रुप सी में कक्षा सप्तम से दशम तक के बच्चों के लिए 'नदी बचाओ-भविष्य बचाओ' विषय रखा गया। इसमें रौनक कुमार यादव ने प्रथम, रिचा कुमारी गुप्ता ने द्वितीय एवं जानू राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में शामिल अन्य बच्चों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए गंगा समग्र के प्रांत सह संयोजक भुदेव कुमार ने कहा कि सितंबर माह के चौथे रविवार को विश्व नदी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि गंगा समग्र गंगा को अविरल एवं निर्मल बनाए रखने के संकल्प के साथ कुल 15 आयामों पर कार्य कर रही है, जिसमें नदी एवं तालाब आयाम भी शामिल है। संघ के विभाग संचालक डॉ. राजकुमार साह ने गंगा को जीवनदायिनी बताते हुए कहा कि गंगा की स्वच्छता के साथ-साथ इसमें रहने वाले जीव-जंतुओं का भी संरक्षण जरूरी है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। बीपीओ गगन बापू ने कहा कि गंगा समग्र एवं सरकार की नमामि गंगे योजना के प्रयासों से गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता को लेकर लगातार काम हो रहा है, लेकिन गंगा को स्वच्छ बनाए रखने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। गंगा समग्र के प्रांत संयोजक डॉ. देवव्रत गुप्ता ने संगठन के कार्यों एवं विभिन्न आयामों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य मिथिलेश कुमार सिंह ने भी मां गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल रखने के उपायों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एकता कला केंद्र की संचालिका एकता राय, भारतीय प्रिंटर्स के सुदीप अग्रवाल, गंगा समग्र के मिथुन कुमार पांडेय एवं हेमा साहा का सहयोग रहा।

कंचनजंघा पर्यटन महोत्सव में झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अंतरराष्ट्रीय पहचान

साहिबगंज। कंचनजंघा पर्यटन महोत्सव के अवसर पर झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर राजमहल के विधायक एम.टी. राजा ने झारखंड की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, वस्त्र एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़े विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित कर राज्य की विविधता और समृद्ध विरासत का परिचय कराया। प्रदर्शनी में झारखंड की पहचान पलाश, झारखंडी बाँस शिल्प, प्रसिद्ध सोहराय-कोहबर चित्रकला, तसर सिल्क साड़ियां, टुमका चादर, कुचाई सिल्क तथा पेंचो साड़ी सहित पारंपरिक हस्तशिल्प एवं वस्त्रों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। विधायक एम.टी. राजा ने कहा कि झारखंड की संस्कृति केवल राज्य की पहचान नहीं, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां की जनजातीय कला, लोक परंपराएं, हस्तशिल्प और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े उत्पादों में स्थानीय कारीगरों की मेहनत और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं की झलक मिलती है। कंचनजंघा पर्यटन महोत्सव जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर झारखंड की कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन राज्य के कलाकारों, बुनकरों और हस्तशिल्पकारों को नई पहचान और व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को देश-विदेश के पर्यटकों तक पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय शिल्पकारों और कारीगरों की आजीविका को भी बढ़ावा मिलने की संभावनाएं हैं। इस अवसर पर झारखंड की पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प को देखकर देश-विदेश से आए आगंतुकों ने विशेष रुचि दिखाई और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना की।

प्रधानाचार्य पर छात्रा ने लगाया छेड़खानी का आरोप, एबीवीपी ने डीईओ से निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल प्रखंड के योगीचक जयरामपुर उच्च विद्यालय सरकंडा के प्रधानाचार्य रूपेश कुमार चौरसिया पर एक छात्रा द्वारा छेड़खानी सहित कई आरोप लगाए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तालझारी नगर इकाई के नगर मंत्री सौरव गुप्ता ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, साहिबगंज को आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने तथा आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।आवेदन में कहा गया है कि मामला अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर है। इसलिए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमानुसार जांच कराया जाना आवश्यक है। एबीवीपी ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने से पहले संगठन किसी भी पक्ष को दोषी या निर्दोष घोषित नहीं करता है। संगठन ने मांग की है कि जांच के दौरान संबंधित छात्रा की सुरक्षा, सम्मान एवं गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही जांच में आरोप सत्य पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाए।एबीवीपी नगर मंत्री सौरव गुप्ता ने कहा कि यदि उचित समय-सीमा के अंदर निष्पक्ष जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संगठन लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेगा।इधर, सोशल मीडिया पर विद्यालय की कक्षा दसवीं की छात्राओं का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में घटना के दिन विद्यालय में मौजूद होने का दावा करने वाली कुछ छात्राएं आरोपों को गलत बताते हुए प्रधानाचार्य के व्यवहार को अच्छा बता रही हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।वहीं, प्रधानाचार्य रूपेश कुमार चौरसिया ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत और बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई कार्य नहीं किया, जिससे छात्रा की भावना को ठेस पहुंचे। प्रधानाचार्य के अनुसार, कुछ लोग पूर्व से ही विद्यालय को बंद कराने का प्रयास कर रहे हैं और उनके विरुद्ध कई बार विभाग में शिकायत की गई है, लेकिन उनकी शिकायतें गलत साबित हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी क्रम में एक छात्रा को आगे कर उन्हें बदनाम करने और झूठे आरोपों में फंसाने का प्रयास किया गया है।प्रधानाचार्य ने कहा कि उन्हें मामले की निष्पक्ष जांच पर पूरा भरोसा है। जांच के बाद वास्तविक तथ्य सामने आ जाएंगे और उन्हें न्यायालय पर भी पूरा विश्वास है।

प्रधानाध्यापक पर 15 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ और जातिसूचक गाली-गलौज का आरोप, एससी/एसटी थाने में शिकायत

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के सरकंडा स्थित उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कक्षा 10वीं की 15 वर्षीय छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़, अश्लील बातें करने और जातिसूचक गाली-गलौज करने का गंभीर आरोप लगा है। छात्रा की मां सोनिका देवी ने मामले को लेकर साहेबगंज के SC/ST थाना में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।शिकायत के अनुसार, 19 सितंबर 2026 को विद्यालय में अतिरिक्त कक्षा आयोजित की गई थी। छात्रा सुबह करीब 7:30 बजे घर से स्कूल गई थी और लगभग 9:30 बजे वापस लौटी। घर लौटने के बाद छात्रा के व्यवहार में बदलाव देखकर उसकी मां ने उससे पूछताछ की। शिकायतकर्ता का कहना है कि इसके बाद छात्रा रोते हुए विद्यालय में हुई कथित घटना की जानकारी दी।आवेदन में आरोप लगाया गया है कि विद्यालय पहुंचने के बाद प्रधानाध्यापक रूपेश कुमार चौरसिया ने छात्रा को कार्यालय का गेट खोलने के लिए चाबी दी। बाद में टेस्ट के दौरान उसे दूसरे कमरे में जाने के लिए कहा गया। शिकायत में छात्रा के हवाले से आरोप लगाया गया है कि प्रधानाध्यापक ने उसे अकेले में कथित तौर पर आपत्तिजनक बातें कहीं और अनुचित तरीके से स्पर्श किया। छात्रा के विरोध करने पर वह वहां से निकलकर अन्य विद्यार्थियों के पास चली गई।शिकायत में यह भी कहा गया है कि 20 सितंबर को विद्यालय में दोबारा अतिरिक्त कक्षा थी, लेकिन परिजनों ने छात्रा को स्कूल नहीं भेजा। इसी दिन प्रधानाध्यापक के छात्रा के घर पहुंचने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, प्रधानाध्यापक ने छात्रा के छोटे भाई से बातचीत की और उसे एक कागज भी दिया।सोनिका देवी ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि 23 सितंबर को विद्यालय में इस मामले को लेकर बातचीत हुई, जिसमें प्रधानाध्यापक द्वारा कथित रूप से अपनी गलती स्वीकार करने की बात कही गई है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि एक अन्य छात्रा ने सामने आकर प्रधानाध्यापक पर उसके साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने का आरोप लगाया।शिकायत में पूर्व में भी छात्रा को कार्यालय में अकेले बुलाकर कथित तौर पर अश्लील बातें करने तथा जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है।पीड़ित छात्रा की मां ने SC/ST थाना प्रभारी से मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने और परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।वहीं आरोपी प्रधानाध्यापक का पक्ष रखने के लिए उसे दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया गया तो उसका फोन ऑफ बताया

राजमहल प्रखंड क्षेत्र में बारिश के बाद सड़क पर जमा हुआ एक से दो फीट पानी, ग्रामीणों ने जल्द समाधान की मांग की

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण गली-मोहल्लों की सड़कों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मंगलहाट से कल्याणचक जाने वाले मार्ग पर जगह-जगह एक से दो फीट तक पानी जमा हो जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के मौसम में इस मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो जाती है। सड़क पर पानी जमा होने के साथ ही कीचड़ फैल जाता है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। खासकर स्कूली छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। बच्चे जूते हाथ में लेकर जलजमाव वाले रास्ते से गुजरते हैं और स्कूल पहुंचने के बाद जूते पहनते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि जलजमाव के कारण कई बार छोटे बच्चे सड़क पर फिसलकर गिर जाते हैं। रास्ते में गिरने के कारण कई बच्चे स्कूल तक नहीं पहुंच पाते हैं। वहीं, सड़क पर जमा पानी और कीचड़ के कारण राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, आवागमन के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता भी उपलब्ध नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के करीब चार से पांच महीनों तक घरों से निकलने वाला पानी सड़क पर ही जमा रहता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष यही समस्या दोहराती है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण और जलजमाव की समस्या के समाधान को लेकर कई वर्षों से विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या के समाधान के लिए ठोस पहल नहीं हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराकर समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की है।

छतरपुर में सहयोग और सेवा की मिसाल बना बाबा गणिनाथ गोविंद महाराज पूजा महोत्सव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

1200 से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल, 45 गांवों से पहुंचे समाज के लोग

महिलाओं की रही विशेष भागीदारी, विद्यार्थियों व बच्चों को किया गया सम्मानित

छतरपुर (पलामू): अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य हलवाई समाज, छतरपुर के तत्वावधान में आयोजित श्री बाबा गणिनाथ गोविंद महाराज पूजा महोत्सव शनिवार को कोयल कम्युनिटी हॉल, डाकबंगला रोड में भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में भव्य रूप से संपन्न हुआ। पूजा महोत्सव में 1200 से अधिक लोगों की सहभागिता रही, जिसमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या लगभग दोगुनी रही। छतरपुर अनुमंडल के विभिन्न गांवों के साथ लातेहार, गढ़वा, लेस्लीगंज, औरंगाबाद, अंबा, डुमरिया, दंगवार, जपला, नावा बाजार, नौडीहा बाजार, सरईडीह, हरिहरगंज सहित विभिन्न क्षेत्रों के करीब 45 गांवों से समाज के लोग शामिल हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बाबा गणिनाथ गोविंद महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। पूजा अनुष्ठान धरमपुर राज पलवैया धाम के श्याम किशोर महाराज जी द्वारा संपन्न कराया गया। पूजा के मुख्य यजमान सत्येन्द्र कुमार गुप्ता सपत्नीक रहे। पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया।इसके बाद समाज के वरिष्ठ अभिभावक रामबिलास गुप्ता द्वारा समाज का झंडोत्तोलन किया गया तथा अभ्युदय गीत प्रस्तुत किया गया। बच्चों के लिए घड़ा फोड़, बैलून फोड़, कुर्सी रेस सहित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बच्चों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। बच्चियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। स्थानीय कलाकारों द्वारा भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।पूजा समिति के अध्यक्ष पंचम कुमार ने स्वागत भाषण में पूजा महोत्सव के उद्देश्य एवं समाज के अभ्युदय पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक एवं सामाजिक मजबूती, युवाओं को हुनरमंद बनाने, नशे से दूर रहने तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति किसी एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं, बल्कि सभी की सहभागिता, सहयोग और सकारात्मक सोच से संभव है।

कार्यक्रम में मुरली प्रसाद, विनय कुमार गुप्ता, विवेक कुमार गुप्ता लातेहार, सुमित कुमार लेस्लीगंज, शंभु प्रसाद गढ़वा, रवि गुप्ता हरिहरगंज एवं अजय गुप्ता सहित अन्य वक्ताओं ने बाबा गणिनाथ गोविंद महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए समाज को संगठित एवं शिक्षित बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने पूजा आयोजन समिति एवं समाज के लोगों को सफल, भव्य एवं यादगार आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज के लोगों को जोड़ने तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपरा से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम में विवेक कुमार गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष झारखंड, शंभु प्रसाद प्रदेश कोषाध्यक्ष झारखंड, उमाकांत गुप्ता गढ़वा, अनिल कुमार गुप्ता प्रदेश युवा अध्यक्ष झारखंड, रंभा गुप्ता प्रदेश महिला कोषाध्यक्ष झारखंड, सुमित गुप्ता प्रदेश मीडिया प्रभारी, दिलीप प्रसाद लेस्लीगंज, अनीता गुप्ता महिला जिला अध्यक्ष पलामू, अजय प्रसाद जिला मंत्री पलामू, डुमरिया से विजय प्रसाद अध्यक्ष, नावा बाजार से पप्पू गुप्ता, हरिहरगंज से संतोष गुप्ता, श्याम सुंदर प्रसाद, मनीष गुप्ता, कांडी पूजा समिति अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता एवं अरुण प्रसाद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में लेस्लीगंज, लातेहार एवं कांडी पूजा समिति की ओर से छतरपुर पूजा समिति को प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं मैट्रिक एवं इंटर में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं शिल्ड देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जय कुमार गुप्ता, विनय कुमार गुप्ता एवं मुरली प्रसाद गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

सहयोगकताओं के योगदान से मिली आयोजन को भव्यता

श्री बाबा गणिनाथ गोविंद महाराज पूजा महोत्सव को सफल बनाने में समाज के लोगों ने स्वेच्छा से सामग्री, सेवा एवं विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग किया। पूजा समिति ने कहा कि सहयोगकताओं की सेवा भावना और सामूहिक सहभागिता इस आयोजन की विशेषता रही। चंदन कुमार गुप्ता (बैग हाउस एवं संपूर्ण सजावट केंद्र) द्वारा संपूर्ण फूल सजावट, मंच सजावट तथा बाबा जी की तस्वीर के पास कच्चे फूलों की माला की व्यवस्था की गई। मुना साव ने साड़ी, बाबा जी के वस्त्र एवं अचार, मंजीत कुमार गुप्ता (जूता दुकान) ने संपूर्ण आटा, मनोज कुमार गुप्ता (अभिभावक) ने संपूर्ण सब्जी तथा विनय कुमार गुप्ता (व्यवसायी) ने खीर की सामग्री उपलब्ध कराई। बीगन साव, रजहा होटल ने एक टीना फॉर्च्यून रिफाइन, अरुण गुप्ता, कांडी ने सूजी हलवा की संपूर्ण सामग्री, प्रदीप गुप्ता/धीरज (खैनी दुकान) ने संपूर्ण गिलास, मिथलेश गुप्ता (होटल) ने 2 किलो घी तथा नंदन कुमार गुप्ता (मोबाइल एवं श्रृंगार दुकान) ने पुरस्कार सामग्री उपलब्ध कराकर सहयोग किया। ओमप्रकाश गुप्ता (व्यवसायी) ने पानी के जार एवं बोतलबंद पानी, अरुण कुमार गुप्ता (कम्प्यूटर सेल एंड सर्विस) ने पूजा सामग्री, जय कुमार गुप्ता (केक एंड कोल्ड ड्रिंक शॉप) ने एक टीना सरसों तेल, सुनील कुमार ने टेंपो की व्यवस्था तथा योगेंद्र प्रसाद, लठेया ने संपूर्ण खीर की व्यवस्था में सहयोग किया।

पूजा समिति ने कहा कि समाज के लोगों द्वारा सामग्री, सेवा और संसाधनों के रूप में किया गया सहयोग आयोजन के लिए एक मिसाल है। किसी एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं, बल्कि समाज के लोगों के सामूहिक सहयोग एवं सेवा भावना से यह महोत्सव भव्य एवं यादगार रूप से सफल हो सका।

पूजा समिति की पूरी कार्यकारिणी एवं प्रभारी

संरक्षक: अरविंद कुमार गुप्ता चुनमुन – नगर पंचायत अध्यक्ष, छतरपुर; मुरली प्रसाद गुप्ता – छतरपुर; विनय कुमार गुप्ता – छतरपुर; सुरेश प्रसाद – छतरपुर; लालमोहन प्रसाद – छतरपुर; मनोज कुमार गुप्ता – छतरपुर; संजय कुमार – छतरपुर; निर्मल साव – छतरपुर; रामचंद्र साव – देवगन; प्रवेश साव – देवगन; मोहन कुमार – छतरपुर; विजय कुमार गुप्ता – छतरपुर; जय कुमार गुप्ता – छतरपुर एवं सत्येन्द्र कुमार गुप्ता – छतरपुर।

अध्यक्ष: पंचम कुमार – करमा कला।

उपाध्यक्ष: अजय कुमार गुप्ता – छतरपुर; अरुण कुमार गुप्ता – छतरपुर; भरत कुमार गुप्ता – छतरपुर एवं मुरारी कुमार गुप्ता – भैरावाडीह।

सचिव: संतोष प्रसाद गुप्ता – भैरावाडीह।

उपसचिव: अजित गुप्ता – भैरावाडीह; सनोज गुप्ता – सड़मा एवं हिमांशु कुमार – छतरपुर।

कोषाध्यक्ष: अनुराग नयन – छतरपुर।

उप-कोषाध्यक्ष: मृणाल कुमार गुप्ता – छतरपुर।

पूजा प्रभारी: राम प्रवेश गुप्ता – छतरपुर; अजय साव – छतरपुर; अभिषेक गुप्ता – छतरपुर एवं पप्पू कुमार – छतरपुर।

भोजन प्रभारी: मुन्ना साव – रहला; अभिषेक कुमार – छतरपुर एवं राकेश कुमार गुप्ता – छतरपुर।

प्रसाद वितरण प्रभारी: विनय प्रसाद गुप्ता – रजहा एवं शिवनंदन साव – करमा कला।

मंच सजावट: चंदन कुमार गुप्ता – छतरपुर; नंदन कुमार गुप्ता – छतरपुर; मंजीत कुमार गुप्ता – छतरपुर एवं संतोष कुमार गुप्ता – छतरपुर।

जल प्रबंधक: ओम प्रकाश गुप्ता – छतरपुर।

खेलकूद प्रभारी: रिंकू कुमार – सड़मा; धीरज – छतरपुर; संजय कुमार गुप्ता – सड़मा एवं रिशु कुमार गुप्ता – छतरपुर।

मीडिया प्रभारी: अरुण जी – कांडी एवं सोमनाथ गुप्ता – छतरपुर।

पूजा अनुष्ठान: श्याम किशोर महाराज जी – धरमपुर राज पलवैया धाम।

मुख्य यजमान: सत्येन्द्र कुमार गुप्ता सपत्नीक। पूजा समिति ने सभी संरक्षकों, पदाधिकारियों, प्रभारियों, सदस्यों, सहयोगकताओं, अतिथियों, समाज के अभिभावकों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों एवं दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि बाबा गणिनाथ गोविंद महाराज की पूजा के साथ समाज में शिक्षा, संस्कार, सेवा, सहयोग, सामाजिक एकजुटता और अभ्युदय का संदेश आगे बढ़ाना ही इस आयोजन का उद्देश्य है।

देवरिया खुर्द में एसआईआर जनसुनवाई, 111 आवेदनों का मौके पर निष्पादन

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो

केरेडारी/हजारीबाग। ग्राम पंचायत बारियातू अंतर्गत ग्राम देवरिया खुर्द के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में आज एसआईआर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान 111 आवेदनों का ऑन द स्पॉट ऑनलाइन निष्पादन किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार के निर्देश पर आयोजित इस जनसुनवाई में बीएलओ नीतू कुमारी, पंचायत सचिव रजनी कुमारी, दीपक कुमार दास, एमओ रवि राजा, बीएओ अनुज कुमार बीएफटी परमेश्वर महतो रोजगार सेवक असगर अली और विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे। इस मौके पर समाजसेवी जागेश्वर कुमार सह विधायक मीडिया प्रतिनिधि, अजीज मियां, धनेश्वर यादव, उमेश यादव, किशोर कुमार सिंह, संजय यादव सहित सैकड़ों महिला-पुरुष ग्रामीण मौजूद रहे।

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड समिति का गठन, धनेश्वर साहा बने अध्यक्ष

विनोद कुमार@ झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा, पाकुड़ जिला इकाई के तत्वावधान में रविवार (27 सितंबर 2026) को लिट्टीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय के समीप एक भव्य प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन श्री बानेश्वर साहा के अध्यक्षता में किया गया। समाज के संगठन को मजबूती प्रदान करने और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित इस सभा में सैकड़ों की संख्या में स्वजातीय बंधु शामिल हुए। बैठक की शुरूआत में राजू नन्दन साहा ने अपने अभिनंदन भाषण के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया और पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। चुनाव से पूर्व दीपक साहा और विश्वनाथ साहा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने समाज के संगठन को मजबूती प्रदान करने और समाज के लोगों को जागरूक करने का महत्वपूर्ण संदेश दिया। पाकुड़ से आए पर्यवेक्षकों ने जिम्मेदारी वहन करने को लेकर एक बेहद प्रेरणादायक स्पीच दी, जिसमें उन्होंने टीम को समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। चुनाव के उपरांत प्रखंड कमिटी के सभी नव-निर्वाचित सदस्यों ने अपने-अपने अभिभाषण में समाज के विकास की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस बैठक में मुख्य रूप से 15 सदस्यीय प्रखंड कमिटी और प्रत्येक गांव के लिए 'विलेज लेवल कोऑर्डिनेटर' (VLC) का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। पाकुड़ से आए पर्यवेक्षक अशोक कुमार साहा, अनिल कुमार साहा और कुमार शांतनु की देखरेख में यह चुनाव संपन्न हुआ।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची:

अध्यक्ष: धनेश्वर कुमार साहा (तालझारी)
उपाध्यक्ष: राजकिशोर साहा (करियोडीह)
महासचिव: हरेन्द्र कुमार साहा (लेटबारी)
सचिव: अर्जुन साहा (लिट्टीपाड़ा)
कोषाध्यक्ष: किशोर कुमार साहा (बीचामहल)
मीडिया प्रभारी: संजय कुमार साहा (बड़ा सहरसा)
कार्यालय प्रभारी: अशोक कुमार साहा (लिट्टीपाड़ा)

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पूरी सभा ने हर्षोल्लास के साथ विजयमाला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की प्रबंधन तैयार करने वाले रंजन कुमार साहा ने पूरी टीम को बधाई दी और हरसम्भव मदद करने का आश्वासन दिया। इस बैठक में करियोडीह, पतरापाड़ा, बड़ा सहरसा, तालझारी, बीचामहल, लेटबारी और लिट्टीपाड़ा के प्रतिनिधि शामिल हुए और प्रत्येक गांव से दो-दो वीएलसी (VLC) नियुक्त किये गए:-

तालझारी- दयाल कुमार साहा
बिचामहल- केदार साहा
लेटबारी- रवि साह
पतरापारा- नरेश साह
लिट्टीपाड़ा-उपेंद्र साहा
बड़ा सहरसा- संजय साहा
करियोडीह- कल्याण साहा, झन्टू साहा

सभा में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे। इस ऐतिहासिक बैठक में मुख्य रूप गणेश साहा, राजा कुमार, अजय कुमार साहा, तुलसी साहा, श्रवण कुमार साहा, रोहित साहा, कालीचरण साहा, आशीष कुमार साहा, मुकेश कुमार साहा और महेंद्र साहा , मंटू साहा सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन और 'जय तेली समाज' के नारों के साथ इस सफल सभा का समापन हुआ।

आंधी-तूफान से बाधित बिजली पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हजारीबाग। तेज आंधी-तूफान और बारिश के कारण बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड के कई गांवों में पेड़ गिरने से विद्युत तार और खंभे क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है।जनता की परेशानी को देखते हुए बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने आज हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद के साथ विद्युत अधीक्षण अभियंता अशोक उपाध्याय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिजली कटौती, तकनीकी खराबी और क्षतिग्रस्त उपकरणों को लेकर विस्तृत चर्चा की।विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य कर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त तारों और खंभों की मरम्मत में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी नहीं होनी चाहिए। खराब ट्रांसफार्मरों को जल्द दुरुस्त किया जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति की नियमित निगरानी की जाए।उन्होंने बड़कागांव में निमार्णाधीन नए पावर ग्रिड के कार्य में तेजी लाने पर भी जोर दिया, ताकि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को स्थायी रूप से मजबूत किया जा सके।इस पर अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि अगले एक घंटे के भीतर बड़कागांव में विद्युत व्यवस्था बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।विधायक ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्या के बीच खड़े होकर समाधान सुनिश्चित करना उनका दायित्व है।

कांग्रेस अल्प संख्यक जिलाध्यक्ष मोजम्मिल ने एसपी समेत पुलिस अधिकारियों को दी बधाई

लोहरदगा : लोहरदगा पुलिस विभाग में हाल ही में कई थाना प्रभारियों सहित पुलिस अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना को लेकर कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अंसारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने नए थाना प्रभारियों का स्वागत करते हुए उनके कार्यकाल में बेहतर पुलिसिंग और आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय की उम्मीद जताई। मोजम्मिल अंसारी ने पूर्व में थाना क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिसिंग को बेहतर तरीके से संचालित करने वाले थाना प्रभारियों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी बदलना विभागीय प्रक्रिया का हिस्सा है और नई जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारियों से भी बेहतर कार्य की अपेक्षा है। उन्होंने लोहरदगा पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, डीएसपी, एसडीपीओ सहित जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय से जिले में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सकता है। मोजम्मिल अंसारी ने लोहरदगा पुलिस द्वारा किए जा रहे विभिन्न पुलिसिंग कार्यों और ऑपरेशन भरोसा सहित अन्य अभियानों की सराहना करते हुए पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी लोहरदगा पुलिस आम लोगों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बेहतर कार्य करती रहेगी।

अंजुमन इस्लामिया सेन्हा के अध्यक्ष, सचिव समेत सदस्यों ने ली समाज सेवा की शपथ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

पड़ोसी भूखा न सोए, इसका ख्याल रखें जिम्मेवार व्यक्ति : मौलाना रियाज

लोहरदगा: सेन्हा प्रखंड क्षेत्र स्थित मदरसा हस्मतुर रजा में रविवार को अंजुमन इस्लामिया सेन्हा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चुनाव कमेटी के अध्यक्ष बराबर अंसारी ने की। इस दौरान निर्वाचित सदर मोख्तार अंसारी, सचिव अजहरुद्दीन अंसारी समेत अंजुमन के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। मौके पर मौलाना रियाज अहमद ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आपसी भाईचारा बनाए रखने, सभी के साथ कुशल व्यवहार करने तथा अंजुमन इस्लामिया के आय-व्यय का पारदर्शी तरीके से पूरा हिसाब रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जिम्मेवार लोगों को समाज के सभी वर्गों के हित का ध्यान रखना चाहिए। इस्लाम में पड़ोसी भूखा न सोए, इसका ख्याल रखने की सीख दी गई है। सभी लोग आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ रहें तथा समाज के विकास में अपनी भूमिका निभाएं। मुख्य अतिथि थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि एक-दूसरे के सहयोग से ही समाज और क्षेत्र का विकास संभव है। इसके लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस का सहयोग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा सबसे बड़ी नेमत है, इसलिए बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को उपस्थित लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। मौके पर मौलाना रियाज अहमद, हाफिज मोबीन अंसारी, फिरोज अख्तर, मोख्तार अंसारी, अजहरुद्दीन अंसारी, मुस्ताक अंसारी, वसीम अकरम, मुस्तफा अंसारी, अफाक अंसारी, मनान अंसारी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

डीनोबिली स्कूल के विद्यार्थियों ने किया एच यू आर एल सिंदरी इकाई का शैक्षणिक भ्रमण, समझी यूरिया निर्माण की प्रक्रिया

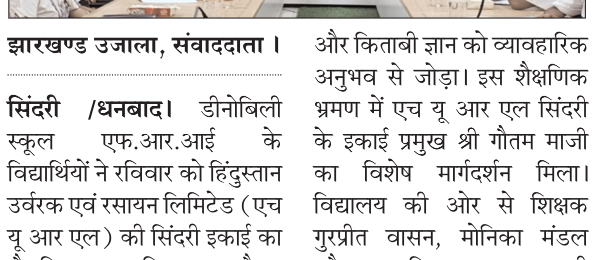

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

सिंदरी /धनबाद। डीनोबिली स्कूल एफ.आर.आई के विद्यार्थियों ने रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच यू आर एल) की सिंदरी इकाई का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने यूरिया निर्माण की पूरी प्रक्रिया को करीब से देखा और समझा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्लांट के संचालन ,औद्योगिक सुरक्षा के नियमों तथा कृषि क्षेत्र में यूरिया की अहम भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने औद्योगिक संयंत्र की कार्य प्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया और किताबी ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ा। इस शैक्षणिक भ्रमण में एच यू आर एल सिंदरी के इकाई प्रमुख श्री गौतम माजी का विशेष मार्गदर्शन मिला। विद्यालय की ओर से शिक्षक गुरप्रीत वासन, मोनिका मंडल और मधुमिता सरकार भी विद्यार्थियों के साथ मौजूद रही। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों के उद्योगों की वास्तविक कार्य प्रणाली से परिचित कराना तथा विज्ञान एवं तकनीक शिक्षा के प्रति उनकी रूचि बढ़ाना था। यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ।

जिला स्तरीय आइडियल पत्रकार संगठन की बैठक सम्पन्न, लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

झारखंड उजाला @ ब्यूरो पलामू

मेदिनीनगर: पलामू/आइडियल पत्रकार संगठन द्वारा दिसंबर महीने में राज्य स्तरीय पत्रकार संगठन को लेकर बैठक आहूत की गई। इस संबंध में पलामू जिले के मनवा देवी डेडिकेटेड कॉलेज, पोखराहा में रविवार को जिला स्तरीय आइडियल पत्रकार संगठन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मार्गदर्शन करने हेतु संगठन के मुख्य अतिथि व वरिष्ठ पत्रकार सह कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांडेय,संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सह पलामू जिला स्थित रेडियो मिर्ची एफएम के मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर विनय मेहता एवं जिले के कई वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष अजीत कुमार पाठक ने की। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण विंदुओं पर चर्चा की। बैठक में संगठन को विस्तार कैसे किया जाए,एवं पत्रकारों के प्रशिक्षण और संगठन को मजबूत बनाने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के वरिष्ठ पत्रकार सह कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांडेय को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत हुई। अपने संबोधन में कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि बदलते डिजिटल युग में पत्रकारिता के क्षेत्र में तकनीकी और कानूनी जानकारी बेहद जरूरी है। संगठन के वैसे सदस्य जिन्होंने मीडिया का कोर्स नहीं किया है, उन्हें जल्द ही मीडिया प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं सहित पत्रकारिता से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी होनी चाहिए। कानूनी जानकारी से पत्रकारों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने में मदद मिलेगी और वे अधिक जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता कर सकेंगे। मौके पर उपस्थित संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सह पलामू जिला स्थित रेडियो मिर्ची एफएम के मैनेजिंग डायरेक्टर इंजीनियर विनय मेहता ने कहा कि जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। यदि व्यक्ति अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत कर ले तो कठिन से कठिन कार्य को भी पूरा किया जा सकता है। उन्होंने संगठन के सदस्यों से एकजुट होकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

वहीं संगठन के पदाधिकारी सह समाचार वर्षा के संपादक संजीव नयन ने कहा कि उन्होंने अब तक कई संगठनों को देखा है, लेकिन आइडियल पत्रकार संगठन की कार्यप्रणाली अलग है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन को संचालित करने के लिए उसका अपना बाइलॉज होता है और संगठन यदि निर्धारित बाइलॉज के अनुरूप कार्य करता है तो वह निरंतर प्रगति करता है। बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय नवीन मेल के पलामू संपादक डॉ राणा अरुण सिंह ने भी कहा कि संगठन हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कहा कि संगठन में पत्रकारों का अनुशासन सबसे बड़ा महत्वपूर्ण होता है, इस सुझाव को सभी ने सहमति प्रदान की। साथ ही प्रत्येक माह संगठन की बैठक आयोजित करने का भी सुझाव आया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि आगामी दिनों में होने जा रहे राज्य स्तरीय पत्रकार संगठन को एक जुट होने के लिए संगठन के पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां पर चर्चा की गई। उक्त बैठक में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मन की बात में विकसित भारत के संकल्प और जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुई चर्चा : पवन तिग्गा

लोहरदगा: जिले में रविवार को भाजपा युवा नेता पवन तिग्गा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ण के 138वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पवन तिग्गा ने की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा देश के विकास, युवाओं की भागीदारी, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण तथा जनकल्याण से जुड़े विषयों पर दिए गए संदेशों को लेकर कार्यकताओं के बीच चर्चा हुई। साथ ही केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुद्रा योजना के माध्यम से आम लोगों को मिल रहे लाभों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। मौके पर पवन तिग्गा ने कहा कि ह्यमन की बातह्ण के माध्यम सेप्रधानमंत्री देशवासियों से सीधे संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम के जरिए समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले लोगों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को देश के सामने लाया जाता है। उन्होंने कार्यकताओं से सरकार की योजनाओं की जानकारी जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

जलसाहियाओं ने झील परिसर में साफ- सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया

उधवा/साहिबगंज। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पूर्व रविवार को पतौड़ा झील परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत जलसाहियाओं के द्वारा व्यापक स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। कार्यक्रम 17 सितंबर से शुरू हुआ यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के दौरान जलसाहियाओं ने झील परिसर में साफ- सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस वर्ष की थीम ह्लस्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्व है। जलसाहियाओं ने लोगों से पर्यटन स्थलों को साफ-सुथरा रखने, कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालने और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाने की अपील की। जलसाहियाओं ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों की भागीदारी बढ़ाना, सार्वजनिक स्थलों की सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना। इस दौरान जल सहिया दीदीयों ने 'एक पेड़ मां के नाम' राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण के तहत लोहिया भवन परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में मास्टर जलसे एवं जलसाईयों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता का शपथ लिया। मौके पर मास्टर जल सहिया असनारा बीवी, क्षमा चौधरी, मेनका दास, रूपाली मंडल व जल सहिया रिजवाना खातून, अक्लिमा बीवी साहिबा खातून, मुखलेसा बीवी, सरोज टुडू,वहीदा खातून, मुन्नी बासकी सहित अन्य थे।

वन्य जीव अभ्यारण्य अंतर्गत गोबरबंदा पंचायत के आंगनवाड़ी एवं राजकीय विद्यालय के अकारण बंद मिलने पर जताई नाराजगी, कारवाई का दिया निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उपायुक्त ने वन्य जीव अभ्यारण्य क्षेत्र का किया भ्रमण

हजारीबाग: उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने शनिवार को क्षेत्र भ्रमण के क्रम में वन्य जीव अभ्यारण्य अंतर्गत राजडेरवा क्षेत्र का दौरा किया। वन्य जीव अभ्यारण्य जाने के दौरान उन्होंने कैले गांव पहुंचकर स्थानीय ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया तथा गांव की विभिन्न समस्याओं एवं मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान पशुओं को चराकर वापस लौट रहे ग्रामीणों से उपायुक्त ने खेती-किसानी, पशुपालन सहित अन्य विषयों पर जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्र एवं विद्यालयों के संचालन की स्थिति के संबंध में भी ग्रामीणों से जानकारी ली। उपायुक्त ने पंचायत गोबरबंदा अंतर्गत नर्सरी आंगनवाड़ी केंद्र, कैले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र बंद पाया गया। इस पर उन्होंने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को संबंधित आंगनवाड़ी सेविका से स्पष्टीकरण करते हुए सूचित करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने समीप स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कैले का भी निरीक्षण किया,जहां विद्यालय बंद पाया गया। विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्र के बंद पाए जाने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित विद्यालय के शिक्षक के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्धारित आदेश एवं दिशा-निर्देश के बिना विद्यालय का बंद पाया जाना घोर अनियमितता का परिचायक है। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को इस संबंध में मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने गोबरबंदा पंचायत में नल-जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति नहीं होने की जानकारी भी ली। इस पर उन्होंने जिला पंचायत राज पदाधिकारी को संबंधित पंचायत के मुखिया से समन्वय कर उक्त योजना की समस्याओं का निदान करने का निर्देश दिया। इसके उपरांत उपायुक्त ने वन्यजीव प्रमंडल द्वारा संचालित नेशनल पार्क अंतर्गत राजडेरवा गेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक एवं पर्यटन की संभावनाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को राजडेरवा एवं आसपास के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को विकसित करते हुए अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। उपायुक्त ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से प्राप्त समस्याओं के त्वरित समाधान तथा सरकारी योजनाओं एवं संस्थानों के नियमित एवं प्रभावी संचालन को प्राथमिकता देने की बात कही।

छठ महापर्व पर हुसैनाबाद में भक्ति जागरण का आयोजन, शहनाज अख्तर प्रस्तुत करेंगी भजन

हुसैनाबाद/ पलामू; जपला छठ महापर्व के शुभ अवसर पर 'आदर्श युवा जागृति मंच', पुरानी बाजार जपला के सौजन्य से आगामी 18 नवंबर 2026 को भव्य भक्ति जागरण सह भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रात्रि 8:00 बजे से अनुमंडल मैदान हुसैनाबाद के प्रांगण में आयोजित होगा। इसमें देश की सुप्रसिद्ध गायिका शहनाज अख्तर द्वारा भक्ति भजनों की मनमोहक प्रस्तुति की जाएगी। मंच के संरक्षक जीतेन्द्र पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद समीर अल्फ्रेड मुर्मु होंगे। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिव्यांश शुक्ला शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शांति एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। आदर्श युवा जागृति मंच ने सभी भक्तों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस भक्ति जागरण सह भजन कार्यक्रम को सफल बनाएं। मौके पर संरक्षक प्रभात कुमार सचिव पीयूष कुमार अग्रवाल उपाध्यक्ष रवि गुप्ता प्रेम प्रकाश अर्जुन पटेल रविंदर कसकर प्रेमचंद चौधरी शंभू व शक्ति सिंह मौजूद थे।

केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 3-4 दिनों से अंधेरे में डूबा, मरीज और कर्मी परेशान

केरेडारी/ हजारीबाग:- केरेडारी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिछले 3-4 दिनों से पूरी तरह अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली नहीं रहने से एनसीडी, ओपीडी पर्ची काउंटर, दवा वितरण केंद्र और लैब भी अंधेरे में चल रहे हैं। अस्पताल कर्मी अंधेरे में ही काम करने को मजबूर हैं। इससे मरीजों के इलाज, जांच और दवा वितरण में भारी परेशानी हो रही है। अस्पताल परिवार और आम जनता दोनों परेशान हैं। लोगों ने एमओआईसी डॉ. विक्रम से जल्द बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से चल सकें।

युवाओं को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ, 100 की हुई स्वास्थ्य जाँच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद।भारत सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ₹नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत₹ का विधिवत शुभारंभ रविवार को सदर अस्पताल, धनबाद के परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा एवं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष मेडिकल हेल्थ कैंप (स्वास्थ्य शिविर) का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 युवाओं की स्वास्थ्य जाँच की गईइसके बाद युवाओं एवं आमजनों के लिए एक विशेष उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक ने नशे के गंभीर शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं का स्वस्थ और नशा-मुक्त होना अत्यंत आवश्यक है।कार्यशाला में एनसीडी सेल के तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के सोशल वर्कर श्री शुभांकर मैत्रा ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से तम्बाकू और अन्य मादक पदार्थों से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की विस्तृत जानकारी दीकार्यक्रम के समापन पर सिविल सर्जन ने सभी लोगों एवं युवाओं को जीवन में कभी भी नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ दिलाई।इस अवसर पर सदर अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी, सिविल सर्जन कार्यालय के कर्मचारी, एनसीडी सेल के कर्मी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय युवा एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोंगलाबांध स्थित बायो पैथ लैब का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विनोद कुमार साह@झारखण्ड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़िया। प्रखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच सुविधाओं को लेकर प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में रविवार को पाकुड़िया के मोंगलाबांध स्थित नए सिरे से संचालित होने वाले बायो पैथ लैब का एसडीओ साईमन मरांडी ने टीम के साथ औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए निरीक्षण से लैब संचालकों और कर्मियों में भी हलचल रही।निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने लैब में उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाओं और वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। टीम ने 4डी-यूएसजी, ईसीजी, ब्लड, यूरिन, शुगर समेत विभिन्न प्रकार की जांच से संबंधित सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान जांच के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों, मरीजों के लिए उपलब्ध व्यवस्था तथा लैब में साफ-सफाई सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया।एसडीओ साईमन मरांडी ने लैब प्रबंधन को स्वास्थ्य जांच से जुड़ी निर्धारित प्रक्रियाओं और मानकों का पूरी तरह पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली जांच में गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। जांच के परिणामों में किसी प्रकार की लापरवाही से मरीजों के उपचार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है, इसलिए प्रत्येक जांच निर्धारित मानकों के अनुरूप किए जाने की आवश्यकता है।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने लैब की संचालन व्यवस्था से संबंधित आवश्यक जानकारी भी ली। साथ ही मरीजों को बेहतर और व्यवस्थित स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य जांच केंद्रों में निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाना जरूरी है, ताकि आम लोगों को स्थानीय स्तर पर भरोसेमंद जांच की सुविधा मिल सके।मोंगलाबांध में बायो पैथ लैब के नए सिरे से संचालन के बीच प्रशासनिक टीम के इस औचक निरीक्षण को स्वास्थ्य जांच सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी और लैब कर्मी मौजूद रहे।

चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना ने छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए वितरित की 500 मच्छरदानियां

चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना द्वारा सीएसआर पहल के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, केरेडारी (कोदवे) की छात्राओं के बीच 500 मच्छरदानियों का वितरण किया गया।यह पहल परियोजना प्रमुख, श्री धनंजय श्रीखंडे के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इसका उद्देश्य आवासीय विद्यालय में रहने वाली छात्राओं को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव प्रदान करना तथा उनके लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना है।मच्छरदानियों के वितरण से छात्राओं को मच्छरों से होने वाले संक्रमणों से बचाव में सहायता मिलेगी। विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की।यह पहल आसपास के समुदायों में स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं बाल कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

तीन दिवसीय बैंक हड़ताल की सूचना से पहले पाकुड़िया में उमड़ी ग्राहकों की भीड़, लेनदेन को लेकर दिखी जल्दबाजी

विनोद कुमार साह@ झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़िया। 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल को लेकर रविवार को पाकुड़िया के विभिन्न बैंकों में ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। हड़ताल के दौरान बैंकिंग सेवाओं पर संभावित असर को देखते हुए बड़ी संख्या में ग्राहक रविवार को ही जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने के लिए पहुंचते नजर आए। खासकर भारतीय स्टेट बैंक और ग्रामीण बैंक की शाखाओं में लेनदेन से संबंधित कार्यों के लिए ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।बैंक पहुंचने वाले ग्राहकों में पेंशनधारियों और उम्रदराज लोगों की संख्या भी देखने को मिली। कई लोग पेंशन, खाते से निकासी, जमा, आवश्यक भुगतान तथा अन्य बैंकिंग कार्यों को लेकर शाखा पहुंचे। हड़ताल के दौरान शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित होने की आशंका के कारण ग्राहकों में पहले से अपने जरूरी काम पूरा कर लेने की चिंता भी दिखाई दी।

रविवार को बैंक शाखाओं में सामान्य कार्यदिवस की तुलना में ग्राहकों की भीड़ के बीच बैंक कर्मियों को भी व्यवस्थाएं संभालने में सक्रिय रहना पड़ा। ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई तथा डिजिटल माध्यमों से उपलब्ध सुविधाओं का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई।बैंक प्रबंधन की ओर से ग्राहकों से अपील की गई कि जरूरी बैंकिंग कार्यों के लिए उपलब्ध एटीएम, एडीडब्ल्यूएम, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और योनो जैसी डिजिटल एवं स्वयं सेवा सुविधाओं का उपयोग करें। इससे शाखाओं पर निर्भरता कम की जा सकती है और हड़ताल की अवधि में भी उपलब्ध सेवाओं के माध्यम से आवश्यक लेनदेन किया जा सकता है।बैंकिंग सेवाओं के डिजिटल विकल्पों की जानकारी विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण रही, जो हड़ताल के दौरान शाखा बंद रहने या नियमित कामकाज प्रभावित होने की स्थिति में अपने जरूरी लेनदेन को लेकर चिंतित थे। हालांकि, डिजिटल बैंकिंग का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को सुरक्षित तरीके से लेनदेन करने और किसी के साथ ओटीपी, पिन या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की भी सलाह दी जाती है। प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए रविवार को बैंक शाखाओं में उमड़ी भीड़ से साफ नजर आया कि ग्राहकों ने संभावित असुविधा से बचने के लिए पहले ही अपने जरूरी काम निपटाने को प्राथमिकता दी। अब 28 से 30 सितंबर के दौरान बैंकिंग सेवाओं की स्थिति पर ग्राहकों की नजर रहेगी।

पीडीआईएल के सेवानिवृत अभियंता शत्रुघ्न प्रसाद का निधन ,सिंदरी में शोक की लहर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी /धनबाद। सिंदरी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सिंदरी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू के 90 वर्षीय चाचा तथा पीडीआईएल के सेवानिवृत अभियंता शत्रुघ्न प्रसाद का रविवार दोपहर करीब 12:00 बजे निधन हो गया। वे करीब एक माह से उम्र संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। उनके निधन की खबर से सिंदरी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि शत्रुघ्न प्रसाद की पत्नी मंजू देवी का निधन कई वर्ष पूर्व हो चुका था। उनकी कोई संतान नहीं थी। बचपन से ही उनका पालन-पोषण और शिक्षा उनके बड़े भाई स्व. डी.डी. प्रसाद ने कराई थी, जो दीपक कुमार दीपू के पिता थे। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। इनमें बासुकीनाथ सिंह, वशिष्ठ नारायण सिंह, दीपक रेटोलिया ,भरत शर्मा ,अरुण शर्मा ,अशोक वर्मा ,बरमेश्वर शर्मा ,दिनेश सिंह ,कामेश्वर सिंह ,संजय सिंह ,विजय सिंह,बृजेश सिंह, सुनील सिंह,एसके चंदा,महेंद्र पांडेय, राकेश तिवारी ,सत्येंद्र सिंह, पवन शर्मा, उमेश ,संजय प्रसाद ,राकेश सोनी ,मनजीत सिंह उप्पल, सुमित सिंह भगवान सिंह,सुरेंदर पाल सिंह, मुकेश सिंह ,संजय साहू ,रूपक ,अशोक ,तनु ,आशीष मुखर्जी ,अजय गोस्वामी ,मोहम्मद अख्तर एवं दीपक चौरसिया सहित कई लोग शामिल थे। परिजनों के अनुसार शत्रुघ्न प्रसाद का अंतिम संस्कार सोमवार को दिन में किया जाएगा।

अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ वन विभाग की कार्रवाई, 26 बोटा सेमल लकड़ी समेत बोलेरो पिकअप जब्त

बरहेट/साहिबगंज। वन क्षेत्र बरहेट अंतर्गत बिचकानी गांव के समीप अवैध रूप से लकड़ी काटकर परिवहन किए जाने की गुप्त सूचना पर वन विभाग ने शनिवार की रात त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 बोटा सेमल लकड़ी लदे एक बोलेरो पिकअप वाहन को जब्त किया है।गुप्त सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने शनिवार रात करीब 11 बजे बिचकानी गांव के पास अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम को देखते ही वाहन चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। वनकर्मियों ने मौके से 26 बोटा सेमल लकड़ी समेत बिना नंबर प्लेट के बोलेरो पिकअप वाहन को जब्त कर लिया।वन विभाग द्वारा जब्त वाहन एवं लकड़ी को विभागीय अभिरक्षा में लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही, अवैध कटाई एवं लकड़ी के अवैध परिवहन में संलिप्त लोगों की पहचान और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया की जा रही है।यह कार्रवाई प्रधान वनरक्षी अमित कुमार के नेतृत्व में की गई। अभियान के दौरान वनकर्मी शेखर कुमार, भोला कुमार सहित अन्य वनकर्मी मौजूद रहे। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन क्षेत्र में अवैध पातन एवं लकड़ी के अवैध परिवहन को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में विभाग द्वारा लगातार निगरानी एवं सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एमएमडीआर संशोधन कानून खनिज क्षेत्र में निवेश और विकास को देगा गति : दीपक प्रकाश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: भारतीय जनता पार्टी लोहरदगा जिला इकाई की ओर से रविवार को पावरगंज स्थित होटल नोवेल्टी में जिला अध्यक्ष अजय कुमार पंकज की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिला मीडिया प्रभारी रामचंद्र गिरि ने पत्रकारों का स्वागत करते हुए उपस्थित भाजपा नेताओं का परिचय कराया।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने एमएमडीआर संशोधन कानून को लेकर कहा कि यह कानून खनिज क्षेत्र में निवेश, स्थिरता और विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस कानून को लेकर राजनीतिक विवाद पैदा कर रहा है, जबकि कानून के प्रभावी होने से खनिज क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और विकास की गति तेज होगी।उन्होंने कहा कि पूरे देश में खनिजों की कीमतों को लेकर एक समान व्यवस्था होनी चाहिए। झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में खनिज क्षेत्र पर 20 प्रतिशत सेस लिया जा रहा है, जिससे राज्य में खनन एवं खनिज आधारित उद्योगों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने इस सेस को लेकर जजिया टैक्स शब्द का इस्तेमाल किया।दीपक प्रकाश ने कहा कि 2014 में खनिज क्षेत्र से प्राप्त राजस्व में राज्य को 60 प्रतिशत और केंद्र को 40 प्रतिशत हिस्सा मिलता था, जबकि वर्तमान व्यवस्था में खनन क्षेत्रों से मिलने वाली राशि का करीब 88 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश में कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और भारत ऊर्जा एवं खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।उन्होंने झारखंड सरकार पर कोयला तस्करी को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके अनुसार राज्य में करीब 20 हजार करोड़ रुपये की अवैध कोयला तस्करी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें सरकारी तंत्र और सत्तारूढ़ गठबंधन से जुड़े लोगों को लाभ पहुंच रहा है।दीपक प्रकाश ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल केंद्र सरकार की विकास योजनाओं में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।प्रेस वार्ता में प्रदेश के मंत्री मनीर उरांव, माटी कला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चंद प्रजापति, किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव, जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन अग्रवाल, महामंत्री मिथुन तमेड़ा, पशुपति पारस, आदिवासी समाज के नेता पवन तिग्गा एवं परमेश्वर भगत सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

खेलो इंडिया सॉफ्ट टेनिस विमेंस लीग में प्रेमा भगत और मधु यादव बनीं विजेता

सब-जूनियर व जूनियर वर्ग में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

लोहरदगा: झारखंड सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को उसुर्लाइन कॉन्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल, लोहरदगा में खेलो इंडिया सॉफ्ट टेनिस विमेंस लीग 2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। सब-जूनियर वर्ग में मधु कुमारी यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। आराधना लकड़ा दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि आरुशी उरांव एवं मनीषा कच्छप ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में प्रेमा भगत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। रिद्धि पांडे दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि शिवांगी किस्पोट्टा एवं करिश्मा कुमारी ने तीसरा स्थान हासिल किया।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए खेल प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी, खेल प्रशिक्षक अजय प्रसाद, प्रधानाध्यापक सिस्टर आश्रिता एवं सिस्टर कुमुदिनी मौजूद रहीं। प्रतियोगिता में एम्पायर के रूप में खुशबू कुमारी एवं साक्षी कुमारी ने भूमिका निभाई। वहीं करण तिग्गा, विकास टोप्पो, आदित्य कुजूर एवं मनीष धान ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग किया। झारखंड सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के महासचिव डॉ. प्रमोद कुमार ठाकुर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्राध्यक्षों द्वारा हिंदी गाने गाकर सांस्कृतिक जुड़ाव की रणनीतिक

करण कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विदेशी नेताओं द्वारा हिंदी गाने गाना भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली उदाहरण है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम सहित कई वैश्विक हस्तियों के ऐसे प्रयास कूटनीतिक तनाव घटाने और जन-जुड़ाव बढ़ाने में सहायक रहे हैं। यह तरीका औपचारिक प्रोटोकॉल से परे आपसी सद्भावना और कूटनीतिक बातचीत को सहज बनाता है। दिल्ली में हुए ब्रिक्स 2026 शिखर सम्मेलन के दौरान, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने दो लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गाने गाकर सबका ध्यान खींचा। उन्होंने ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत और दोस्त, दोस्त न रहा, प्यार प्यार न रहा' गाने गाए। इससे पहले, फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान, अनवर ने 'कभी खुशी कभी गम' फिल्म के गाने 'बोले चूड़ियाँ' के साथ अपना आधिकारिक वीडियो एडिट करके उसमें बॉलीवुड का तड़का लगाया था।

विदेशी नेता और अधिकारी लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में हिंदी गाने गाते रहे हैं। जैसा कि कहा जाता है, 'संगीत की कोई भाषा नहीं होती। यह सीधे दिल से निकलता है।' समय के साथ, कई गैर-भारतीय हस्तियों ने वैश्विक आयोजनों में हिंदी गाने गाकर दर्शकों का दिल जीता है। इसके कुछ उल्लेखनीय उदाहरण नीचे दिए गए हैंः

अगस्त 2023 में, भारत में तत्कालीन ब्रिटिश उच्चायुक्त सर अलेक्जेंडर एलिस ने किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर 'ब्लैकमेल' (1973) फिल्म का गाना पल पल दिल के पास गाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा हिंदी फिल्में 'शोले' और 'चुपके-चुपके' हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति का एक बेहद व्यक्तिगत रूप था, क्योंकि ब्रिटिश राजनयिक ने खुद हिंदी गाना गाने में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था।

27 से 28 अप्रैल 2018 तक चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित वुहान शिखर सम्मेलन के दौरान, हुबेई संग्रहालय में एक कार्यक्रम में चीनी संगीतकारों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए हिंदी फिल्म 'ये वादा रहा' (1982) के गाने तू तू है वही दिल ने जिसे अपना कहा की धुन (इंस्ट्रूमेंटल) बजाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, विदेशी धरती पर भारतीय संगीत सुनकर बहुत अच्छा लगा... हमारे कलाकार दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दिवंगत ऋषि कपूर, जो मूल गाने में नजर आए थे, ने भी ट्वीट किया, सम्मानित महसूस कर रहा हूँ।

मार्च 2021 में, भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के लिए आयोजित एक डिनर में, जिसमें अमेरिकी नौसेना के चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशन्स एडमिरल माइकल गिल्डे भी शामिल हुए थे, अमेरिकी नौसेना के आधिकारिक बैंड 'सी चैंटर्स' ने हिंदी फिल्म 'स्वदेश' (2004) का गाना 'ये जो देश है तेरा' पेश किया। अमेरिकी नौसेना बैंड ने ट्वीट किया, 'नौसेना बैंड 1925 से ही नौसेना को सहयोगी देशों से जोड़ रहा है! होली की शुभकामनाएं।' राजदूत संधू ने जवाब दिया, 'यह दोस्ती का ऐसा बंधन है जिसे तोड़ा नहीं जा सकता।'

2019 में, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए 124 देशों के संगीतकारों ने भक्ति गीत 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' की एक मेडली (कई धुनों का मिश्रण) पेश की। भारत के विदेश मंत्रालय की अगुवाई वाली इस पहल में आर्मेनिया से अंगोला और आइसलैंड से इराक तक के देशों के कलाकार शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका संकलन वीडियो जारी किया।

राजनीतिक वैज्ञानिक इस घटनाक्रम को 'सांस्कृतिक कूटनीति' या 'बॉलीवुड कूटनीति' कहते हैं। इसमें सॉफ्ट पावर के एक साधन के तौर पर हिंदी सिनेमा का इस्तेमाल किया जाता है और कूटनीतिक प्रोटोकॉल के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव में संतुलन बनाया जाता है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस तरीके को अपनाने में काफी कुशलता दिखाई है। कूटनीति में तनाव कम करना और मनोवैज्ञानिक तालमेल

जो विदेशी नेता या प्रतिनिधि हिंदी गाने गाते हैं या सीधे तौर पर भारतीय सांस्कृतिक चीजों से जुड़ते हैं, वे पब्लिक डिप्लोमेसी (जन-कूटनीति) के एक बहुत असरदार तरीके का इस्तेमाल करते हैं। आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में, जहां प्रभाव राजनीतिक या सैन्य दबाव के बजाय आकर्षण पर टिका होता है, किसी देश की लोकप्रिय संस्कृति से सीधा जुड़ाव कूटनीतिक तनाव को कम करता है। इससे तुरंत सद्भावना बढ़ती है, हालांकि अगर यह दिखावा लगे तो बनावटी भी लग सकता है।

पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल औपचारिक स्क्रिप्ट, राजकीय भोज और तयशुदा बयानों पर निर्भर करता है, जो अक्सर पक्षों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। जब कोई विदेशी प्रतिनिधि कोई सांस्कृतिक काम करता है, जैसे कि कोई मशहूर हिंदी गाना गाना, तो आम प्रोटोकॉल से हटकर किया गया यह काम अपनापन, विनम्रता और कोशिश को दिखाता है; लेकिन अगर इसे अच्छी तरह से नहीं लिया गया, तो इसके अजीब लगने का खतरा भी रहता है। इस संरचनात्मक बदलाव से कई तरह से यह बदलता है कि राजनयिक बातचीत को कैसे देखा जाता हैः सम्मान और तैयारी का संकेतः किसी विदेशी भाषा में गाने के बोल सीखना काफी मेहनत का काम है, जो यह दिखाता है कि आने वाला नेता मेजबान देश की सांस्कृतिक पहचान को महत्व देता है।

राजनीतिक हस्तियों को मानवीय रूप देनाः यह तरीका किसी नेता के बारे में जनता की सोच को एक औपचारिक सरकारी प्रतिनिधि से बदलकर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जिससे आसानी से जुड़ा जा सके। इससे अहम बातचीत के दौरान भावनात्मक दूरियां कम होती हैं, हालांकि अगर यह दिखावटी लगे तो इसका असर सीमित हो सकता है।

हिंदी सिनेमा (बॉलीवुड) और संगीत ऐतिहासिक रूप से वैश्विक 'सॉफ्ट पावर' के बड़े माध्यम रहे हैं। दशकों से, भारतीय सिनेमा मध्य एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में लोकप्रिय रहा है। जब गैर-भारतीय नेता शास्त्रीय या आधुनिक हिंदी गाने गाते हैं, तो वे लोगों की पुरानी सांस्कृतिक यादों को ताजा करते हैंः जैसे सोवियत-बाद के देशों और रूस में, 'सर पे लाल टोपी रूसी' गाना, जिसे 'मेरा जूता है जापानी' के नाम से भी जाना जाता है, 1955 की बॉलीवुड क्लासिक फिल्म 'श्री 420', जिसमें राज कपूर मुख्य भूमिका में थे, को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली। इस वापसी ने सोवियत-युग की यादें ताजा कर दीं और शीत युद्ध के बाद के रिश्तों को फिर से मजबूत किया, जिससे राज कपूर एक सांस्कृतिक आइकन के तौर पर उभरे।

दक्षिण-पूर्व एशिया में, रामायण और महाभारत जैसे साझा महाकाव्य और बॉलीवुड संगीत, गहरी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों वाले रिश्तों को और मजबूत करते हैं। पश्चिमी देशों में, जिनमें अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं, आज के दौर के ग्लोबल हिट गाने और क्रॉसओवर ट्रैक प्रभावशाली भारतीय समुदाय और वहाँ के मतदाताओं से जुड़ते हैं। भारतीय जनता और प्रवासी समुदायों से सीधा जुड़ावः सरकार के मंत्रियों तक सीमित पारंपरिक विदेश नीति की पहलों के उलट, सांस्कृतिक जुड़ाव की कोशिशें ऊँचे राजनयिक चैनलों को छोड़कर सीधे आम जनता और दुनिया भर में बसे भारतीयों से जुड़ती हैं।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। पारिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्रम से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्चे पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरू किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। विश्व आर्थिक मंच डब्बूईएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हांलाकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरू किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। हांलाकि बीस सालों में रेंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाएं तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रुप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र

में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रुप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हांलाकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है। लोगऔर समाज

तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर ड़ाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हांलाकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा। संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रेंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरुरी हो गया है। देश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात को पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं।

भ्रष्टाचार की कड़ियां

जब नियम-कायदों को ताक पर रख कर सत्ता और तंत्र की जिम्मेदारियों को दरकिनार करने की कोशिश की जाती है, तो उसके पीछे एक वजह भ्रष्ट तौर-तरीके से किसी को लाभ पहुंचाना होता है। मगर ऐसी कारगुजारियों का खमियाजा आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ता है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी से एक बार फिर यह बहस छिड़ गई है कि नौकरशाही में काम करते हुए कोई अधिकारी कैसे सत्ता का केंद्र बन जाता है और अपने कामकाज से लेकर अन्य मामलों में उसे मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती। ऐसा शायद इसलिए होता है कि आमतौर पर ऐसे अधिकारियों को सत्ता का प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण प्राप्त होता है, जिसके चलते वे अपनी मंशा को बिना किसी हिचक के पूरी कर पाते हैं। विडंबना यह है कि जिन नेताओं को जनता इस उम्मीद से सत्ता में भेजती है कि वे अपने पद का उपयोग आम लोगों के हित और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं पर काबू पाने में करेंगे, वही भ्रष्टाचारियों का बचाव करने की कोशिश करते दिखने लगते हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार में उप सचिव सौम्या चौरसिया को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कथित अवैध वसूली और जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। सवाल है कि इतने उच्च स्तर की किसी अधिकारी को अवैध वसूली या भ्रष्टाचार के अन्य मामलों में मनमानी करने की छूट कैसे मिल जाती है। ऐसी सुविधा उसे कौन मुहैया कराता है! हालांकि इस मामले में जांच प्रक्रिया पूरी और आरोप साबित होने के बाद ही उनकी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन फिलहाल उपसचिव की गिरफ्तारी के जो आधार बताए गए हैं, वे निश्चित रूप से भारत में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार की व्यापक समस्या की तहों में हर जगह मौजूद रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक जांच एजंसियां सक्रिय होकर जांच नहीं करतीं, तब तक ऐसे अपराध बेरोकटोक चलते रहते हैं। खासकर नौकरशाही में कुछ लोग राजनीतिक शह की वजह से बेरोकटोक भ्रष्टाचार से कमाई करते रहते हैं। छत्तीसगढ़ में ईडी की कानूनी कार्रवाई की जद में आई सौम्या चौरसिया के पद-कद का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्हें राज्य में न केवल सबसे ताकतवर अफसर माना जाता था, बल्कि आम धारणा थी कि वे मुख्यमंत्री की बहुत करीबी हैं। अफसोस की बात यह है कि कई मसलों पर सख्त मुख्यमंत्री माने जाने वाले भूपेश बघेल को वक्त पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना जरूरी नहीं लगा।

हालांकि ऐसा नहीं है कि नौकरशाही में ऊंचे पद पर मौजूद किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोपों का यह कोई पहला मामला हो। कुछ समय पहले झारखंड में भी खान सचिव पूजा सिंघल को राज्य के खूंटी जिले में उनके उपायुक्त रहते राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से संबंधित काम यानी मनरेगा के तहत किए गए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। भ्रष्टाचार के ऐसे मामले कड़ियों में एक-दूसरे से जुड़े होते हैं, जिसमें भ्रष्ट नौकरशाहों से लेकर नेताओं, जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों तक के तार जुड़े हो सकते हैं। मगर भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंकने का दावा करने वाले अमूमन सभी राजनीतिक दल भी सत्ता में पहुंचने के बाद या तो उसमें शामिल हो जाते हैं या फिर उसे संरक्षण देने लगते हैं। इसी वजह से भारतीय राजनीति में सबसे मुख्य समस्या के रूप में चिह्नित किए जाने के बावजूद भ्रष्टाचार दीमक की तरह सब कुछ खाता रहता है।

वैश्विक स्तर पर युद्ध के बदलते स्वरूप

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं। 21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है।

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं। यह युद्ध अदृश्य रूप से चलता है एवं किसी को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता है। यह युद्ध विभिन्न संस्थानों के माध्यम से लड़ा जाता है एवं इस युद्ध के माध्यम से किसी भी देश की शासन व्यवस्था को भी परिवर्तित किया जा सकता है। हाल ही के समय में उक्त वर्णित अदृश्य युद्ध के माध्यम से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका आदि देशों में सत्ता परिवर्तन किया गया है। भारत में भी इस तरह के प्रयोग अदृश्य रूप से किए जा रहे हैं परंतु भारतीय नागरिकों पर इस चाल को अभी तक कोई असर नहीं हुआ है क्योंकि भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक संगठन नागरिकों के बीच अपनी प्रभावी भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचूअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है।

संक्षिप्त डायरी

मसौढ़ी में कारोबारियों ने सिटी एसपी के सामने रखीं समस्याएं, जाम और पुलिस पोस्ट का मुद्दा उठा

पटना (एजेंसी) मसौढ़ी के व्यवसायियों ने सिटी एसपी शैलजा के सामने जाम, बस स्टैंड की कमी और सुरक्षा व्यवस्था जैसी प्रमुख समस्याएं रखीं. एसपी ने समाधान का भरोसा दिया. नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) शैलजा ने शनिवार को मसौढ़ी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया. निरीक्षण से पहले उन्होंने शहर के व्यवसायियों और सामाजिक कार्यकताओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं और पुलिस से अपेक्षाओं की जानकारी ली. बैठक में शहर में लगने वाले जाम, बस स्टैंड की कमी और रेलवे गुमटी के पास पुलिस पोस्ट की आवश्यकता समेत कई मुद्दे उठे. जाम और बस स्टैंड का मुद्दा उठा बैठक में व्यवसायियों ने शहर में आए दिन लगने वाले जाम की समस्या को प्रमुखता से रखा. उन्होंने शहर में बस स्टैंड की व्यवस्था नहीं होने के कारण यातायात पर पड़ने वाले असर की भी जानकारी दी. व्यवसायियों ने गांधी मैदान में आए दिन होने वाली मारपीट और गोलीबारी की घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए वहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की. रेलवे गुमटी के पास पुलिस पोस्ट स्थापित करने की मांग भी रखी गयी. सीसीटीवी की मॉनिटरिंग बढ़ाने की मांग व्यवसायियों ने बताया कि शहर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, लेकिन उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने कैमरों की नियमित निगरानी और पुलिस गश्ती को प्रभावी बनाने की मांग की. दुगार्पूजा को देखते हुए विभिन्न पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग भी की गयी. शहर की तंग गलियों में नियमित पुलिस पेट्रोलिंग पर भी व्यवसायियों ने जोर दिया. रेलवे गुमटी पर पुलिस पोस्ट का आश्वासन सिटी एसपी शैलजा ने व्यवसायियों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया. उन्होंने मसौढ़ी पुलिस को जल्द स्कूटी उपलब्ध कराने और रेलवे गुमटी के पास पुलिस पोस्ट स्थापित करने को लेकर भी आश्वासन दिया. पुलिस के प्रति किसी प्रकार की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर बैठक में मौजूद व्यवसायियों ने कोई शिकायत नहीं रखी. अभिलेख और लंबित कांडों की समीक्षा बैठक के बाद सिटी एसपी ने मसौढ़ी थाना का वार्षिक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने थाना दैनिकी, हाजत, मालखाना, वायरलेस सिस्टम, सीसीटीएनएस, सिरिस्ता और लंबित कांडों के अनुसंधान की समीक्षा की. उन्होंने थाना के अभिलेखों के संधारण और कार्यप्रणाली का भी जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-

पटना में मरीन ड्राइव से एलसीटी घाट तक निकली रोड सेफ्टी मैराथन, यातायात नियमों के पालन का दिया गया संदेश

पटना (एजेंसी) बिहार की राजधानी पटना में रविवार की अलसुबह एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब सैकड़ों युवाओं और स्केटिंग खिलाड़ियों ने पहियों की रफ्तार के साथ सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण संदेश दिया। पटना यातायात पुलिस और एनसीसी एलुमनी एसोसिएशन ह्यएनसीसी उड़ानह्व की संयुक्त पहल पर एक भव्य ह्यरोड सेफ्टी स्केटिंग मैराथनह्व का सफल आयोजन किया गया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना, सड़क हादसों में कमी लाना और युवाओं की ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर समाज में एक ज़िम्मेदार नागरिक बोध विकसित करना था। सुबह की ताजा हवा के बीच मरीन ड्राइव के गोलंबर से लेकर एलसीटी घाट तक का पूरा मार्ग स्केटिंग बोर्ड्स की खनक और सड़क सुरक्षा के नारों से गूंज उठा। 1. मैराथन का रूट और युवाओं का उत्साह रविवार सुबह ठीक 6:00 बजे मैराथन की शुरूआत मरीन ड्राइव गोलंबर (गंगा पथ) से हुई। सुबह की किरणें फूटते ही बड़ी संख्या में बच्चे, छात्र, स्केटिंग एथलीट और एनसीसी से जुड़े युवा मरीन ड्राइव पर जुटने लगे थे। स्केटिंग करते हुए प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां (प्लैकॉर्ड्स) और बैनर थाम रखे थे। इन तख्तियों पर ह्यहेलमेट पहनें, जीवन बचाएंह्व, ह्यगति सीमा का रखें ध्यान, सड़क सुरक्षा में ही है कल्याणह्व, और ह्ययातायात नियमों का करें पालन, न करें अपनी जान का नुकसानह्व जैसे प्रभावी संदेश लिखे थे। प्रतिभागियों के चेहरे पर न केवल स्केटिंग का उत्साह था, बल्कि समाज को जागरूक करने का एक विशेष संकल्प भी नजर आ रहा था। मैराथन मार्ग पर मौजूद सुबह की सैर (मॉर्निंग वॉक) पर निकले आम नागरिकों ने भी तालियां बजाकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया और इस पहल की खुलकर सराहना की। 2. गरिमामय सम्मान समारोह और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति मैराथन को हरी झंडी (फ्लैग ऑफ) दिखाकर रवाना करने से पहले एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बिहार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, यातायात विभाग के पुलिस अफसरों और एनसीसी के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। अधिकारियों ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के दौर में सड़क दुर्घटनाएं मृत्यु और गंभीर चोटों का एक प्रमुख कारण बनती जा रही हैं। अधिकांश दुर्घटनाएं लापरवाही, बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग और ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने की वजह से होती हैं। ऐसे में स्केटिंग मैराथन जैसे नवाचार अभियान लोगों के सीधे दिल और दिमाग तक असर पहुंचाते हैं। 3. आयोजकों और सहयोगियों का सम्मान इस वृहत कार्यक्रम को धरातल पर उतारने और इसे एक बड़े जनांदोलन का रूप देने में कई सामाजिक, औद्योगिक और खेल संगठनों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मान समारोह के दौरान कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग देने वाले प्रमुख व्यक्तित्वों और संस्थाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। औद्योगिक व सामाजिक सहयोगः बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (BIA) के पूर्व अध्यक्ष केपीएस केसरी और अरुण अग्रवाल को उनके निरंतर सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संगठनात्मक मार्गदर्शकः एनसीसी उड़ानह्व के सलाहकार संजय गोयनका ने युवाओं को अनुशासित जीवन और सड़क पर संयम बरतने की सीख दी। स्केट जोन एकेडमी ने बच्चों को मैराथन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए स्केटिंग करने का विशेष प्रशिक्षण दिया था। 4. सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन पर विशेष जोर कार्यक्रम के दौरान मंच से बोलते हुए अधिकारियों और आयोजकों ने सड़क सुरक्षा के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर दिया। यह बात रेखांकित की गई कि सड़क पर अनुशासन केवल पुलिस के चालान काटने या सख्ती करने से स्थापित नहीं हो सकता; इसके लिए प्रत्येक नागरिक को खुद जिम्मेदारी उठानी होगी। प्रमुख जागरूकता संदेशः हेलमेट और सीटबेल्ट की अनिवार्यताः दोपहिया वाहन चालकों के लिए गुणवत्तापूर्ण हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों के लिए सीटबेल्ट केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन रक्षक साधन हैं। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग न करनाः ध्यान भटकने के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए वाहन चलाते समय फोन पर बात न करने की सख्त सलाह दी गई। पैदल यात्रियों का सम्मानः जेब्रा क्रॉसिंग पर पैदल चलने वालों को प्राथमिकता देना एक सभ्य समाज की पहचान है। 5. युवाओं को बदलाव का वाहक बनाने का प्रयास पटना यातायात पुलिस और ह्यएनसीसी उड़ानह्व का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इस जागरूकता अभियान की रीढ़ बनाना है। जब युवा स्वयं किसी सामाजिक मुद्दे की कमान संभालते हैं, तो उसका प्रभाव समाज पर अधिक व्यापक और दीर्घकालिक होता है।

नवादा के इस बस स्टैंड से पटना के लिए नहीं जाती एक भी सरकारी बस, चारों तरफ कूड़े का अंबार

पटना (एजेंसी): नवादा का पुराना सरकारी बस स्टैंड बदहाली से जूझ रहा है. पटना के लिए सरकारी बसें बंद, चारों तरफ कूड़े का अंबार और जलजमाव यात्रियों के लिए बड़ी मुसीबत. नवादा शहर का पुराना सरकारी बस स्टैंड इन दिनों बदहाली का शिकार है. कभी यात्रियों की आवाजाही से गुलजार रहने वाले इस बस स्टैंड से वर्तमान में एक भी सरकारी बस पटना के लिए नहीं जाती है. कभी-कभार सुबह के समय बिहारशरीफ के लिए कुछ बसें मिल जाती हैं. वहीं पावापुरी जाने के लिए यात्रियों को टेम्पो का सहारा लेना पड़ता है. पुराने बस स्टैंड का ध्यान नहींस्थानीय लोगों के अनुसार, सरकारी बसों का संचालन सरकारी स्टैंड से शुरू होने के बाद पुराने बस स्टैंड के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. लोगों का कहना है कि स्टैंड की सफाई और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था को लेकर न तो प्रशासन गंभीर दिख रहा है और न ही नगर परिषद की ओर से नियमित सफाई हो रही है. कभी यात्रियों से गुलजार रहता था बस स्टैंड पुराने बस स्टैंड पर कभी सुबह से शाम तक यात्रियों की भीड़ रहती थी. बसों के आने-जाने से यहां लगातार चहल-पहल बनी रहती थी. अब बसों का नियमित संचालन बंद होने के कारण स्टैंड सुनसान पड़ा रहता है. यात्रियों की आवाजाही कम होने के साथ परिसर की स्थिति भी लगातार खराब होती जा रही है. चारों तरफ कूड़े-कचरे का अंबार बस स्टैंड के आसपास जगह-जगह कूड़े और कचरे का ढेर लगा हुआ है. स्टैंड परिसर के अंदर भी कचरा जमा है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदगी लगातार बढ़ती जा रही है. पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश ने परेशानी और बढ़ा दी है. परिसर में जगह-जगह पानी और कीचड़ जमा होने से लोगों का अंदर जाना मुश्किल हो गया है. कचरे और जमा पानी के कारण दुर्गंध भी फैल रही है. बारिश में बढ़ गयी यात्रियों की परेशानी बारिश के बाद स्टैंड परिसर की स्थिति और खराब हो गयी है. कई हिस्सों में कीचड़ और गंदा पानी जमा है. ऐसे में यदि किसी यात्री को बस या अन्य वाहन पकड़ने के लिए परिसर में जाना पड़े तो उसे गंदगी के बीच से गुजरना पड़ता है. रखरखाव नहीं होने से सरकारी संपत्ति हो रही बदहाल स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड का नियमित रखरखाव और सफाई नहीं होने से सरकारी संपत्ति धीरे-धीरे बदहाल होती जा रही है. लोगों ने पुराने बस स्टैंड की नियमित सफाई कराने, जलजमाव दूर करने और यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है.

पटना में बारिश ने तोड़ा इस सीजन का रिकॉर्ड, 24 घंटे में 72.2 एमएम पानी, जानिए कब कमजोर होगा सिस्टम

पटना (एजेंसी) पटना में सीजन की रिकॉर्ड तोड़ 72.2 एमएम बारिश दर्ज की गई, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए. जानिए कब मिलेगी राहत और कहाँ जारी रहेगी बारिश. पटना शहर और आसपास के इलाकों में पिछले 24 घंटे के दौरान इस सीजन की सबसे अधिक 72.2 एमएम बारिश दर्ज की गयी. तेज हवा के साथ बारिश शनिवार को लगातार चौथे दिन जारी रही. इससे शहर के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बनी रही. लगातार बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे चला गया. पांच-छह सितंबर के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा इससे पहले पांच और छह सितंबर के बीच पटना में 68 एमएम बारिश दर्ज की गयी थी. अब पिछले 24 घंटे में हुई 72.2 एमएम बारिश ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. लगातार बारिश के कारण शहर के मौसम में ठंडक बढ़ गयी है. शनिवार को पटना का अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. अधिकतम तापमान सामान्य से करीब चार डिग्री कम रहा. बारिश की कमी 36 से घटकर 32 फीसदी पिछले 48 घंटे से सक्रिय बादलों और लगातार बारिश का असर शहर की मौसमी बारिश के आंकड़ों पर भी पड़ा है. पटना में बारिश की कमी 36 फीसदी से घटकर 32 फीसदी पर आ गयी है. लगातार बारिश होने से इस कमी में और सुधार की संभावना है. 12 घंटे में कमजोर होगा मौसम सिस्टम मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना मौसम सिस्टम पटना समेत बिहार में बारिश का प्रमुख कारण रहा. यह सिस्टम पूवोर्गर मध्य प्रदेश होते हुए दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के आसार हैं. मौसम विभाग के अनुसार अगले 12 घंटों में यह सिस्टम कमजोर होकर निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल सकता है. इसके बाद बारिश की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है. रविवार से पटना में राहत के आसार मौसमविदों के अनुसार रविवार से पटना में मौसम में सुधार के आसार हैं. हालांकि दिन में बादल छाये रह सकते हैं और शहर व आसपास के इलाकों में हल्की बारिश की संभावना बनी रह सकती है. अगले दो दिनों में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल सकता है. उत्तर बिहार में सोमवार तक तेज बारिश रविवार को राज्य के मध्य और पश्चिमी हिस्सों में तेज हवा चलने की संभावना है.

पटना समेत दक्षिण बिहार में बारिश की गतिविधियां कुछ कम रहने के आसार हैं. वहीं पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, कटिहार और किशनगंज समेत उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में तेज से मध्यम बारिश हो सकती है. उत्तर बिहार के इन इलाकों में बारिश का सिलसिला सोमवार तक जारी रहने की संभावना है. ऐसे में पटना में राहत के संकेत हैं, लेकिन राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर अभी बना रहेगा.

पटना में खराब मौसम से दो फ्लाइट रद्द, 4 डायवर्ट, दो घंटे फंसे रहे शैलेश लोढ़ा

पटना (एजेंसी) पटना में खराब मौसम के चलते 2 उड़ानें रद्द और 4 डायवर्ट कर दी गईं. तेज हवा, बारिश और कम विजिबिलिटी के कारण यात्रियों को परेशानी हुई. जानें पूरी जानकारी. पटना में शनिवार को खराब मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा. तेज हवा, बारिश और कम विजिबिलिटी के कारण पटना एयरपोर्ट पर दो विमानों को रद्द करना पड़ा, जबकि चार विमानों को वाराणसी और कोलकाता डायवर्ट किया गया. मौसम में सुधार के बाद डायवर्ट की गयी उड़ानें पटना वापस पहुंचीं. दिल्ली-पटना और पटना-दिल्ली की फ्लाइट रद्द तेज हवा और बारिश के कारण रात 11 बजे दिल्ली से पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2486 को रद्द कर दिया गया. इसके अलावा रात 10.10 बजे पटना से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6046 भी रद्द रही. इससे दोनों रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा. चार विमानों को वाराणसी और कोलकाता किया गया डायवर्ट खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण शनिवार को चार विमानों को पटना एयरपोर्ट पर उतरने के बजाय दूसरे एयरपोर्ट की ओर भेजना पड़ा. इनमें दो विमानों को वाराणसी और दो को कोलकाता डायवर्ट किया गया. मौसम में सुधार होने के बाद सभी विमान पटना लौट आये. मुंबई-पटना फ्लाइट वाराणसी डायवर्ट, शैलेश लोढ़ा भी विमान में थे एयर इंडिया की मुंबई से पटना आने वाली फ्लाइट को दोपहर में कम विजिबिलिटी के कारण वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया. इस विमान में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम अभिनेता शैलेश लोढ़ा भी पटना आ रहे थे. वाराणसी एयरपोर्ट पर उन्हें करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा. मौसम में सुधार के बाद विमान पटना के लिए रवाना हुआ और करीब दो घंटे की देरी से पटना पहुंचा.

पटना में गैरेज संचालक को गोलियों से भूना, बाइक से फरार हुए बदमाश

पटना (एजेंसी) पटना के रामकृष्णानगर में बदमाशों ने वर्कशॉप संचालक अंजनी नंदन को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. पुलिस सीसीटीवी खंगाल कर बदमाशों की पहचान में जुटी है. : पटना के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के भूपतिपुर इलाके में शनिवार की देर रात बदमाशों ने नंदन ऑटोमोबाइल्स वर्कशॉप के संचालक अंजनी नंदन को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया. वर्कशॉप के समीप ही पहले से घात लगाये बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की. इस दौरान तीन गोलियां लगने से अंजनी नंदन खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़े. घटना के बाद बदमाश बाइक से फरार हो गये. काम खत्म कर घर निकल रहे थे अंजनी नंदन बताया जाता है कि अंजनी नंदन शनिवार की देर रात अपने वर्कशॉप में काम खत्म करने के बाद घर जाने के लिए निकले थे. इसी दौरान पहले से घात लगाये बदमाशों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी. तीन गोलियां लगने के बाद वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े. इसके बाद बदमाश उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गये. घटनास्थल से तीन खोखे बरामद गोलीबारी की सूचना मिलते ही रामकृष्णानगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल अंजनी नंदन को कंकड़बाग स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया. घटनास्थल से तीन खोखे भी बरामद किये गये हैं. घटना के बाद मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गयी. अंजनी नंदन के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे. सीसीटीवी और मोबाइल खंगाल रही पुलिस पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है. साथ ही परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों और बदमाशों के बारे में जानकारी जुटायी जा रही है.

बिहार में कल से 30 सितंबर तक बैंक हड़ताल, आज संडे को भी खुली हैं शाखाएं, निपटा लें सारे जरूरी काम

पटना (एजेंसी) बिहार में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल 28-30 सितंबर तक रहेगी, जिससे बैंकिंग सेवाएं बाधित होंगी. 27 सितंबर को बैंक विशेष रूप से खुले रहेंगे. अपने जरूरी काम आज ही पूरे कर लें. पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने, पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती और रिक्त पदों को भरने समेत विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मचारी और अधिकारी 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे. यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर होने वाली इस हड़ताल में बिहार के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे. हड़ताल के कारण शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है. 27 सितंबर रविवार को खुले रहेंगे सरकारी और ग्रामीण बैंक हड़ताल से पहले 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार का अवकाश है. लगातार कई दिनों तक बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की स्थिति को देखते हुए 27 सितंबर रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य रूप से खुले रखने का निर्णय लिया गया है. दिवसीय हड़ताल के बीच 27 सितंबर को विशेष रूप से बैंक खोले जा रहे हैं. हड़ताल के दौरान शाखा स्तर की सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है. हालांकि डिजिटल बैंकिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं की उपलब्धता संबंधित बैंक की व्यवस्था पर निर्भर करेगी. पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह समेत कई मांगें बैंक यूनियनों की प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना, पर्याप्त कर्मचारियों की भर्ती, सभी रिक्त पदों को भरना और बढ़ते कार्यभार के अनुरूप मैनपावर उपलब्ध कराना शामिल है. ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरेश विक्रमादित्य के अनुसार कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए पीएलआइ में समान व्यवस्था, लंबित पेंशन अपडेशन और सभी पेंशनरों के लिए समान डीए फामूर्ला लागू करने की मांग भी उठायी गयी है. पर्याप्त भर्ती से कम होगा कर्मचारियों का कार्यभार बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लॉइज यूनियन के बिहार महासचिव प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि पर्याप्त भर्ती होने से कर्मचारियों का कार्यभार कम होगा और ग्राहकों को बेहतर सेवा मिल सकेगी

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

पोर्टफोलियो में विविधीकरण से मजबूत हो सकती है वित्तीय योजना

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

निवेश मंत्रा

बड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते। इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखना भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी **SIP** से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटानी है तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती हैं। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें

निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयावधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश करने के बाद समय-समय पर यह देखना चाहिए कि निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- **जल्दी शुरुआत करें :** कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- **लक्ष्य तय करें :** घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयावधि तय करें।
- **एसआईपी को नियमित रखें :** छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- **चक्रवृद्धि का लाभ लें :** लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- **पोर्टफोलियो में विविधता रखें :** इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- **समय-समय पर समीक्षा करें :** आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।

निवेश से पहले जरूर देखें

- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?

महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

- बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%
- महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आक्रामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा

निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक **B**30 लोकेशंस के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 39.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

एसआईपी ने बदली निवेश की आदत

म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी के पीछे एसआईपी की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। नियमित छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा ने इक्विटी को उन लोगों के लिए भी सुलभ बनाया है, जो एकमुश्त बड़ी रकम निवेश नहीं कर सकते। लेकिन एसआईपी का मतलब यह नहीं कि नुकसान का जोखिम खत्म हो जाता है। एसआईपी केवल निवेश करने का तरीका है। जिस फंड या परिसंपत्ति में पैसा लगाया गया है, उसके प्रदर्शन के अनुसार निवेश का मूल्य ऊपर-नीचे हो सकता है।

पांच साल में तीन गुना से ज्यादा हुआ इक्विटी एयूएम

इक्विटी म्यूचुअल फंड की बढ़ती स्वीकार्यता का असर उसके कुल एयूएम में भी दिखाई देता है। अगस्त 2021 से अगस्त 2026 के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड का एयूएम 12.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 39.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी पांच साल में यह तीन गुना से ज्यादा बढ़ा। इसी अवधि में इक्विटी फोलियो की संख्या भी 7.3 करोड़ से बढ़कर 18.9 करोड़ हो गई। यहां एयूएम और फोलियो के अंतर को समझना जरूरी है। एयूएम बताता है कि कुल कितनी रकम प्रबंधित हो रही है, जबकि फोलियो निवेश खातों की संख्या को दर्शाता है। फोलियो में बढ़ोतरी यह बताती है कि निवेशकों का आधार भी व्यापक हुआ है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बाजार में गिरावट के दौरान भी फोलियो बढ़ते रहे। दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच इक्विटी एयूएम 30.6 लाख करोड़ से घटकर 27.4 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन इक्विटी फोलियो 15.7 करोड़ से बढ़कर 16.2 करोड़ हो गए।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें

इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निफ्टी 50 टीआरआई का सीएजीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उतनी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

- अगस्त में एसआईपी निवेश पहली बार 32 हजार करोड़ के पार
- स्मॉल कैप फंडों में 7,973 करोड़ रुपये पहुंचे
- निवेश बढ़ाने के बजाय लक्ष्य और जोखिम क्षमता के हिसाब से पोर्टफोलियो तय करें
- एसआईपी बंद न करें, लेकिन आंख मूंदकर पैसा बढ़ाना भी समझदारी नहीं

सावधानी

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ औसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात

स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका

हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में लगा देता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, फ्लैक्सी कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनिट खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

निवेशक क्या करें?

- **पहला :** एसआईपी बंद न करें, लेकिन उसकी समीक्षा जरूर करें। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और फंड तथा जोखिम स्तर उपयुक्त हैं तो केवल बाजार की चाल देखकर एसआईपी रोकना जरूरी नहीं।
- **दूसरा :** स्मॉल कैप का हिस्सा जांचें। पूरे पोर्टफोलियो में स्मॉल कैप कितना है, यह देखें। जरूरत से ज्यादा हो गया है तो नए निवेश को दूसरी श्रेणियों में मोड़ने पर विचार किया जा सकता है।
- **तीसरा :** लक्ष्य के हिसाब से निवेश करें। रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, घर या आपातकालीन जरूरत हर लक्ष्य की समयावधि अलग है। उसी हिसाब से जोखिम लेना चाहिए।
- **चौथा :** आपातकालीन फंड अलग रखें। शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड को अचानक आने वाले खर्च के लिए इस्तेमाल करने की योजना नहीं बनानी चाहिए।
- **पांचवां :** बाजार को समय देने के बजाय समय को बाजार में दें। लंबी अवधि के निवेश में अनुशासन महत्वपूर्ण है। बाजार कब ऊपर जाएगा या कब नीचे आएगा, इसकी भविष्यवाणी करने के बजाय निवेश की अवधि और परिसंपत्ति-वितरण पर ध्यान देना ज्यादा व्यावहारिक है।

रिकॉर्ड एसआईपी खतरा नहीं, चेतावनी जरूर है

रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को बाजार में बुलबुले का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार भी हुआ है और निवेशकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम करीब 87.08 लाख रुपये करोड़ था। लेकिन रिकॉर्ड प्रवाह निवेशकों के लिए एक दूसरी तरह की याद दिलाता है। निवेश बढ़ रहा है तो वित्तीय समझ भी उसी गति से बढ़नी चाहिए। स्मॉल कैप में पैसा बढ़ रहा है, एसआईपी रिकॉर्ड बना रही है और नए निवेशक बाजार से जुड़ रहे हैं। ऐसे समय में सही सवाल यह नहीं होना चाहिए कि "कितना ज्यादा रिटर्न मिलेगा?", बल्कि यह होना चाहिए कि "मेरे लक्ष्य के लिए कितना जोखिम उचित है?"

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

- ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत
- कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

अलर्ट

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजबूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मामला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर पैसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रैप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पूरी करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा है।

अतिरिक्त आय न समझें

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी लिमिट को अपनी अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। अगर हर महीने पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार बकाया आगे बढ़ाया जा रहा है तो व्यक्ति अपनी भविष्य की आय पहले ही खर्च कर रहा है।

कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रैप की ओर बढ़ रहे हैं?

- पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
- दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू. भुगतान करना।
- तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचना।
- चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
- 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

डेट ट्रैप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को ढकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दर कितनी है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी हैं। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और शर्तों की तुलना करके पुनर्गठन या उचित समेकन के विकल्पों पर बैंक या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म

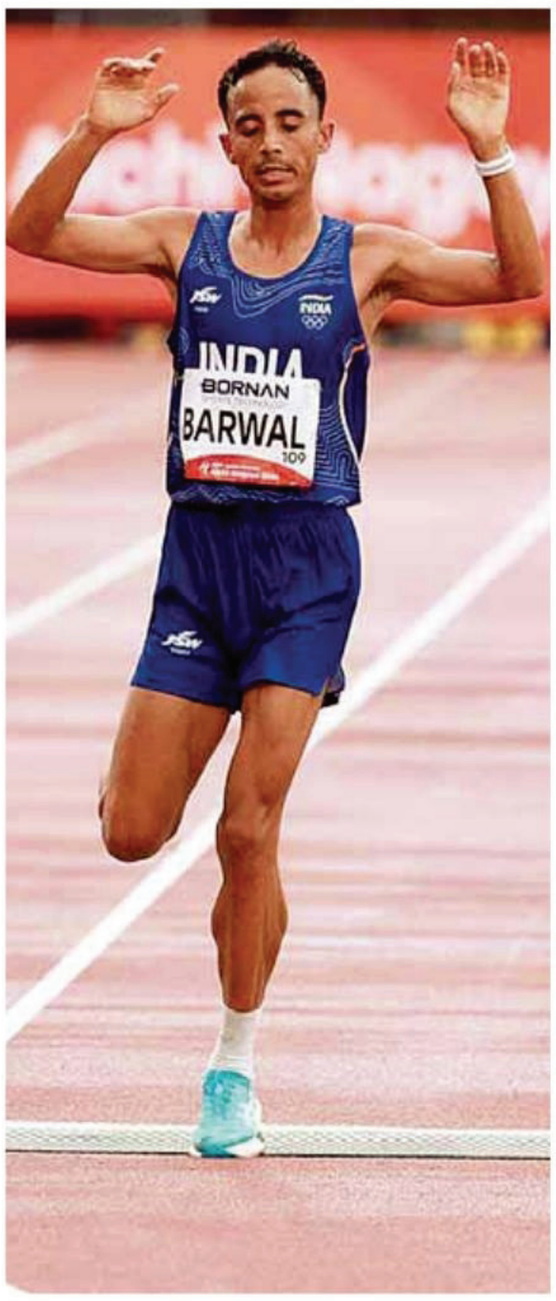

नागोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

वह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के पेइयू फेंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में होसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

1951 में छोटा सिंह ने जीता था स्वर्ण

दिल्ली में 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सूरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया । अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

मेरा लक्ष्य पदक जीतना था : बरवाल

बरवाल ने रेस के बाद कहा,' मेरा लक्ष्य पदक जीतना था, अपना रिकॉर्ड बेहतर करना नहीं। लेकिन यह भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय बाद देश के लिए पदक जीत सका।' बरवाल आधी रेस पूरी होने तक दूसरे स्थान पर चले गए थे। उन्होंने कहा,' मेरा लक्ष्य 39.40 किलोमीटर तक पहले ग्रुप में रहना था। मैं पहले ग्रुप में रहा और आखिरी एक दो किलोमीटर में फिनिश करने का फैसला किया। आखिर में 38.37 किलोमीटर में तीन ही रनर थे। मैंने एक सी रफ्तार बनाये रखने की कोशिश की।'

महिला टीम को राइफल थ्री पोजिशंस में रजत

नागोया। भारत की तिलोत्तमा सेन, विद्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विद्सा 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई।

स्क्वाश : जोशना-सेंथिलकुमार ने जीता कांस्य

भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की स्क्वाश प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया तथा युवा सनसनी अनाहत सिंह ने जहां महिला एकल में जापान की विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया वहीं अभय सिंह भी पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रहे। भारत की 18 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने सेमीफाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। अनाहत ने यह मैच 9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3 से जीता और इस तरह से इसी साल के शुरू में जापानी खिलाड़ी से मिली हार का बदला चुकता कर दिया।

अभय ने पाकिस्तान के इरफान को हराया

इसके बाद अभय ने पाकिस्तान के मोहम्मद इरफान को 3-0 (11-3 12-10 11-6) से हराकर पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया। अभय ने सेमीफाइनल में शानदार शुरुआत करते हुए पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली और 35 मिनट तक चले मैच में अपनी इस लय को बरकरार रखा। भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पाकिस्तान के खिलाड़ी ने दूसरे गेम में उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वह 2-0 की बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे।

बैडमिंटन : क्वार्टर फाइनल में उन्नति, आयुष और लक्ष्य बाहर

युवा शटलर उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बेहतरीन जीत दर्ज कीं और महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जबकि लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी शनिवार को एशियाई खेलों से बाहर हो गए। उन्नति ने मलेशिया की लिंग चिंग वोंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इसके बाद हरियाणा की 19 वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वारदानी पर 21-19, 21-13 की शानदार जीत दर्ज की और जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला तय किया।

क्वार्टर फाइनल में कपिल और प्रिया

मुक्केबाज कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और प्रिया घंघास (60 किग्रा) ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन जादूमणि सिंह (55 किग्रा) का सफर समाप्त हो गया। उत्तराखंड के कपिल ने ईरान के सैम एस्ताकी पर 5-0 की जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। प्रिया ने कोरियाई ओह यिओंजी पर सर्वसम्मत 5-0 की जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। जादूमणि पुरुषों के 55 किलो वर्ग में फिलीपींस के तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-3 से हार गए। पोखरिया ने शुरू ही से दबाव बनाकर पहले दौर में 4-1 की बढत बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के एस्ताकी को खुलकर खेलने नहीं दिया।

पुरुष हॉकी : जापान को हराकर सेमीफाइनल में टीम इंडिया

काकामिगाहाआ। गत चैंपियन भारत ने शनिवार को पूल ए के कड़े मुकाबले में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती तीन पूल मुकाबलों में इंडोनेशिया को 13-1, श्रीलंका को 16-1 और दक्षिण कोरिया को 8-2 से करारी शिकस्त दी थी। यह भारत की लगातार चौथी जीत थी, जिससे उनका अजेय अभियान जारी रहा।

खबर संक्षेप

दौड़ : प्राची ने 400 मीटर में जीता कांस्य

नागोया। प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय धाविका किरण पहल 53.41 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। प्राची ने अब अपना ध्यान चार गुणा 400 मीटर रिले पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतकर उन्होंने अपनी क्षमता साबित कर दी है। उन्होंने कहा, 'यह पदक मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि लोग लगातार मुझसे कहते रहे हैं कि मैं केवल रिले स्पर्धाओं में ही पदक जीत सकती हूं। आज मैंने साबित कर दिया है कि मैं व्यक्तिगत 400 मीटर स्पर्धा में भी पदक जीत सकती हूं, और वह भी एशियाई खेलों में।

कोहली 2027 में खेलेंगे आखिरी विश्व कप, रोहित का आया रिएक्शन

तिरुवनंतपुरम

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा, जिसमें खिताब जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह अपना सब कुछ झोंक देंगे। 37 साल के कोहली अब सिर्फ एक प्रारुप में खेल रहे हैं। उन्होंने रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले अपने भविष्य को लेकर यह बात कही। अगले साल का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा।

निश्चित रूप से विश्व कप जीतना लक्ष्य : विराट

कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत की ओर से खेला जाने वाला आखिरी विश्व कप होगा और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ झोंक देना चाहता हूं। निश्चित रूप से लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

आज से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज

टूर्नामेंट की अपनी अलग चुनौती होती है : रोहित

39 वर्षीय रोहित ने कहा कि जब तक वह खेल रहे हैं, तब तक आगे हासिल करने के लिए कुछ न कुछ जरूर रहेगा। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में यह विचार कभी नहीं आएगा कि जो हासिल करना था, वह पूरा हो चुका है। जब तक आप खेल रहे हैं, आगे देखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। मैं विश्व कप और उसमें अपने लिए मौजूद संभावनाओं को लेकर उत्साहित हूं।' रोहित ने कहा कि विश्व कप या किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट की अपनी अलग चुनौती होती है, क्योंकि इसमें अलग-अलग टीमों और मैदानों पर खेलना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''जब विश्व कप खेला जाता है या हम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में उतरते हैं, तो उसकी अपनी अनूठी चुनौती होती है। आपको अलग-अलग प्रतिद्वंदियों और अलग-अलग मैदानों पर खेलना होता है। इसलिए तैयारी भी अलग तरीके से करनी पड़ती है और सोचने का तरीका भी बदलना होता है। यही इसकी चुनौती है।'

भारत का तीरंदाजी में शानदार आगाज

ओकाजाकी सिटी

धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष रिकर्व और चीकिता तनिपर्थी ने महिला

कंपाउंड व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल करने की बदौलत भारत ने शनिवार को एशियाई खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। हाल ही में विश्व कप फाइनल जीतने वाले विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज धीरज ने पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में 698 अंक जुटाकर नया एशियाई खेल क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले 36 प्रयास में में 348 और अगले 36 तीरों में 350 अंक हासिल किए।

इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण कोरिया के ली वू सियोग के नाम था, जिन्होंने 690 अंक बनाए थे। सियोग इस बार 690 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के किम जे दियोग 693 अंक के साथ दूसरे और चीनी ताइपे के चिन हुन तांग 692 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होगी भारत और अफगानिस्तान की टीम

नई दिल्ली

एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए।

लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है।

पहला क्वार्टर फाइनल 28 सितंबर को

पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

दाएं पैर में इंजरी; मार्च में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला

हार्दिक फिर चोटिल, न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

नई दिल्ली

सीनियर हरफनमौला हार्दिक पंड्या को दाहिनी पिंडली में फिर चोट लग गई है, जिससे वह तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे और न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे से बाहर हो गए हैं।

पंड्या को 20 सितंबर को वापसी करनी थी और चयनकर्ताओं ने उन्हें आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला में भारत ए टीम में चुना था। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया,' यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हार्दिक के ताजा स्कैन में उनकी दाहिनी पिंडली में चोट का पता चला। उन्हें दो सप्ताह पूरी तरह से आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख डॉक्टर दिनशॉ परदीवाला ने जापान से लौटकर उनकी रिपोर्ट देखी और वह तय करेंगे कि रिहैबिलिटेशन कब से शुरू हो सकता है।'

तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलेंगे

22 अक्टूबर न्यूजीलैंड दौरा

न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को टी20 श्रृंखला से शुरू होगा, जिसके बाद वनडे श्रृंखला खेलनी है। तब तक हार्दिक की वापसी की संभावना नहीं है। समझा जाता है कि बीसीसीआई चाहता था कि हार्दिक टीम के साथ एशियाई खेलों में जाए और वीजा के लिए उनका पासपोर्ट भी लिया गया था। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा। उन्होंने ब्रेक लिया और फिटनेस सर्टिफिकेट हासिल करने ही वाले थे कि दर्द फिर उठ गया। स्कैन में चोट का पता चला। वह आईपीएल के बाद से बेंगलुरु में है और अब बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास कर रहे हैं।

क्रिकेट

वनडे विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट आगे बढ़ा : शेफाली

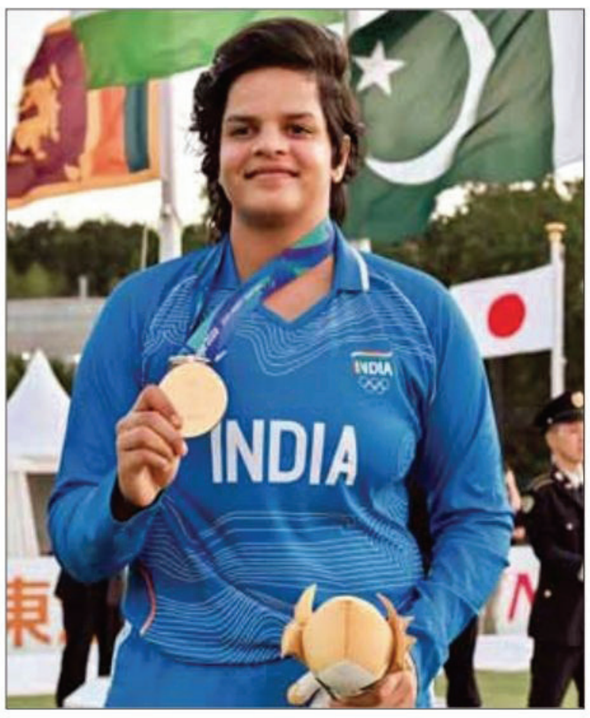

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में शेफाली वर्मा ने अहम किरदार निभाया। शेफाली ने कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद से महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने अपने उस मुश्किल समय को भी याद किया, जब वह टीम से बाहर चल रही थीं।

शेफाली ने कहा, मुझे याद है जब हमने वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी तो हमने उसे उठाया था। उसके बाद से भारतीय महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। बीच में कई मुश्किलें भी आईं। हम कोशिश करेंगे कि आगे ऐसी मुश्किलें न आएं और देश का नाम रोशन करें।

मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल

शेफाली वर्मा ने उस समय को भी याद किया, जब वह भारतीय टीम से बाहर चल रही थीं। उन्होंने कहा, जब मुझे टीम से बाहर किया गया, तो वह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल था। वह समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। टीम से बाहर रहने के दौरान मैंने कितनी मेहनत की, यह सिर्फ मुझे ही पता है। सबसे अच्छी बात यह रही कि मैंने सब कुछ स्वीकार कर लिया। हां, मैं टीम में नहीं हूं, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करनी है और इस समय का सही इस्तेमाल करना है। मुझे यह साबित करना था कि मैं सबसे अच्छी हूं। मैं अपने देश और अपनी टीम के लिए सबसे अच्छी हूं।

परिवार ही हमारे लिए सब कुछ

भारतीय सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, इसी कारण मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की। मैंने अपनी मानसिक सेहत, स्किल्स और फिटनेस पर काम किया। मुझे खुशी है कि उस समय मैंने सही फैसले लिए और खुद पर काम किया। मैंने खुद को किसी भी बुरी घटना या बातों का सामना नहीं करने दिया। मुझे लगता है कि आखिर में परिवार ही हमारे लिए सब कुछ है। जिस तरह से उन्होंने उस समय मेरा साथ दिया, उसके लिए उनका शुक्रिया। फिर जब हमने वनडे वर्ल्ड कप जीता, तो खुशी के आंसू आ गए।

पंजाब में पराली जलाने के शुरुआती 40 मामले, प्रशासन सख्त

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में धान की कटाई के शुरुआती दौर में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। 26 सितंबर तक वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएमएस) और राज्य प्रशासन की निगरानी में कुल 40 मामले दर्ज हुए हैं, जिसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सैटेलाइट और प्रोटोकॉल रिपोर्ट के अनुसार राज्यभर में पराली जलाने की कुल 40 घटनाएं सामने आई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 21 मामले अमृतसर जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 4 खेतों में मौके पर आग लगने की पुष्टि हुई। इसके बाद तरनतारन में 6 और फिरोजपुर में 5 मामले सामने आए। कुल 28 खेतों के भौतिक निरीक्षण में 12 स्थानों पर पराली जलती मिली है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। कुल 8 मामलों में 40,000 रुपये का पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया है, जिसमें से 10,000 रुपये की वसूली की जा चुकी है। फिरोजपुर (15,000 रुपये), तरनतारन (10,000 रुपये) और अमृतसर (5,000 रुपये) पर प्रमुख जुर्माने लगाए गए हैं। पटियाला जिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, 5 मामलों में जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं कर्तव्य में कोताही बरतने वाले फिरोजपुर जिले के 4 नोडल और सुपरवाइजरी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिसके बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार जारी हैं।

फगवाड़ा में दुष्कर्म की अफवाह पर छात्रों ने कॉलेज के शीशे और गमले तोड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के फगवाड़ा में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक छात्रा से फर्जी दुष्कर्म की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शनिवार प्रदर्शन किया और परिसर में तोड़फोड़ की। कपूरथला के वरिष्ठ एसएसपी ने कहा कि पुलिस को इस तरह के किसी अपराध की जानकारी नहीं है। वायरल वीडियो में छात्र खिड़कियों के शीशे एवं गमले तोड़ते और कुछ वस्तुओं में आग लगाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रों ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बाधित किया। इन अफवाहों के कारण छात्र यहां एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि हमने छात्रों से बात की। उन्हें एलपीयू प्रशासन से कुछ शिकायतें हैं। हमने उनकी बात सुनी है और उनका समाधान कराने की कोशिश कर रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। एसएसपी ने कहा कि संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों का कहना है कि उनकी शिकायतों का उचित समाधान नहीं किया जाता। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? पुलिस फायरिंग बरसी को लेकर भड़के वांगचुक

लद्दाख (एजेंसी)। 24 सितंबर 2025 को हुई हिंसा और पुलिस फायरिंग की पहली बरसी पर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मीडिया कवरेज, हिंसा की न्यायिक जांच, पीड़ितों के मुआवजे और खुद पर लगाए गए एनएसए के तहत कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा है। बता दें 24 सितंबर को लद्दाख के कई हिस्सों में बंद रहा और इस दिन को कुछ लोगों ने शहीद दिवस के तौर पर मनाया। पिछले साल हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि 27 सितंबर को पिछले साल वह जोधपुर की जेल में थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान उन्हें पता चला था कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया है। उन्होंने 24 सितंबर को लद्दाख में मनाए गए शहीद दिवस का जिक्र करते हुए मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि जब लद्दाख में शहीद दिवस मनाया जा रहा था, तब मीडिया ब्लैकआउट जैसा माहौल था। उन्होंने कहा कि 24 सितंबर को कई मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि वहां नहीं पहुंचे। वांगचुक ने सवाल किया कि क्या मीडिया को किसी खबर को दिखाने से रोका जाता है? उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रमुखों से पूछा कि लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

दो करोड़ की रिश्वत लेते बिचौलिया गिरफ्तार, एडिशनल एसपी भी हिरासत में

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक बिचौलिये को दो करोड़ रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी ने इस मामले में एसओजी उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी को भी हिरासत में लिया है। एसीबी के महानिदेशक ने शनिवार देर रात जारी बयान में बताया कि आरोपी बिचौलिये की पहचान सज्जन सिंह उर्फ टाटला के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सज्जन सिंह एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए यह रिश्वत ले रहा था। शिकायतकर्ता ने शिकायत दी थी कि उदयपुर नगर निगम के 272 भूखंडों से जुड़े चर्चित मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों को दर्ज मुकदमों में राहत दिलाने, अन्य मामलों में आरोपी नहीं बनाने और गिरफ्तारी के दौरान उनके घरों से मिले ऐसे दस्तावेज लौटाने के बदले दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

अमित शाह ने गुजरात में भारत की पहली एलएनजी ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, 1542 करोड़ रुपये के रेलवे प्रोजेक्ट शुरू किए

अहमदाबाद, एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. उन्होंने साबरमती में 1,542 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली कई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया. इसके अलावा, अमित शाह ने कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम, लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड और साबरमती-सरखेज रेलवे लाइन को डबलिंग करने का काम शामिल है. इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा गया है. 411 करोड़ रुपये की लागत से 404 किलोमीटर के रेल सेक्शन पर 'कवच' सिस्टम लागू करके ट्रेन की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा. 2027-28 तक, साबरमती शेड में 12,000 हॉर्सपावर की क्षमता वाले 300 लोकोमोटिव चालू हो जाएंगे, डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव, जिसका मेंटेनेंस साबरमती शेड (जो 700 करोड़ रुपये की लागत से बना है) में किया जाएगा, 12,000 एचपी क्षमता वाला एक बहुत शक्तिशाली इलेक्ट्रिक इंजन है. यह तेज गति से भारी और बहुत लंबी मालगाड़ियों को खींचने में सक्षम है. 2027-28 तक ऐसे कुल 300 इंजन चालू हो जाएंगे, जिससे माल ढोने की क्षमता बढ़ेगी और रेलवे ट्रांसपोर्टेशन को नई ताकत मिलेगी. इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं. नई परियोजनाओं के तहत, डब्ल्यूएजी-12 साबरमती लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड और साबरमती-कलोल-मोटीगाऊ और साबरमती-साणंद-जाखवाड़ा सेक्शन पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम का उद्घाटन किया गया. साथ ही, साबरमती-सरखेज रेल लाइन को डबल करने और अहमदाबाद-पालनपुर और अहमदाबाद-समखियाली सेक्शन पर 'कवच' सिस्टम लागू करने की आधारशिला भी रखी गई. 1,542 करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं की सौगातः इस कार्यक्रम के दौरान, गृह मंत्री ने गुजरात को 1,542 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं की सौगात दी.

साबरमती रेलवे स्टेशन का नया रूपः आधुनिक सुविधाओं वाले नए सिरे से तैयार साबरमती स्टेशन का उद्घाटन किया गया. साबरमती में 700 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक हअऋ12 लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड को राष्ट्र को समर्पित किया गया. साथ ही लाइन डबलिंग प्रोजेक्टः साबरमती-सरखेज रेलवे लाइन के डबलिंग प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन किया गया.

एलएनजी का मतलब है लिक्विफाइड नेचुरल गैस. नेचुरल गैस को बहुत कम तापमान पर तरल अवस्था में स्टोर किया जाता है और एक खास क्रायोजेनिक सिस्टम के जरिए इस्तेमाल किया जाता है. हालांकि, यह डेमू सिर्फ एलएनजी पर नहीं चलेगी; बल्कि यह डीजल और एलएनजी दोनों के कॉम्बिनेशन से चलेगी. इसी वजह से इसे डुअल-फ्यूल डीईएमयू कहा जाता है. डीआरएम वेद प्रकाश के अनुसार, इस डुअल-फ्यूल सिस्टम का मकसद डीजल के कुछ हिस्से को एलएनजी से बदलना है, जिससे ट्रेन की ऑपरेशनल परफॉर्मेंस बनाए रखते हुए फ्यूल की लागत और उत्सर्जन को कम किया जा सके.

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश से बातचीत की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश से बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और बातचीत में विश्वास रखता है, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को हवा देता है, तब उस देश से संवाद असंभव है। केंद्रीय मंत्री का सीधा-सीधा इशारा पाकिस्तान की तरफ था। केंद्रीय मंत्री सिंह ने याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसतरह देशों को कड़ा संदेश दिया था जो आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं या आतंकियों को पनाह देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद की राज्य नीति पर कायम रहेगा, भारत भी आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य नहीं दिया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना सिखाया है। आज डीआरडीओ केवल अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि उद्योगों, विश्वविद्यालयों और नए उद्यमों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय नवाचार मंच बन चुका है। रक्षा मंत्रालय ने नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) से 2400 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी को मंजूरी दी है, साथ ही नई तकनीक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

रांका की गिरफ्तारी पर गहराया विवादः सीजेपी ने सीएम हिमंत को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को खुली चुनौती दी है। यह चुनौती सीजेपी सदस्य आशुतोष रांका और उनकी टीम को गुवाहाटी में हिरासत में लेने के बाद सामने आई है। दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि आशुतोष को रिहा नहीं किया गया, तब सीजेपी के सभी सदस्य असम जाएंगे और मुख्यमंत्री उन सभी को गिरफ्तार कर सकते हैं।
सीजेपी सदस्य रांका को उनकी टीम के साथ गुवाहाटी में एक निजी घर से हिरासत में लिया गया। उन्हें अभी तक गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया है। रांका ने हिरासत के दौरान दावा किया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा डरे हुए हैं, क्योंकि सीजेपी असम के स्कूलों की वास्तविक स्थिति और काजीरंगा में लोगों के अधिकार छीनकर कॉर्पोरेट्स को जमीन, जंगल और पानी सौंपने जैसे मुद्दों को उजागर करना चाहती है। रांका ने वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि सीएम असम विधानसभा चुनावों में हुई कथित धांधली से भयभीत हैं, जिसमें सीटों की सीमाएं बदलकर और नागरिकों को मतदाता सूची से हटाकर हेरफेर हुआ था।
दीपके ने मुख्यमंत्री सरमा पर सीधा हमला कर कहा कि आशुतोष को बिना किसी आरोप के उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर रांका को जल्द रिहा नहीं किया गया, तब वह और सीजेपी के अन्य सदस्य असम आएंगे और सीएम के पास उन सभी को गिरफ्तार करने का विकल्प होगा। सीजेपी नेताओं का दावा है कि उन्हें गुवाहाटी में एक स्वयंसेवक बैठक आयोजित करने से रोका गया था।
रांका ने पुलिस के साथ चलती गाड़ी से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, मुख्यमंत्री सरमा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम उनकी आवाज़ दबाना चाहते हैं क्योंकि वे असम की वास्तविकताओं को सामने लाने से डरते हैं, खासकर शिक्षा क्षेत्र और स्थानीय लोगों के अधिकारों के हनन के संबंध में। रांका ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की यह कार्रवाई उनके डर को दर्शाती है कि देश को असम की सच्चाई का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि सीजेपी ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं है।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे।
ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं।
मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेंगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

गडकरी ने आरटीओ में जारी भष्ट्राचार पर चेतावनी.....तब आपकी नौकरी जाएगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री परिवहन सेवा योजना के शुभारंभ के मौके पर भ्रष्टाचार और वैकल्पिक ईंधन पर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देकर कहा, बहुत से ऑफिसर गांधीवादी हैं। गांधी जी की नोट दिखाई देती है, तब फटाफट ठप्पा लगा देते हैं। जरा याद रखना। गलत बस सेंशन किया, तब आपकी नौकरी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया है ताकि जनता को आरटीओ कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े और उनका जीवन सुगम हो सके।
सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नई सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र किया। इसके तहत, हर बस के लिए एक अलग चेकलिस्ट तैयार होगी और उस सूची को वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण फिजिकल और वीडियो निरीक्षण के बिना नहीं किया जाएगा, जिससे सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी। इथेनॉल को भविष्य का ईंधन बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समझाया कि ई-20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण, इस किसान मक्का, धान और कपास के पुआल जैसे कृषि उत्पादों से बनाते हैं। यह व्यवस्था अमेरिका, जर्मनी और जापान सहित 19 देशों में पहले से ही प्रचलित है। केंद्रीय गडकरी ने अपने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, स्कूटर और हाइड्रोजन कार के उपयोग का उल्लेख कर बताया कि जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध होंगी, जिससे देश की पेट्रोल-डीजल आयात पर निर्भरता काफी कम होगी।

राहुल गांधी हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते हैं बीजेपी को फायदा होता है

-इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने साधा निशाना

आगर मालवा, एजेंसी।
राहुल गांधी हाल में इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। अब प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस कार्यक्रम और राहुल गांधी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने सुसनेर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में हमारी मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए एक रैपर को बुला लिया, खूब जेन-जी किया, फोकट की कॉमेडी की, खूब डांस किया। विजयवर्गीय ने कहा कि हमने कहा क्या जरूरत है इन सबकी। आपके नेता को खड़ा कर दो, उनके नेता ऐसे ही हैं, जहां खड़ा कर दो वहां भीड़ लग जाती है। लोग सुनना चाहते कि पता नहीं कब किधर से आलू डाले और सोना निकाल दे।
उन्होंने कहा कि मुझसे पूछा कि राहुल गांधी आ रहे है, तो मैंने कहा कि इससे तो हमारा फायदा होगा, वो तो हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते है वहा बीजेपी को फायदा होता है। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि केंद्र में मोदी सरकार है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। ये कांग्रेस वाले पैसा कहां से लाएंगे। भाई ये कांग्रेस वाले क्या धंधा करते हैं? मुझसे ज्यादा आप जानते हैं। विजयवर्गीय ने सुसनेर से कांग्रेस के विधायक पर भी तंज कसते हुए घंटी बताया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजयवर्गीय ने कहा कि आपके यहां के विधायक बड़े व्यवहारिक हैं। मेरे पास आते है और कहते हैं कि ये काम है, वो काम है। मैं उनकी हां में हां मिलाता हूं। कभी ना नहीं करता। उन्हें कड़क मीठी चाय पिलाता हूं। अगर उनका उम्मीदवार जीतेगा तो कागज लाएंगे तो में सब कागज रख लूंगा और जाते-जाते एक बॉक्स दूंगा की उसे सुसनेर जाकर खोलना। वहीं बीजेपी का प्रत्याशी प्रदीप जीता और यह आया तो सभी कागज तुरंत मंजूर कर दूंगा और ये कांग्रेस से जीतकर आएगा। सुसनेर आकर बॉक्स खोलेगा तो उसमें मिलेगी घंटी, अब आप देख लो कि आपको विकास करना है कि घंटी बजवाना है।

गंगोत्री धाम में बर्फबारी, केदारनाथ में बारिश, चारधाम यात्रा पर बेक्र

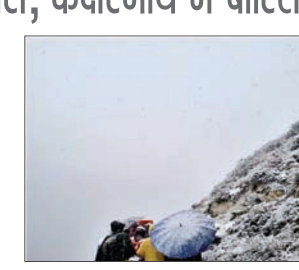

रुद्रप्रयाग/ उत्तरकाशी, एजेंसी।
उत्तराखंड में आज मौसम विभाग ने बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है. मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून की तरफ से जारी चेतावनी के अनुसार देहरादून, टिहरी और पौड़ी गढ़वाल में बहुत भारी बारिश होने के आसार है. इसी कड़ी में रुद्रप्रयाग जिले में बारिश जारी है. जिससे यात्रा मार्गों पर मुश्किलें बढ़ गई हैं. वहीं, उत्तरकाशी जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है. गंगोत्री धाम की ऊंची चोटियों, गोमुख और भारत-चीन सीमा से लगे क्षेत्रों में लगातार बर्फबारी हो रही है.

गंगोत्री धाम की ऊंची चोटियों के साथ गोमुख क्षेत्र में भी लगातार बर्फ गिर रही है. वहीं भारत-चीन सीमा से लगे नेलांग, जादूंग, नीलापानी समेत अग्रिम चौकियों में भारी बर्फबारी के कारण चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है. इन क्षेत्रों में करीब चार से पांच फीट तक बर्फ जमने की सूचना है. लगातार बर्फबारी के कारण सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों और कर्मचारियों को भी मौसम की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. उधर, यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है. ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश के साथ बर्फबारी होने से तापमान काफी नीचे चला गया है. सप्त ऋषि कुंड, बंदरपूंछ और गरुड़ गंगा की चोटियां बर्फ से ढक गई हैं. लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण यमुनोत्री धाम में ठंड का असर बढ़ गई है. यमुनोत्री धाम के पुरोहित गिरीश उनियाल और सुरेश नौटियाल ने बताया लगातार बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी के कारण धाम में ठंड काफी बढ़ गई है. मौसम खराब होने और चारधाम यात्रा स्थगित किए जाने के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही पूरी तरह थमी हुई है. इससे यमुनोत्री धाम में सन्नाटा पसरा हुआ है.

रामोजी फिल्म सिटी को मिला 'बेस्ट सिविक मैनेजमेंट ऑफ टूरिस्ट डेस्टिनेशन' अवॉर्ड

हैदराबाद, एजेंसी।
विश्व पर्यटन दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को तेलंगाना सरकार की तरफ से रामोजी फिल्म सिटी को 'पर्यटक स्थल का सर्वश्रेष्ठ नागरिक प्रबंधन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस दशक में यह दूसरा मौका है जब रामोजी फिल्म सिटी ने यह अवॉर्ड जीता है. इससे पहले इसे 2021 में यह अवॉर्ड मिला था. 2026 का यह अवॉर्ड शिल्परामम में आयोजित एक कार्यक्रम में डिजिटल एजेंडा - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ पर्यटन की पुनः कल्पना थीम के तहत प्रदान किया गया. रामोजी फिल्म सिटी के वाइस-प्रेसिडेंट ए.वी. राव ने तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव से यह अवॉर्ड स्वीकार किया. इस उपलब्धि का श्रेय प्रभावी टीमवर्क और मजबूत लीडरशिप समर्थन को देते हुए, ए.वी. राव ने कहा, सुविधाओं, स्वच्छता और रखरखाव के मामले में राज्य या देश की कोई भी अन्य फैसिलिटी, रामोजी फिल्म सिटी की बराबरी नहीं कर सकती. यह कामयाबी पूरी तरह से सामूहिक सहयोग और हमारे प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई प्रेरणा से ही संभव हो पाई है. इस समारोह में 29 कैटेगरी में अवॉर्ड दिए गए, जिसमें रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट, अम्यूजमेंट पार्क और ट्रैवल एजेंसी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता दी गई.

कार्यक्रम के दौरान, मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में तकनीक की बदलाव लाने की क्षमता पर विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा एनालिटिक्स का प्रभावी ढंग से उपयोग करके, राज्य बहुत अधिक कस्टमाइज्ड यात्रा कार्यक्रम तैयार कर सकता है, बहुभाषी सहायता प्रदान कर सकता है, सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल रूप से प्रदर्शित कर सकता है और शानदार वर्चुअल अनुभव प्रदान कर सकता है. मंत्री ने कहा, हमने एक व्यापक और आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो पर्यटकों को पूरे राज्य में घूमने की जगहों, आकर्षणों, यात्रा पैकेजों और स्थानीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी आसानी से पाने की सुविधा देता है.

पर्यटन को बढ़ावा देना एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना पर्यटन नीति 2025-30 के तहत, राज्य सरकार का लक्ष्य ?50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करना और 5 लाख रोजगार के अवसर पैदा करना है. उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों से न सिर्फ खुशी और आनंद मिलता है, बल्कि लोगों के सोचने का तरीका भी बदलता है.

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य तेलंगाना को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों यात्रियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में मजबूती से स्थापित करना है. मुख्य अतिथि और उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक और उन्नत बनाने पर सरकार के उच्च प्राथमिकता वाले फोकस को दोहराया. उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित विकास की रूपरेखा के बारे में बताया, जिसमें पारिस्थितिकी-पर्यटन, मंदिर पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और स्वास्थ्य पर्यटन शामिल हैं. विक्रमार्क ने कहा, हमने कॉर्पोरेट अधिकारियों और सॉफ्टवेयर कंपनियों के सीईओ के लिए विशेष वीकेंड गेटवे तैयार किए हैं।

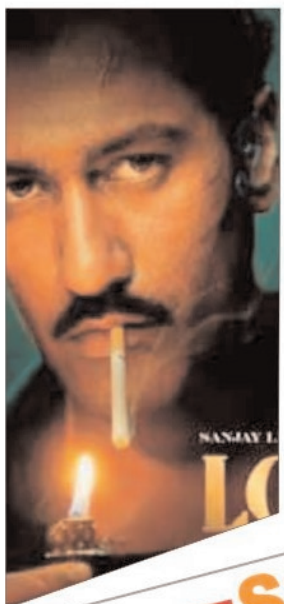

'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का धांसू अवतार

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के पहले पोस्टर जारी होने के बाद अब संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' से विक्की कौशल का पहली झलक भी सामने आ गई है। इस पीरियड वॉर ड्रामा का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद ये भंसाली की बतौर निर्देशक अगली बड़ी फिल्म है, जिसकी वजह से इसे साल 2027 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। विक्की के फर्स्ट-लुक पोस्टर में वो दाएं हाथ में लाइटर पकड़े नजर आ रहे हैं। इसी से वो होठों के बीच दबी सिगरेट जला रहे हैं।

लाइफStyle

आलिया

संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज

संजय लीला भंसाली की नई फिल्म 'लव एंड वॉर' से आलिया भट्ट का नया लुक सामने आ गया है और यह उनका अंदाज काफी हटके है। इस पोस्टर में आलिया एक बोल्ड कैबरे आउटफिट में नजर आ रही हैं।

स्लिट स्कर्ट और हेडपीस के साथ उनका यह अंदाज फैंस को उनका एक नया, आत्मविश्वासी रूप दिखा रहा है। इस बहुचर्चित फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी उनके साथ नजर आएंगे। 'लव एंड वॉर' दुनिया भर में 21 जनवरी, 2027 को रिलीज होगी और यह हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में उतरेगी।

संजय इस बार दर्शकों को कुछ नया दिखाने का वादा कर रहे हैं। फिल्म में एक ऐसी नई सेटिंग और विजुअल वर्ल्ड होगा, जो उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग होगी। फिल्म के जो पोस्टर्स अब तक ऑनलाइन आए हैं, उन्होंने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे सितारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म 'लव एंड वॉर' से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसमें आलिया भट्ट कैबरे आउटफिट में डांस करती दिख रही हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ समय पहले ही फिल्म आलिया के कैरेक्टर पोस्टर भी रिलीज हुए। इन पोस्टरों के बाद अब यह क्लिप दर्शकों को फिल्म के संगीत और उसके माहौल को लेकर और ज्यादा उत्सुक कर रहा है।

हॉलीवुड मसाला

टेलर के 'क्लीवलैंड' ने जीता दिल

लॉस एंजिलस। टेलर स्विफ्ट ने अपने नए एल्बम एक्सटेंशन 'द लाइफ ऑफ अ शोगर्ल: द एनकोर' से हाल ही में 'क्लीवलैंड' नाम का एक गाना जारी किया है। यह गाना उनके पति ट्रेविस केल्सी के गृह नगर क्लीवलैंड हाइट्स, ओहियो को एक प्यारा सा सम्मान है। इसमें उनकी 3 जुलाई की शादी और क्लीवलैंड हाइट्स का भी जिक्र मिलता है। टेलर ने इस हफ्ते की शुरुआत में ही इस एडिशन का एलान किया था, जिसमें 'पेशेंट जीरो' जैसे कई नए गाने शामिल हैं। यह खबर ऐसे समय आई है जब ट्रेविस ने क्लीवलैंड गार्जियंस बेसबॉल टीम में कुछ हिस्सेदारी खरीदी है।

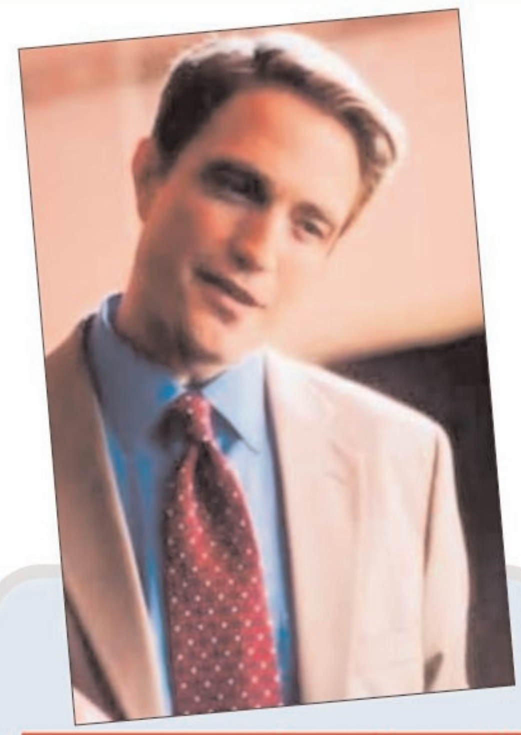

'प्राइमटाइम' के 7 सेकंड के सीन पर चली सेंसर की कैंची

लॉस एंजिलस। रॉबर्ट पैटिनसन की नई थ्रिलर फिल्म 'प्राइमटाइम' अब भारतीय सिनेमाघरों में आ गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड ने इसमें कुछ बदलाव किए हैं। हालांकि, यह फिल्म सिर्फ वयस्कों के लिए बनी है, फिर भी इसे मंजूरी मिलने से पहले 7 सेकंड के नग्न दृश्यों को हटाना पड़ा, 2 अपशब्दों को म्यूट किया गया और एक शराब के ब्रांड को धुंधला करना पड़ा। इन बदलावों से कई ऑनलाइन दर्शक खुश नहीं हैं, खासकर तब जब 'प्राइमटाइम' फिल्म पहले से ही वयस्कों के लिए बनाई गई है। यह फिल्म पत्रकार क्रिस हैंसन की कहानी बताती है, जो एक ऐसे शो में काम करते हैं, जो ऑनलाइन शिकारियों को पकड़ता है। इसमें वे अपराध की रिपोर्टिंग और मनोरंजन के बीच के मुश्किल संतुलन को समझने की कोशिश करते हैं। इस फिल्म में मेरिट वेवर और फोबे ब्रिजर्स (जो अपनी पहली बड़ी फिल्म में नजर आ रही हैं) भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अब बनेगी वेब सीरीज द फैमिली मैन

मुंबई। लोकप्रिय वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के क्रिएटर्स अब इसे एक फिल्म में बदलने पर भी सोच रहे हैं। मनोज बाजपेयी इस शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, जिसे इसकी रोमांचक कहानी और दमदार कलाकारों के लिए दर्शक बहुत पसंद करते हैं। सुनने में आया है कि 'द फैमिली मैन' को फिल्म में बदलने का विचार कुछ समय से चल रहा था, लेकिन अभी टीम चौथे सीजन को पहले पूरा करने पर ध्यान दे रही है, उसके बाद ही फिल्म की योजना पर आगे काम होगा। फिलहाल सबकी नजर चौथे सीजन को बनाने पर टिकी है। इसकी शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। यह शो श्रीकांत तिवारी (मनोज) नाम के एक इंटेलिजेंस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो अपनी खतरनाक नौकरी और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने की जद्दोजहद करता है।

'गनमास्टर जी-9' से आया रोमांटिक गाना

मुंबई। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'गनमास्टर जी9' का इंतजार उनके फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित, यह एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा मुख्य किरदार में हैं। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'अफसाना बनाया आपने' रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। यह गाना इमरान और हिमेश रेशमिया की वापसी का प्रतीक है। यूट्यूब पर 'अफसाना बनाया आपने' उसके वीडियो के साथ रिलीज किया गया है। यह गाना फिल्म में इमरान और जेनेलिया के बीच पनपते प्यार, जुनून और गहराई को दर्शाता है। इसका संगीत हिमेश ने तैयार किया है और उन्होंने ही बोल लिखकर उन्हें अपनी आवाज में पिरोया है।

टीवी मसाला

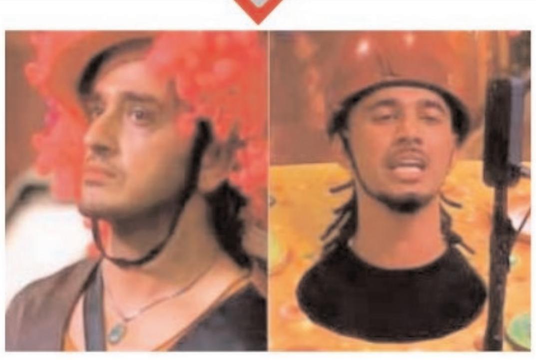

'बिग बॉस 20': कप्तानी टास्क में भिड़े यंग और काजी कोई और जीत ले गया बाजी

रायपुर। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में घर का अगला कप्तान बनने के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। हालिया एपिसोड में, ऋति तिवारी, काजी तौकीर और उदिति सिंह के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसका असर अब तक सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है।

भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं में शाहरुख ने बिग बी को छोड़ा पीछे

मुंबई। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 की नई सूची जारी हो गई है, जिसमें देश के कई बेहद अमीर लोगों के साथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज सितारों के नाम भी शामिल हैं। इस सूची में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता शाहरुख खान से लेकर सलमान खान तक ने अपनी जगह बनाई है। ऐसे में आइए जानते हैं, इस साल की सूची में शामिल भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं और उनकी संपत्ति के बारे में।

शाहरुख खान : हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, शाहरुख की कुल संपत्ति करीब 10,000 करोड़ रुपये है। फिल्मों से मोटी फीस लेने के अलावा वह कई बड़े ब्रांड्स से भी जुड़े हैं। शाहरुख का अपना प्रोडक्शन हाउस है और वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं। इसके अलावा वह किडजानिया के सह-मालिक भी हैं, जिसमें उनकी करीब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई जाती है।

अमिताभ बच्चन : इस सूची में अमिताभ बच्चन दूसरे स्थान पर हैं। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति करीब 4,000 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि उनकी संपत्ति में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है। साल 2025 में उनकी अनुमानित संपत्ति लगभग 1,630 करोड़ रुपये थी। अमिताभ की कमाई का प्रमुख जरिया फिल्म, टीवी शो की मेजबानी, ब्रांड विज्ञापन, रियल एस्टेट और विभिन्न व्यावसायिक निवेश हैं।

सलमान खान : सलमान का नाम भी इस सूची में शामिल है। उनकी नेटवर्थ करीब 3,000 करोड़ रुपये बताई जाती है। फिल्मों से कमाई के अलावा सलमान ब्रांड एंडोर्समेंट और टीवी शो होस्टिंग से भी अच्छी कमाई करते हैं। वो 'बीइंग ह्यूमन' ब्रांड और चैरिटी भी कमाई करते है। इसके अलावा 'सलमान खान फिल्म्स' नाम का उनका अपना प्रोडक्शन हाउस है, जो उनकी कमाई का एक और मजबूत जरिया है।

मुश्ताक खान की यादगार भूमिका वाली फिल्में देखें ओटीटी पर...

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को 56 साल की उम्र में निधन हो गया। हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले मुश्ताक ने कई फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। उनके कई किरदार आज भी दर्शकों को याद हैं। अभिनेता को श्रद्धांजलि देने के लिए आइए उनकी कुछ चर्चित फिल्मों पर नजर डालते हैं और जानते हैं कि इन फिल्मों को आप किस-किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

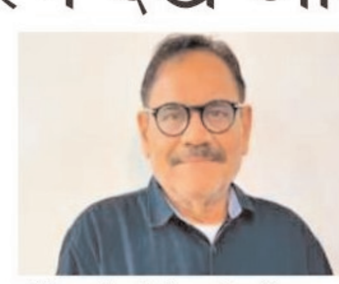

'हेरा फेरी' और 'गदर: एक प्रेम कथा': 'हेरा फेरी' बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसमें मुश्ताक के साथ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। 'गदर: एक प्रेम कथा' में मुश्ताक के साथ सनी देओल और अमीषा पटेल दिखाई दिए थे। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'वेलकम' और 'हम हैं राही प्यार के': फिल्म 'वेलकम' में मुश्ताक खान ने 'बालू' का किरदार निभाया था। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय, कैटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर ने काम किया था। इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। 'हम हैं राही प्यार के' में आमिर खान और जूही चावला मुख्य भूमिकाओं में दिखाई दिए थे, जबकि मुश्ताक ने सहायक भूमिका निभाई थी। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

5 'स्त्री 2'

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' में मुश्ताक ने नेता का किरदार निभाया था। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी दिखाई दिए थे। आप इसे प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

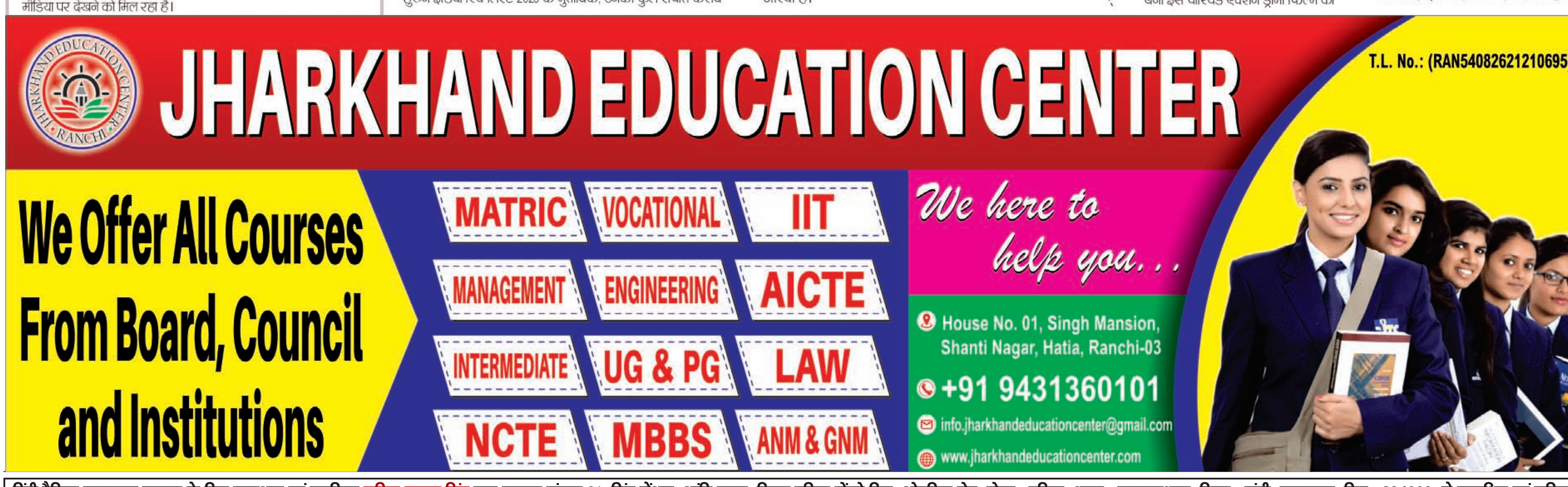

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.